हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 15 दिसंबर 2024

सीएम ने थामा बल्ला, लगाए शॉट्स

रायपुर। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी के संयोजन और रायपुर प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में द्रोणाचार्य बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड में मीडिया क्रिकेट लीग का आयोजन किया गया। उद्घाटन में मुख्यमंत्री ने विष्णुदेव साय ने क्रिकेट का बल्ला थामे और शॉट्स लगाते नजर आए। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी क्रिकेट का लुत्फ उठाया। स्पर्धा में हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी भी उपस्थित रहे।

केंद्रीयगृह मंत्री अमित शाह नक्सल प्रभावित क्षेत्र बस्तर का दौरा कर इतिहास रचने जा रहे हैं। वे यहां पर नक्सलियों के ताबूत में अंतिम कील ठोकने की रणनीति बनाने गोपनीय बैठक भी करेंगे। मार्च 2026 तक नक्सलियों का सफाया करने का लक्ष्य लेकर चल रहे अमित शाह अपने दौरे के दौरान सुरक्षा बल के बेस कैंप में भी जाएंगे। यहां सुरक्षा बलों के साथ रणनीतिक चर्चा कर शेष नक्सलियों की मांद में घुसकर उन्हें कैसे खदेड़ेंगे इस पर चर्चा करेंगे। चर्चा है कि वे खूंखार नक्सली हिड़मा के गांव पूवर्ती जा सकते हैं। साथ धुर नक्सली इलाके में खोले गए नए कैंप में पहुंचकर जवानों का हौसला बढ़ा सकते हैं। अगर दौरे के दौरान ऐसा होता है, तो शाह ऐसा करने वाले देश के पहले गृहमंत्री होंगे।

बस्तर में अमित इतिहास रचेंगे शाह

नक्सलियों के ताबूत में अंतिम कील की तैयारी

- एक साल में 219 नक्सली मारे, अब बचे हैं करीब 450

रात 1 बजे रायपुर पहुंचे अमित शाह

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का रायपुर पहुंचने पर विमानतल पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वागत किया। यहां उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और अरुण साव, विधायक किरण देव सिंह, डीजीपी अशोक जुनेजा, कलेक्टर डॉ गौरव सिंह, एसपी लाल उम्मेद सिंह उपस्थित थे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शनिवार रात 1 बजे रायपुर पहुंचे। रविवार को रायपुर से जगदलपुर जाएंगे, वहां कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरान वे सरेंडर नक्सलियों से मिलेंगे। जवानों और शहीदों के परिजनों से भी मुलाकात करेंगे। बताया जाता है कि श्री शाह नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ भी जा सकते हैं। अबूझमाड़ के गांव में इसलिए, क्योंकि इस इलाके को नक्सलियों की राजधानी के नाम से जाना जाता है। यहां कई बड़े कैडर्स के नक्सली हैं। अबूझमाड़ के इलाके में ही आर्मी का बेस कैंप भी स्थापित किया जाना है। इस लिहाज से इलाके को करीब से देखने और इंडियन आर्मी का बेस कैंप खोलने को लेकर वे इस इलाके में भी जा सकते हैं। माड़ की जमीनी स्थिति, इलाके के लोगों से मुलाकात कर उनसे चर्चा कर सकते हैं। ⏭शेष पेज 10 पर

1 साल में 219 ढेर

नक्सली समस्या की समीक्षा बैठक के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रायपुर में नक्सलवाद के खात्मे को लेकर मार्च 2026 तक बस्तर को नक्सलियों से मुक्त करने का टारगेट दिया है। इसके बाद से बस्तर के अलग-अलग जिले में लगातार ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। सालभर में 219 नक्सली मारे गए हैं। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद ये देश में एक साल में मारे गए नक्सलियों का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

25 से ज्यादा बेस कैंप खुले

बस्तर को नक्सलियों से मुक्त करने और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निर्देश पर सालभर में बस्तर में 25 से ज्यादा सुरक्षाबलों के कैंप स्थापित किए गए हैं। इनमें दंतेवाड़ा के नेरली घाटी, कांकेर के पानीडोबरी, बीजापुर के गुंडम, पुतकेल, छुटवही, नारायणपुर के कस्तूरमेटा, इरकभट्ठी, मसपुर, मोहंदी, सुकमा के मुलेर, परिया, सलातोंग, टेकलगुडेम, पूवर्ती, लखापाल पुलनपाड़ में कैंप खुले हैं। कुछ समय पहले तक इन गांवों में नक्सलियों की हुकूमत चलती थी। कुछ इलाकों में स्कूल और सड़क भी नहीं थी, लेकिन जब यहां सुरक्षाबलों का कैंप खुला, तो सड़कें बननी शुरू हुईं। स्कूलों का निर्माण शुरू हुआ है। राशन, आधार और वोटर आईडी बनाना शुरू हुआ।

ग्राउंड जीरो पर हरिभूमि...

अबूझमाड़ में अब गदर के गीत नहीं...अ से अनार पढ़ रहे बच्चे

- बम, बारूद और बंदूक की गोली नहीं,स्कूल में सुनाई दे रहा राष्ट्रगान....
- आज़ादी के बाद बीहड़ों में रहने वाले चार गांवों को मिला शिक्षा का मंदिर

ग्राउंड जीरो से शेख महमूद की रिपोर्ट ⏭ नारायणपुर

सरकार के नक्सल मुक्त बस्तर के ऐलान के बीच नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में आज़ादी के बाद पहली बार चार गांवों के बच्चों को शिक्षा का अधिकार मिल रहा हैं। नक्सलियों को खदेड़ने के बाद नक्सल मुक्त बस्तर की गवाही बीहड़ में खुले नए स्कूल के बच्चे दे रहे हैं। एंटी नक्सल ऑपरेशन के दौरान फोर्स को मिल रही सफलता से अबूझमाड़ के अधिकांश गांवों में चल रही नक्सलियों की पाठशाला बंद होने के बाद सरकार उन इलाकों में स्कूल खोल रही है। अब बच्चे आतंक से मुक्त हैं और स्कूल में अ से अनार पढ़ रहे हैं। बस्तर आईजी ⏭शेष पेज 10 पर

स्कूल के लिए गांव शिफ्ट करने के लिए तैयार ग्रामीण

अबूझमाड़ का एक गांव ऐसा भी है जहां के लोगों को पता चला कि अपने गांव से ढाई किलोमीटर दूर जद्दा गांव में स्कूल खुल गया है तो पूरे गांव वाले बैठक कर अपने गांव को स्कूल वाले गांव में शिफ्ट करने के राजी हो गए हैं। यह बात हम नहीं ओरछा के खंड शिक्षा अधिकारी कह रहे हैं। बतौर खंड शिक्षा अधिकारी बीआर रावटे ने बताया कि जब उनकी टीम बीहड़ों का सफर तय करते हुए ढाई घंटा पैदल चलकर मरकुल गांव पहुंची तो गांव वालों ने कहा कि हमारे गांव के बच्चों को भी स्कूल में पढ़ना है। इस वजह से हमारे गांव के लोग जद्दा में जाकर बस जाएंगे।

माड़ मुठभेड़ में मारा गया 25 लाख का इनामी ओडिशा स्टेट कमेटी मेंबर कार्तिक

कार्तिक
25 लाख

रमिला मडकम
5 लाख

- मारे गए सात नक्सलियों पर था 34 लाख का इनाम घोषित
- थी नॉट थी रायफल, बीजीएल लांचर समेत भारी मात्रा में विस्फोटक व नक्सल सामग्री बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

दो दिन पूर्व माड़ में सुरक्षाबलों ने सात नक्सलियों को मार गिराया था। मारे गए माओवादियों में ओडिशा स्टेट कमेटी मेंबर 25 लाख का इनामी रामचन्द्र उर्फ कार्तिक उर्फ दसरू उर्फ जीवन भी शामिल है। मारे गए अन्य नक्सलियों में 5 लाख की इनामी एसीएम रैंक की रैनी उर्फ रमिला मडकम समेत सात नक्सली शामिल हैं। जिनपर 34 लाख का इनाम घोषित था। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दो दिवसीय बस्तर प्रवास से पूर्व सुरक्षाबलों द्वारा 48 घंटे में 9 नक्सलियों को ढेर किया जा चुका है। ⏭शेष पेज 10 पर

कई नक्सली घायल

बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने पत्रवार्ता में बताया कि मुठभेड़ से 48 घंटे पूर्व माड़ के दक्षिणी माड़ में दक्षिण माड़ डिविजन, पीएलजीए प्लाटून नम्बर 16, इंद्रावती एरिया कमिटी के शीर्ष नक्सलियों के एकत्रित होने की खूफिया सूचना पर आपरेशन लांच किया गया था। जिसमें चार जिले नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर व कोण्डागांव डीआरजी के अलावा एसटीएफ व सीआरपीएफ की संयुक्त टीम के एक हजार से अधिक जवान शामिल थे। संयुक्त टीम ने मुठभेड़ में दो महिला माओवादी समेत सात नक्सलियों को मार गिराया। वहीं कई नक्सलियों के घायल होने की भी संभावना है।

मारे गए नक्सलियों की पहचान

मारे गए माओवादियों में ओडिशा स्टेट कमेटी मेंबर, सचिव पश्चिम ब्यूरो 25 लाख का इनामी रामचन्द्र उर्फ कार्तिक उर्फ दसरू उर्फ जीवन व 5 लाख की इनामी एसीएम पश्चिम बस्तर रैनी उर्फ रमिला मडकम, के अलावा 2-2 लाख के इनामी पीएम सोमारी ओयाम, गुडसा कुच्चा, रैनू पोयाम, कमलेश उर्फ कोहला, सोमारु उर्फ मोटू पार्टी मेंबर शामिल है। प्रेसवार्ता के दौरान चार जिले के एसपी के अलावा डीआईजी कांकेर भी मौजूद थे।

अनाथ नहीं अब सारनाथ, हरिभूमि में खबर छपने के बाद अब 17 से पटरी पर लौटेगी

- हर साल सारनाथ ठंड में होती थी रद्द, पहली बार विरोध के बाद पटरी पर लौटी ट्रेन
- ठंड में उत्तरप्रदेश क्षेत्र में अधिक कोहरा होने के कारण फरवरी तक किया गया था रद्द

सार 'अ' नाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर से छपरा जाने वाली सारनाथ एक्सप्रेस से अब कोहरे का ग्रहण रेलवे ने खत्म कर दिया है। ट्रेन रद्द होने के बाद से ही यात्री इसका विरोध कर रहे थे। बता दें कि रेलवे ने दिसंबर से फरवरी तक अलग-अलग तारीखों में ट्रेन को रद्द किया था। हरिभूमि ने मुहिम चलाते हुए यात्रियों की समस्या और विरोध पर लगातार खबरें प्रकाशित की थीं, जिसके बाद अब रेलवे ने ट्रेन को 17 दिसंबर से नियमित चलाने का फैसला लिया है। ट्रेन के पटरी पर लौटने से अब प्रयागराज जाने के लिए यात्रियों को एक और नियमित ट्रेन मिल गई। सारनाथ में बड़ी संख्या में लोग बनारस और छपरा जाते हैं। ट्रेन के रद्द होने से यात्रियों को बड़ी समस्या हो रही थी। अब भीड़ कम होगी और यात्रियों का सफर भी आरामदायक होगा। ⏭शेष पेज 10 पर

वर्षों बाद पहली बार टूटी परंपरा

पिछले साल की तरह इस बार भी दिसंबर आने के 2 महीने पहले ही रेलवे ने कोहरा होने की भविष्यवाणी कर फिर से सारनाथ एक्सप्रेस की सेवा को अपना निशाना बनाया था। कड़ाके की ठंड कोहरे की भविष्यवाणी कर अप डाउन सारनाथ एक्सप्रेस को 2 दिसंबर, 24 से 27 फरवरी, 25 तक अलग अलग दिनों के लिए रद्द कर दिया गया था। इस बार परंपरा टूटी है। बता दें कि रायगढ़ खरसिया चांपा कोरबा के लोग बिलासपुर से इस ट्रेन को पकड़ते हैं, क्योंकि इन नगरों से इलाहाबाद बनारस के लिए सीधी ट्रेन नहीं है। दुर्ग भिलाई रायपुर तिल्दा भाटापारा बिलासपुर से लेकर शहडोल तक रेलवे के इस फैसले के खिलाफ लोगों का गुस्सा था। जागरूक नागरिकों ने रेलवे के इस फैसले को तुगलकी फरमान करार दिया। ट्रेन बहाल होने से रायपुर-बिलासपुर के हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी

खबर का असर

महाकुंभ के लिए बहाल हुई सारनाथ

रेलवे ने फैसला बदलते हुए कहा कि प्रयागराज महाकुंभ को देखते हुए रेलवे ने इस ट्रेन के फिर से संचालन का फैसला किया है। 17 दिसंबर से यह ट्रेन एक बार फिर से चलेगी। रायपुर से तीन नियमित ट्रेन मिलेगी। इसके अलावा प्रयागराज महाकुंभ के लिए रेलवे ने छत्तीसगढ़ के अलग-अलग रेलवे स्टेशन से तीन स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। प्रयागराज महाकुंभ के लिए रेलवे रायगढ़, बिलासपुर और दुर्ग रेलवे स्टेशन से तीन स्पेशल ट्रेन चलाएगा।

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

बस्तर
ओलंपिक
2024
करसाय ता बस्तर बरसाय ता बस्तर
सुशासन का 1 साल
छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल
बस्तर ओलंपिक
2024
खेलों के जरिए
सुखद भविष्य
की ओर बढ़ता
बस्तर
श्री अमित शाह
माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
खेलेगा बस्तर
बढ़ेगा बस्तर
हमने बनाया है
हम ही सँवारेंगे
Q.R. स्कैन करें
ChhattisgarhCMO
Visit us : DPRChhattisgarh
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
www.dprcg.gov.in

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
रायपुर, रविवार 15 दिसंबर 2024

गृहमंत्री विजय शर्मा के बयान के बाद एक्शन में पुलिस

दुर्ग, कवर्धा सहित छग में बांग्लादेशी घुसपैठियों की भरमार, नाम और पहचान बदलकर कर रहे निवास

दुर्ग, भिलाई, कुम्हारी, कवर्धा में की जांच, दो दिन में 700 से ज्यादा संदिग्धों पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई/ कवर्धा

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे लगातार हमले के बाद छत्तीसगढ़ शासन भी एक्शन में है। बांग्लादेशियों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने अभियान शुरू कर दिया है। पिछले दिनों गृहमंत्री विजय शर्मा ने दुर्ग प्रवास के दौरान स्पष्ट कहा था कि अनाधिकृत रूप से छत्तीसगढ़ में आकर बसने वाले बांग्लादेशियों को खदेड़ा जाएगा। उन्हें पकड़कर उनके देश भेजा जाएगा।

इसके बाद दुर्ग, कवर्धा सहित अन्य जिलों की पुलिस सक्रिय हो गई है। दुर्ग और कवर्धा जिले में पिछले दो दिनों में 700 से ज्यादा लोगों की पहचान की गई है, जिन पर प्रतिबंधात्मक धारा 128 के तहत कार्रवाई की गई है। इन आरोपियों के पास आधार कार्ड या अन्य पहचान पत्र नहीं है। वे बिना पुलिस थाना में सूचना दिए अलग-अलग जगहों पर निवास कर रहे थे। उन सभी संदिग्धों के बारे में पतासाजी की जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि ये सभी बांग्लादेश से आकर यहां गुपचुप तरीके से निवास कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक रायपुर, राजनांदगांव सहित अन्य व्यापारिक और औद्योगिक क्षेत्रों में ऐसे संदिग्धों के बहुताया में होने की आशंका बनी हुई है। बहरहाल पुलिस मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर लगातार गली-मोहल्ले में पहुंचकर ऐसे लोगों की पहचान में जुट गई है।

दुर्ग में भी अभियान, मचा हड़कंप

दुर्ग में भी पिछले दो दिनों से अभियान चलाया जा रहा है। अब तक लगभग 522 बाहरी नागरिकों की पहचान की गई है, जो बिना सूचना दिए जिले में निवास कर रहे थे। फेरी लगाने वाले, अस्थाई डेरा, झुग्गी बस्ती, श्रमिक बस्तियां, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, ट्रांसपोर्ट नगर हथखोज, सेक्टर एरिया एवं अन्य पर जांच की जा रही है। एएसपी सुखनंदन राठौर के नेतृत्व में शनिवार की सुबह सेक्टर 5 व 6 की झुग्गी-बस्तियों में जांच की गई। संदिग्ध पहचान वालों को थाने में हाजिर होने कहा गया है। 21 संदिग्धों से पूछताछ की गई। 200 से ज्यादा घरों की जांच की गई।

कवर्धा में दो दिनों में 39 लोगों की पहचान

कवर्धा पुलिस ने बताया कि दो दिन में 39 लोगों की पहचान की गई है। इसमें कवर्धा से 13 और 2 चिल्फी से संदिग्ध मिले हैं। शनिवार को 24 लोगों की पहचान की गई है। पुलिस की टीम होटल, ढाबा संचालकों से भी पूछताछ कर रही है। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन में कवर्धा और पंडरिया थाना क्षेत्र में अभियान भी चलाया गया। शनिवार को कवर्धा से 10 और पंडरिया क्षेत्र से 14 संदिग्धों की पहचान की गई। एसपी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जिले में संदिग्ध या बिना वैध दस्तावेज के रह रहे व्यक्तियों के लिए कोई स्थान नहीं है। ऐसे लोगों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ज्वेलरी और औद्योगिक क्षेत्रों में लाकर बसाने का चल रहा खेल : हरिभूमि की पड़ताल में खुलासा हुआ है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को ज्वेलरी और औद्योगिक क्षेत्रों में लाकर बसाया जा रहा है। यहां तक उनके आधार कार्ड तक बनावा दिए जा रहे हैं। दुर्ग के गयानगर, ढीमरपारा, मठपारा, कायस्थ पारा, गवलीपारा जैसे क्षेत्रों में ज्वेलरी के कार्य में ऐसे कई लोग काम कर रहे हैं, जिन्हें पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम से लाया गया है। आशंका जाहिर की जा रही है कि इसमें कुछ ऐसे भी हैं, जो रोहिंग्या मुसलमान है। इसी प्रकार कुम्हारी, चरोदा में भी औद्योगिक कार्यों के भी मजदूर के रूप में इन्हें लाया गया है। कम दिहाड़ी के नाम पर प्लेसमेंट और अन्य माध्यमों से इन मजूदरों को लाया जा रहा है।

प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही

पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा। अन्य राज्य से आकर रहने वाले 522 संदिग्धों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस के बिना सूचना के वे यहां निवासरत थे। यह अभियान चलता रहेगा, शनिवार को सेक्टर समेत आसपास में चलाया गया। चौकी और थाना क्षेत्र में भी जारी है।

सुखनंदन राठौर, एएसपी दुर्ग

बिना कुछ गिरवी रखे मिलेगा 2 लाख रुपये तक का लोन

- किसानों को मिली बड़ी राहत
- आरबीआई ने कोलैटरल-फ्री लोन की सीमा बढ़ाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक ने किसानों को नए साल तोहफा देते हुए संपार्श्विक-मुक्त (कोलैटरल-फ्री) लोन की सीमा 1.6 लाख से बढ़ाकर 2 लाख रुपये कर दी है। इसके बाद किसान खेती के लिए बिना कुछ गिरवी रखे 2 लाख रुपये तक का लोन ले सकेंगे। खेती में बढ़ती इनपुट लागत के बीच छोटे और सीमांत किसानों को समर्थन देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। लोन की बढ़ी हुई सीमा 1 जनवरी, 2025 से लागू होगी।

फैसले पर क्या बोला कृषि मंत्रालय? : कृषि मंत्रालय के अनुसार, यह निर्णय बढ़ती इनपुट लागत और किसानों के लिए ऋण पहुंच में सुधार की आवश्यकता को देखते हुए लिया गया है। एक बयान में कहा गया है, इस उपाय से छोटे और सीमांत भूमिधारक 86 फीसदी से अधिक किसानों को काफी लाभ होगा।

महाभियोग के बाद दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक हटाए गए

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दक्षिण कोरिया की नेशनल असेंबली ने शनिवार को राष्ट्रपति यून सुक योल पर मार्शल लॉ लागू करने के विवादास्पद प्रयास के लिए महाभियोग चलाया गया। गुप्त मतदान में महाभियोग के पक्ष में 204 वोट पड़े, जबकि विपक्ष में 85 वोट आए। इसी तरह 3 सदस्यों ने मतदान नहीं किया और 8 वोट अवैध रहे। इस तरह राष्ट्रपति को मार्शल लॉ लागू कर राजनीतिक संकट पैदा करने का दोषी पाया गया और उन्हें अस्थायी रूप से पद से निलंबित कर दिया।

पहले विफल हो गया था पहला महाभियोग : इससे पहले पिछले सप्ताह यून के खिलाफ पहला महाभियोग विफल हो गया था, क्योंकि यून की रूढ़िवादी पीपुल्स पावर पार्टी ने मतदान का बहिष्कार कर दिया था और कोरम पूरा नहीं हो सका था। उसके बाद आज दूसरी बार मतदान किया गया है।

पीएम हान सू को बनाया अंतरिम राष्ट्रपति

अब संवैधानिक न्यायालय द्वारा अंतिम निर्णय दिए जाने तक यून पद से निलंबित रहेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री हान डक सू अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेंगे। अदालत के पास यह निर्णय लेने के लिए 180 दिन का समय है कि यून को पद से स्थायी रूप से हटाया जाए या नहीं। अदलात उन्हें स्थायी रूप से हटाने का फैसला सुनाती है तो दक्षिण कोरिया को फैसला सुनाने की तारीख से 60 दिनों के भीतर राष्ट्रपति चुनाव कराना होगा।

क्या मस्जिद के अंदर 'जय श्रीराम' का नारा लगाना अपराध है?

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- सुप्रीम कोर्ट कल करेगा फैसला

कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक अपील दायर की गई है। जिसमें कहा गया था कि मस्जिद के अंदर 'जय श्री राम' का नारा लगाना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का अपराध नहीं है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने 13 सितंबर को दो व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की थी, जिन पर दूसरों की धार्मिक मान्यताओं का अपमान करने का आरोप लगाया गया था।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, इस फैसले को चुनौती देने वाली अपील 16 दिसंबर को जस्टिस पंकज मिथल और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है।

क्या है पूरा मामला : इस मामले में आरोप है कि दक्षिण कन्नड़ जिले के दो निवासी, कीर्तन कुमार और सचिन कुमार ने पिछले साल बदन्या जुम्मा मशिब नामक एक स्थानीय मस्जिद में घुस गए और 'जय श्री राम' के नारे लगाए। दोनों ने कथित तौर पर यह भी धमकी दी कि "वे बेयरियों (मुसलमानों) को शांति से रहने नहीं देंगे। स्थानीय पुलिस ने दोनों व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज होने के बाद उन पर कार्रवाई की थी। बाद में दोनों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामला रद्द करने की मांग करते हुए कर्नाटक हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

*हाईकोर्ट ने क्या कहा था आदेश में : इस साल 13 सितंबर को हाई कोर्ट के जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने उन्हें राहत प्रदान की और मामला रद्द करते हुए कहा कि धारा 295**A** जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्यों से संबंधित है जिसका उद्देश्य किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना है। यह समझ से परे है कि अगर कोई 'जय श्रीराम' का नारा लगाता है तो इससे किसी वर्ग की धार्मिक भावना कैसे आहत होगी। जब शिकायतकर्ता खुद कहता है कि इलाके में हिंदू-मुस्लिम सौहार्द के साथ रह रहे हैं तो इस घटना का परिणाम किसी भी तरह से एंटीमनी नहीं हो सकता।*

राहुल को 10 जनवरी को कोर्ट में पेश होने समन

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। लखनऊ की एक अदालत ने राहुल गांधी को नवंबर 2022 में महाराष्ट्र के अकोला में अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान विनायक दामोदर सावरकर के बारे में की गई अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित मानहानि के एक मामले में 10 जनवरी को तलब किया है। अदालत ने पाया कि राहुल गांधी ने कहा था कि वीर सावरकर अंग्रेजों के सेवक थे और उनसे पेंशन लेते थे, समाज में नफरत और दुर्भावना फैलाते हैं। राहुल गांधी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए और 505 के तहत आरोप हैं।

रायपुर, रविवार 15 दिसंबर 2024 अगहन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा | वर्ष : 23, अंक : 149 | पृष्ठ : 16+4+4 = 24 मूल्य : 5.00** haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

- अक्टूबर से कम हुई नवंबर में महंगाई दर
- महंगी सब्जी महंगा खाद्य तेल महंगा अनाज

इसलिए छत्तीसगढ़ में बढ़ी महंगाई

जहां तक छत्तीसगढ़ में महंगाई के आंकड़ों का सवाल है अक्टूबर में आई महंगाई दर की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में महंगाई दर 8. 84 फीसदी थी, लेकिन नवंबर की रिपोर्ट के मुताबिक यह आंकड़ा 8.39 पर आया है। शेष पेज 10 पर

इन राज्यों में सबसे अधिक महंगाई दर

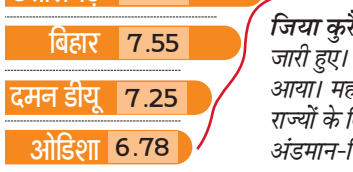

अंडमान में सबसे कम, मणिपुर में सबसे ज्यादा महंगाई
छत्तीसगढ़ को भी सब्जी, दाल और तेल ने तपाया

जिया कुरैशी/रायपुर। *हाल ही में देश में महंगाई दर के आंकड़े जारी हुए। अक्टूबर में महंगाई दर 6.21 थी। नवंबर राहत लेकर आया। महंगाई कम होकर 5.48 पर आ गई। नवंबर सभी राज्यों के लिए मामूली राहत लेकर आया। सबसे कम महंगाई अंडमान-निकोबार में है जो 1.92 फीसदी है। अंडमान-निकोबार के आसपास भी कोई दूसरा राज्य नहीं है। सबसे ज्यादा महंगाई मणिपुर में है जो ऐतिहासिक तौर पर 10.12 प्रतिशत है। यहां तक की दिल्ली एनसीआर में भी महंगाई की दर 2.65 फीसदी है। छत्तीसगढ़ भी महंगाई की मार झेल रहा है। छत्तीसगढ़ की बात करें तो यहां* शेष पेज 10 पर

हरिभूमि खास

इन राज्यों में राष्ट्रीय औसत के आसपास

तमिलनाडु	5
प. बंगाल	5.02
आंध्र प्रदेश	5.02
कर्नाटक	5.07
हिमाचल प्रदेश	5.13

देश के पांच राज्य जहां सबसे कम है महंगाई दर

अंडमान निकोबार	1.92
एनसीटी दिल्ली	2.65
सिक्किम	3.88
तेलंगाना	4.24
मेघालय	4.44
लक्षद्वीप	4.53

खाद्य तेल में अचानक तेजी

छत्तीसगढ़ में महंगाई बढ़ने के कुछ और कारण ये बताए जाते हैं, जैसे कि अक्टूबर तक खाद्य तेलों की कीमतों में 9.51 प्रतिशत का इजाफा हुआ। कुल फूड प्राइस इंडेक्स में 10.87 प्रतिशत की वृद्धि, होने से महंगाई दर प्रभावित हुई है। वजह ये भी है कि छत्तीसगढ़ में सोयाबीन सनफ्लावर, मूंगफली का तेल, दाल वगैरह दूसरे राज्यों से आता है। वस्तुओं के अलावा परिवहन खर्च बढ़ने से कीमत भी प्रभावित होती हैं।

खबर संक्षेप

'एक देश-एक चुनाव' बिल कल होगा पेश

नई दिल्ली। सरकार "एक देश, एक चुनाव" से संबंधित दो विधेयक 16 दिसंबर को लोकसभा में पेश करेगी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल निचले सदन में संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक पेश करेंगे। मंत्रिमंडल ने दो मसौदा कानूनों को मंजूरी दी है। इसमें से एक संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से संबंधित है।

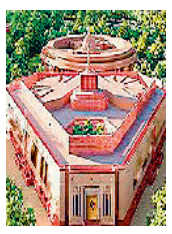

भारत रत्न आडवाणी अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता भारत रत्न लाल कृष्ण आडवाणी को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आडवाणी चिकित्सकों की निगरानी में हैं और उनकी हालत 'स्थिर' है। वह न्यूरोलॉजी विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में हैं। पूर्व उप प्रधानमंत्री (96) को करीब दो दिन पहले अस्पताल लाया गया था। उन्हें इस साल की शुरुआत में भी इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि आडवाणी को अभी अस्पताल में क्यों भर्ती कराया गया है।

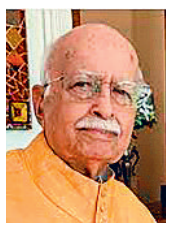

संविधान पर सदन में तीखा वार

हरिभूमि न्यूज/नई दिल्ली। संसद में शनिवार को दूसरे दिन भी संविधान पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को लोकसभा में कांग्रेस पर जमकर बरसे। उन्होंने इतिहास में हुई तीन घटनाओं को आधार बनाकर कहा कि संविधान में संशोधन करने का खून कांग्रेस के मुंह लग गया था। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर के एक 'कथन' का हवाला देते हुए भाजपा तथा सरकार पर तीखा प्रहार किया।

पीएम मोदी बोले-संविधान में संशोधन करने का खून कांग्रेस के मुंह लग गया

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के एक परिवार ने संविधान को चोट पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि 75 साल में से 55 साल एक ही परिवार ने राज किया है और क्या-क्या हुआ है, देश को ये जानने का अधिकार है।

नेहरू की चिट्ठी

पीएम मोदी ने पूर्व पीएम जवाहर लाल नेहरू की एक चिट्ठी का जिक्र करते हुए कहा कि 1951 में ये पाप किया गया। पंडित नेहरू की इस चिट्ठी में कहा गया था कि अगर संविधान हमारे रास्ते के बीच में आ जाए तो हर हाल में संविधान में परिवर्तन करना चाहिए।

आपातकाल

पीएम मोदी ने कहा कि जब इंदिरा गांधी के चुनाव को अदालत ने खारिज कर दिया और उनको सांसद पद छोड़ने की नौबत आई तो उन्होंने गुस्से में आकर देश पर इमरजेंसी थोप दी।

शाहबानो केस

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजीव गांधी की सरकार ने उस वृद्ध महिला से हक छीन लिया था जिसे कोर्ट ने उसका अधिकार दिया था। शाहबानो की भावना, कोर्ट की भावना को राजीव गांधी ने नकार दिया था, उन्होंने संविधान को कुचल दिया था। एक बूढ़ी महिला का साथ नहीं दिया बल्कि कट्टरपंथियों के साथ चले गए।

सदन में रखे 11 संकल्प

- नागरिक और सरकार अपने कर्तव्यों का पालन करे।
- हर क्षेत्र और समाज को विकास का लाभ मिले।
- भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस हो। भ्रष्टाचारी की सामाजिक स्वीकार्यता न हो।
- देश के कानून, नियम और परंपरा के पालन में देश के नागरिक में गर्व का भाव हो।
- गुलामी की मानसिकता से मुक्ति हो।
- देश की राजनीति को परिवारवाद से मुक्ति मिले।
- संविधान का सम्मान हो।

शेष पेज 10 पर

राहुल ने कहा-एकलव्य की तरह युवाओं का अंगूठा काटा जा रहा

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जिस तरह एकलव्य का अंगूठा कटा था, उसी तरह से आज देश के युवाओं का अंगूठा काटा जा रहा है एवं आज देश में 'संविधान बनाम मनुस्मृति' की लड़ाई है।

मनुस्मृति

राहुल गांधी ने संविधान और वैचारिक लड़ाई का उल्लेख करते हुए एक हाथ में संविधान की प्रति और दूसरे हाथ में मनुस्मृति की प्रति उठाकर सदन में दिखाई। उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि मनुस्मृति 'आपकी किताब' है। कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन संविधान के रक्षक हैं। भाजपा और आरएसएस मनुस्मृति के समर्थक हैं। देश संविधान से चलेगा, मनुस्मृति से नहीं।

किसानों पर लाठियां

राहुल गांधी ने कहा, आपने दिल्ली के बाहर किसानों पर आंसू गैस चलाई है, लाठियां चलाई हैं। किसान आपसे एमएसपी की मांग करते हैं, लेकिन आप दो उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाते हैं।

आरक्षण की दीवार

राहुल गांधी ने गुरु द्रोणाचार्य और एकलव्य की गाथा का उल्लेख करते हुए कहा कि जैसे एकलव्य का अंगूठा कटा था, उसी तरह सरकार पूरे देश के युवाओं का अंगूठा काट रही है। उन्होंने आरोप लगाया, जैसे एकलव्य ने तपस्या की थी, वैसे ही हिंदुस्तान के युवा सुबह उठकर अलग-अलग परीक्षा की तैयारी करते हैं।

राष्ट्रपति को किया जाएगा आमंत्रित

विधानसभा की रजत जयंती पर सालभर होंगे आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के रजत जयंती वर्ष में सालभर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने 14 दिसंबर से 14 दिसंबर 2025 तक मनाए जाने वाले रजत जयंती वर्ष के दौरान होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रजत जयंती वर्ष के दौरान बजट सत्र के दौरान सदस्यों के मध्य सद्भावना क्रिकेट मैच का आयोजन होगा। सत्र के दौरान सदस्यों को संबोधित करने राष्ट्रपति को आमंत्रित करने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। रजत जयंती वर्ष में शेष पेज 10 पर

- नए विधानसभा भवन का लोकार्पण भी कराया जाएगा

शीतकालीन सत्र में पहले दिन पेश होगा अनुपूरक बजट

16 दिसंबर से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र को लेकर अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बताया कि चार बैठकें होंगी। सत्र की शुरुआत 16 दिसंबर को 11 बजे होगी। पहले दिन राज्यसभा के पूर्व सांसद गोपाल व्यास और नंदाराम सोरी को श्रद्धांजलि दी जाएगी। विधानसभा में द्वितीय अनुपूरक अनुमान पहले दिन ही पेश किया जाएगा। दूसरे दिन विनियोग विधेयक पर चर्चा होगी। विधि विषयक कार्य के अंतर्गत आधा दर्जन से अधिक विधेयक पेश किए जाएंगे। सदस्यों ने सत्र के लिए 814 सवाल लगाए हैं। सत्र के लिए 140 ध्यानाकर्षण, 12 अशासकीय संकल्प, शून्यकाल की 12 सूचनाएं और 57 याचिकाएं सदस्यों से प्राप्त हुई हैं।

कांग्रेस प्रवेश का रास्ता खुलेगा, सात सदस्यीय समिति लगाएगी मुहर

पायलट ने जारी किया पत्र महंत, बैज और धनेंद्र सदस्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस में शामिल होने वाले नेताओं को अब पार्टी में प्रवेश तभी मिलेगा, जब सात सदस्यीय समिति अपनी सहमति देगी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने एक पत्र जारी कर कहा है कि कांग्रेस प्रवेश के लिए कई नेताओं के आवेदन आ रहे हैं। इन आवेदानों की गहन जांच और पूरी छानबीन के बाद ही पार्टी में प्रवेश दिया जाए। उन्होंने पार्टी शेष पेज 10 पर

स्कूल को फिर बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के एक स्कूल को शनिवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इस सप्ताह राष्ट्रीय राजधानी के स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल भेजे जाने की यह तीसरी घटना है। हमें सुबह छह बजकर नौ मिनट पर दिल्ली पब्लिक स्कूल आरके पुरम में बम की धमकी मिलने के बारे में फोन आया। अग्निशमन विभाग, स्थानीय पुलिस, श्वान दस्ता और बम निरोधक दस्ता स्कूल पहुंचा और तलाश अभियान शुरू किया।

न्यायमूर्ति त्रिवेदी महानदी न्यायाधिकरण की अध्यक्ष

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश बेला एम त्रिवेदी को महानदी जल विवाद न्यायाधिकरण की अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर के इस्तीफे के बाद की गई है। भारत के प्रधान न्यायाधीश ने अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम की धारा 5ए के तहत न्यायमूर्ति त्रिवेदी को इस पद के लिए नामित किया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एलंगोवन का निधन

चेन्नई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री ई वी के एस एलंगोवन का शनिवार को निधन हो गया। इरोड पूर्वी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे एलंगोवन का स्वास्थ्य पिछले एक महीने से खराब था। तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुन्थगई ने एलंगोवन के निधन को 'बड़ी क्षति' करार दिया। सेल्वापेरुन्थगई ने कहा, ''वह एक मुखर व्यक्ति थे और उनका निधन उनके परिवार, कांग्रेस पार्टी और व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए एक अपूरणीय क्षति है।

रामराज्य की परिकल्पना की प्रतिमूर्ति चौधरी मित्रसेन आर्य

डॉ. सुशील टाया
जयंती विशेष

परिवर्तिनि संसारे मृतः को वा न जायते।
स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम् ।।

इस परिवर्तनशील संसार में हर मनुष्य का जन्म-मरण निश्चित है। परंतु उसी मनुष्य का जीवन सार्थक है, जिसके कार्यों से उसका परिवार ,समाज व राष्ट्र उन्नति करता है। ऐसे आदर्श पुत्र, आदर्श भाई, आदर्श पति, आदर्श पिता, आदर्श मित्र, आदर्श इंसान, आदर्श गृहस्थ, आदर्श समाजसेवी, आदर्श व्यवसायिक, आदर्श वेदानुगामी चौ. मित्रसेन आर्य जी ने पुरुषार्थ के बल पर शून्य से शिखर तक का सफर तय किया। गृहस्थ होते हुए भी पूरा जीवन संन्यासी की तरह जीवनयापन करने वाले चौधरी साहब ने समाज में ऐसे आदर्श स्थापित किए हैं,अगर उन द्वारा स्थापित आदर्श का अनुसरण किया जाए तो रामराज्य की परिकल्पना साकार हो सकती है।

हम सब एक-दूसरे को मित्र की दृष्टि से देखें और अपना कर्म सत्य, संयम और सेवाभाव से करने के सिद्धांत का पालन करने वाले चौधरी मित्रसेन आर्य जी पूरे देश-विदेश में किसी परिचय के मोहताज नहीं। चौधरी मित्रसेन आर्य जी का जन्म 15 दिसंबर,1931 को हिसार जिले के गांव खांडाखेड़ी में चौधरी शीशराम आर्य जी के घर हुआ था। किसी ने सोचा नहीं था कि यह ओजस्वी बालक एक दिन अपने पुरुषार्थ के बल पर अपने माता-पिता, गांव ,प्रदेश व देश का नाम रोशन करेगा। उनके जीवन का आधार उनके पूर्वजों के संस्कार थे। उनका जन्म ऐसे निस्वार्थ, देश-प्रेमी, संस्कारी और तपस्वी पिता के घर हुआ था जिनका नाम आर्य समाज में बड़े आदर व मान सम्मान से लिया जाता था। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि चौधरी शीशराम आर्य जी आर्य समाज के विचारों के प्रकाश पुंज के समान थे। कर्महीनता और आलस्य को सबसे बड़ा अपराध मानने वाले चौधरी साहब जब 10 वर्ष के थे तब आपके पिता चौधरी शीशराम जी की आंखों की रोशनी काला मोतिया के कारण सदा के लिए चली गई। बाल्यकाल में ही परिवार की जिम्मेदारी आपके कंधों पर आ गई जिसके कारण इन्हें अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी लेकिन परिवार के संस्कार ऐसे थे कि इन्होंने कभी स्वाध्याय नहीं छोड़ा। इन्होंने घर पर रहकर ही वेदों, शास्त्रों, आर्ष साहित्य,सत्यार्थ प्रकाश, रामायण आदि का अध्ययन किया। इनके जीवन पर वैदिक संस्कृति, महर्षि दयानंद और सत्यार्थ प्रकाश का गहरा प्रभाव था। उनका मानना था कि सफलता का मूल मंत्र है आस्तिक भाव से ईश्वरीय सत्ता को स्वीकार करते हुए नेक इरादे और सच्चे मन से हंसते-हंसते पुरुषार्थ करना। आप काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, आलस्य, अभाव, अज्ञान और अन्याय को व्यक्ति का सबसे बड़ा शत्रु मानते थे। अपने जीवन में सत्य, पुरुषार्थ और ईश्वर की आस्तिकता के बल पर जीवन में शून्य से शिखर तक की यात्रा करने वाले चौधरी मित्रसेन आर्य जी ने जीवन में यश, प्रतिष्ठा और ऐश्वर्या प्राप्त किया, लेकिन कभी भी अहंकार इन्हें छू नहीं पाया। अथर्ववेद में कहा गया है कृतं में दक्षिणे हस्ते जयो में सव्य आहितः अर्थात यदि मेरे दायें हाथ में कर्म है तो बायें हाथ में विजय सुरक्षित हैं। चौधरी साहब ने अपने जीवन में इसी मंत्र को आत्मसात करते हुए कर्म को प्रधानता दी। जीवन में कैसी भी परिस्थिति आई हो चौधरी साहब ने कभी धर्म का रास्ता नहीं छोड़ा क्योंकि उन पर वेदों, उपनिषदों, शास्त्रों, रामायण व महाभारत सहित अन्य धार्मिक ग्रंथों का प्रभाव था। विदुर नीति में कहा गया है न वैरमुद्दीपयति प्रशान्तं न दर्पमारोहति नास्तमेति न दुर्गतोस्मीति करोत्यकार्य तमार्यशीलं परमाहुरार्य अर्थात जो शांत हुए वैर को पुनः नहीं भड़काता, जो अभिमान नहीं करता है। जो अपने अस्तित्व को मिटाने नहीं देता। जो विपत्ति में भी अधर्म का सहारा नहीं लेता, ऐसे व्यक्ति को लोग आर्य श्रेष्ठ चरित्र वाला कहते हैं। व्यक्ति को हमेशा धर्म के अनुसार ही आचरण करना चाहिए। वैराग्य में भी कहा गया है धन संपत्ति चंचल है और प्राण जीवन तथा यौवन भी चंचल है, इस अचल वस्तुओं वाले संसार में एक धर्म ही निश्चल है। चौधरी साहब ने कभी भी धर्म का रास्ता नहीं छोड़ा। वे जीवन में हमेशा सत्य व संयम के साथ आगे बढे।

चौधरी साहब ने अपने पैतृक व्यवसाय कृषि में गहरी रुचि के साथ नई तकनीक से कार्य किया वही आधुनिकता से बागवानी में नए आयाम स्थापित किए। कृषि में नए आयाम स्थापित करने के कारण भारत सरकार ने आपको 2003 में कृषि विषारद की उपाधि से सम्मानित किया। हरियाणा सरकार ने 2002-2003 में इन्हें चौधरी देवीलाल कृषि पुरस्कार से सम्मानित किया। बाल्यकाल से ही आपके मन में कुछ नया करने की सोच थी जिसके कारण आपने 1957 में रोहतक में लेथ एंड इंजन बोरिंग मशीन का कारखाना लगाया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस बात से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि चौधरी साहब के मन में अपनी माटी के प्रति कितना प्रेम था। आपने 1961 में बिहार प्रांत की सीमा से लगे बडबिल उड़ीसा में रोहतक इंजीनियरिंग वर्क्स के नाम से लेथ एंड इंजन बोरिंग मशीन का कारखाना लगाया जबकि हरियाणा का गठन 1966 में हुआ था। अपनी ईमानदारी, लगन व निष्ठा के दम पर आपकी गिनती देशभर के नामी उद्योगपतियों में होने लगी थी। अथर्ववेद में कहा गया है इच्छति देवाः सुन्वन्तं न स्वप्नाय स्पृहयन्ति। अर्थात देवता पुरुषार्थी को ही चाहते हैं, आलसी को नहीं। इसलिए चौधरी साहब ने अपने जीवन में कभी अपने ऊपर आलस्य को हावी नहीं होने दिया। आपकी दिनचर्या ही ऐसी थी कि आलस्य नाम का द्वेष आपके आस-पास नहीं आ सकता था। आपने हमेशा पुरुषार्थ को महत्व दिया।

आप जीवन में सफल उद्योगपति होने के साथ-साथ एक उदार समाजसेवी भी थे। आपकी सबसे बड़ी उदारता थी कि आप सभी को मित्र की दृष्टि से देखते थे, बेशक वह आपके व्यवसाय में काम करने वाला कोई बड़ा अधिकारी हो या कोई छोटा कर्मचारी। आपकी दृष्टि में सभी एक समान थे। यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति जो किसी न किसी रूप में आपसे जुड़ा था वह आपको हर समय याद करता है। यही गुण आपने अपने परिवार के सदस्यों को भी दिए। गीता में कहा गया है कि जो व्यवहार व्यक्ति अपने लिए नहीं चाहता वैसा दूसरों के साथ भी न करे। आपने हमेशा सबके साथ अच्छा व कुशल व्यवहार रखा। आपने जीवनपर्यंत प्रयास किया कि आप सन्मार्ग से कभी भी विचलित न हों, भले ही जीवन में परिस्थितियां कैसी भी हों। मैं इस बात का साक्षी हूं कि मेरा जब भी आपसे मिलना हुआ मुझे कभी इस बात का एहसास नहीं हुआ कि मैं आपके एक व्यवसाय का एक कर्मचारी हूं। बात उन दिनों की है जब मैं हरिभूमि समाचार पत्र में कुरुक्षेत्र कार्यालय में प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर रहा था और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में शोध का कार्य कर रहा था। हरियाणा के भजन उपदेशकों पर काम करने के कारण मेरा आपसे कई बार मिलना हुआ क्योंकि आपने आर्य समाज के कई भजन उपदेशकों के साहित्य को प्रकाशित करवाया था। मैं जब भी आर्य समाज के भजन उपदेशकों के बारे में जानकारी लेने के लिए आपसे मिला, आपने बड़े स्नेह के साथ मेरी जिज्ञासा को शांत किया। आप से जब भी मिलना हुआ आपके विनम्र, शांत व उच्च बौद्धिकता के व्यवहार ने मुझे हमेशा प्रभावित किया। चौधरी साहब मुझे हमेशा प्रेम व उत्साह के साथ नई-नई किताबें और जानकारी देते। उन्हें देखकर लगता था कि चौधरी साहब में अवश्य ही कोई दिव्य शक्ति है।

यही गुण आपने अपने पुत्रों को दिए जो अपने व्यवसाय में काम करने वाले अपने प्रत्येक कर्मचारी को मित्र की दृष्टि से देखते हैं। इसी कारण आपने व्यवसाय में पूरे देश भर में नाम कमाया। आपकी गिनती देश के प्रसिद्ध उद्योगपतियों में होती है। आप एक सफल व्यवसायी होने के साथ-साथ एक समाज सेवक भी थे। आदिवासी, वनवासी और ग्रामीण क्षेत्रों को आपने अपनी कर्मभूमि बनाया। आप जानते थे कि यदि समाज को आगे बढ़ाना है और लोगों को जागरूक करना है तो उसके लिए लोगों को शिक्षित करना होगा, इसलिए आपने आदिवासी, वनवासी व ग्रामीण क्षेत्र में गुरुकुल व शिक्षा संस्थानों की स्थापना की जो आज भी निःस्वार्थ भाव से लोगों को शिक्षा देने के पुनीत कार्य में लगे हैं। आप जानते थे कि शिक्षा ही एक मात्र साधन है जिसके द्वारा समाज में जागृति लाई जा सकती है। यही नहीं आपने अपने निजी कोष से आर्य समाज के ज्ञानवर्धक, वैदिक परंपरा, रीति रिवाज, संस्कृति, और संस्कार से संबंधित साहित्य का प्रकाशन भी करवाया ताकि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को संस्कारवान बनाया जा सके। नारी शिक्षा में आपका विशेष योगदान है। आपने अधिकतर महिला शिक्षा संस्थान स्थापित किए। आप जानते थे कि अगर एक लड़की शिक्षित होगी तो वह दो परिवारों को संस्कारवान बनाएगी। चौधरी साहब के सहयोग से ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार व हरियाणा में सैकड़ों गुरुकुल व शिक्षा संस्थान चल रहे हैं जहां पर छात्र-छात्राओं को संस्कारवान बनाने के साथ-साथ वैदिक परंपरा व आधुनिक शिक्षा पद्धति के साथ शिक्षा दी जा रही है। आप हमेशा समाज के हित के लिए ही चिंतित रहते थे। यही कारण है कि आपने कभी किसी गरीब का शोषण नहीं किया बल्कि जिसका जो हक था उसे हमेशा दिया। आपका मानना था कि कभी भी अपने से नीचे व्यक्ति का शोषण नहीं करना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को समान दृष्टि से देखना चाहिए। लालच, मोह व अंहकार को त्याग कर हमेशा ईमानदारी, लगन व निष्ठा से कार्य करने की सोच को आपने आगे बढ़ाया। आपका मानना था कि काम, क्रोध और लोभ ये तीनों नरक के द्वार है जो आत्मा का नाश कर देते हैं। इसलिए व्यक्ति को इन तीनों को त्याग देना चाहिए। यजुर्वेद में कहा गया है भद्र कर्णेभिः श्रृणुयाम देवा। अर्थात हे ईश्वर हम कानों से सदा उत्तम एवं मधुर वचनों को सुनते रहें। चौधरी साहब प्रतिदिन स्वाध्याय करने के साथ-साथ अच्छे व प्रेरक विचार भी सुनते थे। आपने अपने घर की दीवारों पर वेदों व विद्वानों के प्रेरक विचार भी लिखा रखे थे। आप वैदिक और लौकिक साहित्य के प्रति जागरूक थे। यही कारण था कि आपने परम मित्र मानव निर्माण संस्थान के माध्यम से सत्यार्थ प्रकाश का प्रकाशन करवाया। इसके साथ साथ आपने वैदिक संस्कृति का प्रचार प्रसार करने के लिए सैकड़ों पुस्तकों का प्रकाशन भी करवाया और वैदिक संस्कृति व परंपरा के प्रचार प्रसार में लगे विद्वानों का सहयोग भी किया। चौधरी साहब की एक ही इच्छा थी कि महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने समाज में जागृति लाने के लिए जो विचार दिए हैं वे विचार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचें। यही कारण था उन्होंने आदिवासी, वनवासी और ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाया।

समाज के प्रति अपने कर्तव्य को आपने हमेशा बड़ी आत्मीयता के साथ पूरा किया। चौधरी मित्रसेन आर्य जी के जीवन में सत्य, संयम और सेवा का अद्भुत सम्मिश्रण था। देश में प्राकृतिक आपदा, महामारी और अकाल के समय लोगों की आर्थिक सहायता करने में आप कभी पीछे नहीं रहे। महाराष्ट्र के लातूर में विनाशकारी भूकंप हो या फिर गुजरात के कच्छ व भुज में आए विनाशकारी भूकंप, आपने मानवता की रक्षा के लिए सदैव उदारतापूर्वक कार्य किया। भूकंप पीड़ितों के पुनर्वास के लिए आपने दो गांवों को गोद लेकर आठ सौ परिवार आबाद किए। इस पुण्य कार्य में आपके पुत्रों ने आपका भरपूर सहयोग किया। आपके दर पर आई किसी भी संस्था को आपने कभी निराश नहीं किया। समाज कल्याण और गरीब की सहायता के लिए आपने कभी किसी भी दृष्टि से संकोच नहीं किया। चौधरी साहब हमेशा जरूरतमंद व्यक्ति की मदद किया करते थे।

यजुर्वेद में कहा गया है मित्रस्य चक्षुषा समीक्षामहे । हम सब एक दूसरे को मित्र की दृष्टि से देखें। इसी विचार को जीवन में आत्मसात करते हुए चौधरी साहब ने हमेशा सबकी सहायता की और अपने मित्रों के प्रति तो वे समर्पित ही थे। इसका एक उदाहरण मित्र स्मृति में मिलता है जिसमें बताया गया है कि आपके एक उड़िया सखा आदित्य कुमार महापात्र बिरला कंपनी में गैस इंचार्ज के रूप में कार्य करते थे। उन्हें जीवन में बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। जब आपको पता चला कि वे आर्थिक रूप से विपदा में है तो आपने बिना संकोच के एक ट्रक खरीदा और महापात्रा जी के दरवाजे पर खड़ा कर दिया। महापात्रा जी के स्वर्गवास के बाद आपने उनके परिवार को आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया जो आज भी निरंतर जारी है।

यही कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति के दिल में आप आज भी जीवित हैं। चौधरी साहब की दिनचर्या और व्यवहार सबके लिए प्रेरणा स्रोत है। घर के आंगन में यज्ञशाला का होना, दिन का आरम्भ यज्ञ से शुरू करना और छोटे बच्चों से लेकर घर के प्रत्येक सदस्य का यज्ञशाला में बैठना। खाने, पीने, रहने और सोने की निश्चित व्यवस्था का होना किसी प्रेरणा से कम नहीं। पूरे परिवार को एक माला के मोतियों के समान एकजुट रखना। एक संन्यासी जैसा जीवन, संन्यासी जैसा आचरण, गृहस्थ धर्म को अच्छी तरह से निभाने वाले चौधरी मित्रसेन जी का भारतीय संस्कृति,सदाचार, सेवा, संयम, संस्कार, संयुक्त परिवार, शाकाहार व निवर्यसनी जीवन, विश्व बंधुत्व के भाव के रूप में नौ सांस्कृतिक परंपराओं में अटूट विश्वास था। वे इन संस्कारों को पूरी श्रद्धा से निभाते थे। 27 जनवरी 2011 को चौधरी मित्रसेन आर्य जी की पवित्र आत्मा शरीर का त्याग कर परमात्मा के चरणों में विलीन हो गई। शारीरिक रूप से बेशक वो हमारे साथ न हों लेकिन आज भी आप वैचारिक रूप से जीवित हैं। आपके विचार हमेशा जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

चौधरी मित्रसेन आर्य जी ने इंसानियत, सामाजिकता एवं आध्यात्मिकता की जो इबारत लिखी है उसकी स्याही कभी धूमिल नहीं होगी। उनका व्यक्तित्व निर्विवाद, प्रेरणाप्रद और मार्गदर्शक के रूप में हमेशा समाज का कल्याण करता रहेगा। वे कर्म, ज्ञान व भक्ति की त्रिवेणी थे। चौधरी मित्रसेन आर्य जी एक महान व्यक्ति थे। जिन्होंने जीवन पर्यंत समाज के उत्थान की दिशा में कार्य किया। महर्षि दयानंद सरस्वती के आदर्शों एवं शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए उन्होंने सदैव योगदान दिया। महर्षि दयानंद दयानंद सरस्वती के दिखाएं मार्ग पर चलते हुए चौधरी मित्रसेन आर्य जी ने समाज में ऐसे आदर्श स्थापित किए हैं जिनका अनुकरण कर राम राज्य की परिकल्पना साकार हो सकती है।

मध्य पूर्व का दर्द बढ़ाएगा सीरिया?

तख्तापलट
सुनील अमर
वरिष्ठ स्तंभकार

आज से 14 साल पहले ठीक इन्हीं दिनों में (17 दिसम्बर 2010 को) उत्तरी अफ्रीका के एक छोटे से देश ट्यूनीशिया की सड़कों पर ठेला लगाकर फल बेचने वाले मोहम्मद बौजीजी नामक नौजवान ने जब पुलिस की ज्यादतियों और भ्रष्टाचार से तंग आकर आग लगा कर आत्महत्या कर ली थी तो इस आम सी लगने वाली घटना ने उस विस्फोट का रूप ले लिया जिसने ट्यूनिशिया को तानाशाही से मुक्त कर लोकतांत्रिक बना दिया। बाद के दिनों में मध्य पूर्व और उत्तर अफ्रीकी देशों में फैली इस क्रान्ति को 'अरब स्प्रिंग' का नाम दिया गया और जिसने दशकों से भ्रष्टाचार और बदइन्तजामी झेल रहे कई अरब देशों समेत सीरिया के लोगों को भी चंद महीने बाद यानी मार्च 2011 में ही वह राह दिखा दी जिस पर चलकर वहां के विद्रोहियों ने 50 साल पुरानी सत्ता को हाल ही में उखाड़ फेंका है। 13 साल से चल रहे इस गृह युद्ध में पांच लाख से अधिक सीरियाई मारे जा चुके हैं, 1 करोड़ 20 लाख से अधिक विस्थापित हुए हैं। सीरियाई तख्तापलट में भी हमें ठीक वही लूटपाट व तोड़फोड़ के दृश्य देखने को मिले जो इसके पहले श्रीलंका और बांग्लादेश में दिखे थे।

सीरिया के राष्ट्रपति रूस भाग गए। अब सीरिया में विद्रोहियों द्वारा नये सिरे से सत्ता प्रतिष्ठान बनाए जाने की कवायद चल रही है। इस्लामी चरमपन्थी गुटों के सीरिया में काबिज हो जाने के बाद चिन्ता अब इस बात को लेकर है कि रूस आदि देशों द्वारा सीरिया को उपलब्ध कराई गई युद्धक सामाग्री भी इन चरमपन्थियों के हाथ आ गई है तो वे इसका किस तरह इस्तेमाल करेंगे? पड़ोसी देश इजरायल ने तो इसी आशंका के चलते सीरिया पर सैकड़ों हवाई हमले कर ऐसी तमाम सामाग्री नष्ट करने का दावा भी किया है। महत्त्वपूर्ण यह है कि इजरायली हमले के चन्द रोज पहले ही रूस ने अपना तमाम सैन्य साजो-सामान सीरिया से हटा लिया था। इन दोनों घटनाओं के आपसी निहितार्थ हो सकते हैं क्योंकि एक लम्बे समय तक रूस ने सीरिया के राष्ट्रपति को सैन्य साजो-सामान देकर तथा अपने सैन्य अड्डे बनाकर मदद कर रखी थी। इधर परिस्थिति कुछ ऐसी हुई कि सीरिया के तीन प्रमुख सहयोगियों में से रूस ढाई साल से यूक्रेन से युद्ध में उलझा हुआ है तो अमेरिकी प्रतिबन्धों और इजरायल से तनातनी के चलते ईरान की हालत कमजोर हुई है और आतंकी संगठन हिज़्बुल्लाह की इजरायल ने कमर तोड़ दी है। राष्ट्रपति असद के कमजोर पड़ने में यह प्रमुख कारण बताया जा रहा है। जानकार बताते हैं कि अगर इन तीनों सहयोगियों की मदद न होती तो सीरिया में काफी पहले तख्ता पलट हो गया होता।

आज दुनिया के बहुत से देशों में इस्लामिक चरमपन्थ के उभार से राजनीतिक अस्थिरता है। अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जिन्हें हम विकसित देश कहते हैं, वे भी इस चरमपन्थ की चपेट में हैं। लेकिन अफगानिस्तान जैसे देश में जहां'शरीयत' का झण्डा उठाकर तालिबान उग्रवादियों को सत्ता में आये चार साल से अधिक हो रहा है, हालात बद से बदतर ही हुए हैं। पड़ोसी देश पाकिस्तान शरीयत का प्रयोग कर मुंह की खा चुका है और एक दूसरा पड़ोसी बांग्लादेश यह प्रयोग करने पर आमादा है। अफगानिस्तान की हालत बदतर

इसलिये भी है क्योंकि पाकिस्तान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के अलावा दुनिया के किसी भी देश ने तालिबानियों की सरकार को मान्यता ही नहीं दी है। आज की दुनिया में इस तरह से अलग-थलग रह कर कोई भी देश अपना कार्य-व्यापार नहीं चला सकता। इसके बावजूद इस बात की उम्मीद कम ही लगती है कि सीरिया में सत्ता पर कब्जा जमाने वाले विद्रोही एचटीएस किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था की शुरुआत करेंगे।

किसी भी देश में जब लम्बे समय तक अस्थिरता या गृह युद्ध के हालात रहते हैं तो वहां बहुत से गुट अपना-अपना प्रभाव क्षेत्र बना लेते हैं। सत्ता परिवर्तन कर लेने के बाद असली संकट उनमें आपस में तालमेल बिठाने का होता है। अफगानिस्तान में हमने यही देखा है और सीरिया में भी कई चरमपन्थी गुट गृह युद्ध में लगे हुए हैं लेकिन इसमें सबसे ज्यादा ताकतवर गुट हयात तहरीर अल-शाम संक्षेप में एचटीएस है और इसका प्रमुख अबू मोहम्मद अल-जुलानी है। इसका गठन तो अल-नसरा फ्रंट के नाम से हुआ था और इसने कुख्यात आतंकी संगठन अल कायदा से अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की थी, लेकिन बाद के दिनों में अन्य आतंकी संगठनों को अपने में मिलाने के बाद इसने अल कायदा से सम्बन्ध खत्म किया और अपना नया नाम एचटीएस रख लिया। जैसा कि अमेरिकी रवैया रहता है उसने एचटीएस को तो आतंकी संगठन घोषित कर रखा है लेकिन सीरिया के एक अन्य आतंकी संगठन कुर्द विद्रोहियों को अमेरिका समर्थन देता है। आने वाले दिनों में सीरिया के भविष्य का पता इस बात से चलेगा कि वहां अपना-अपना प्रभुत्व जमाये विभिन्न चरमपन्थी गुटों में आपसी तालमेल कैसे बनता है और दुनिया के देशों का उनके प्रति रवैया कैसा रहता है?

सीरिया का भविष्य भंवर में

सीरिया के अगल-बगल के देशों में तुर्की, इराक, जार्डन, इजरायल और लेबनान हैं, जहां अमेरिका की शह पर इजरायल ने सैन्य रूप से सक्रिय है। सीरिया में अब कैसी शासन व्यवस्था बनेगी, यह अभी कहना बहुत अनिश्चित है क्योंकि इसमें कई प्रकार के कारक भूमिका निभाएंगे। इसमें सबसे महत्तवपूर्ण सीरिया में होने वाली केन्द्रीय शासन व्यवस्था (क्योंकि सीरिया में पहले से ही उत्तर पश्चिम इलाके में एचटीएस तो उत्तर पूर्वी इलाके में कुर्द और उत्तर पश्चिमी इलाके में सीरियन नेशनल आर्मी जैसे विद्रोही गुटों का कब्जा है) तथा अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय की दखलन्दाजी होगी। अभी तो एचटीएस का प्रभुत्व है और इसके प्रमुख अबू मोहम्मद अल-जुलानी को तथाकथित कार्यवाहक सरकार का मुखिया बताया जा रहा है और जुलानी ने मोहम्मद अल-बशीर को अंतरिम प्रधानमन्त्री नियुक्त कर दिया है। फिर भी देश पर शासन करने के लिए एचटीएस को सभी विद्रोही गुटों का सहयोग लेना ही होगा, हालांकि यह आसान नहीं होगा क्योंकि सभी गुटों के अपने-अपने एजेन्डे हैं और वे आपस में भी लड़ते रहे हैं। सीरिया में अभी तक रूस और ईरान ने, भले ही अपना हित साधने की गरज से लेकिन, काफी पैसा और संसाधन लगाया हुआ था जो मौजूदा हालात में जारी नहीं रहेगा। ऐसे में सीरिया को आर्थिक और ढांचागत मोर्चों पर अभी और दिक्कतें उठानी होंगी। सीरिया में हुए तख्ता पलट से यह उम्मीद लगानी अभी जल्दबाजी होगी कि वहां राष्ट्रपति असद के कुशासन और भ्रष्टाचार से मुक्ति मिल जायेगी। आशंका इस बात की भी है कि एचटीएस कहीं असद की भूमिका में न आ जाय। वर्ष 2010 में शुरु हुआ 'अरब स्प्रिंग' ट्यूनीशिया, मिस्र, यमन, बहरीन, सूडान और लीबिया से होता हुआ सीरिया तक आया है। इसमें अगर ट्यूनीशिया को छोड़ दें तो बाकी देशों में फिर वही पहले के हालात हो गये हैं। यही हमने भारतीय उपमहाद्वीप के देश श्रीलंका में भी देखा। बहरहाल, अभी तो सीरिया में सरकार गठन और उस पर विश्व समुदाय की प्रतिक्रिया देखनी है। इसका असर पश्चिम एशिया पर पड़ना तय है।

संभल कर चलना होगा भारत को

पश्चिम एशिया
शंभू भद्र
वरिष्ठ पत्रकार व कूटनीति विशेषज्ञ

सीरिया में तख्तापलट ने पश्चिम एशिया के संकट को गहरा दिया है। इजराइल व ईरान की दुश्मनी पश्चिम एशिया को भारी पड़ रही है। लग रहा है मध्य पूर्व तीसरे विश्व युद्ध की दहलीज पर है। आज पश्चिम एशिया एक ऐसे क्षेत्र के तौर पर कुख्यात हो चुका है, जहां हिंसक संघर्ष, कट्टर इस्लामिक गुटों का आंतक, अशान्ति और राजनीतिक अराजकता का बोलबाला है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से ही पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) कई छोटे-बड़े युद्ध और अनगिनत हिंसक संघर्ष झेल चुका है। हाल के दशकों में इस क्षेत्र में प्रायोजित कट्टर इस्लामिक चरमपंथी गुटों की शक्ति बढ़ी है और वे सत्ता तक पर काबिज हो रहे हैं। इजराइल ईरान समर्थित इस्लामिक आतंकी गुट हमास, हिज्बुल्ला और हुती विद्रोही से लड़ रहा है, तो सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल असद की सरकार को सत्ता छोड़ कर देश से भागने के लिए इस्लामिक विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) ने मजबूर कर दिया। हमास का कब्जा फिलिस्तीन के गाजा क्षेत्र में है, हिज्बुल्ला लेबनान में सत्ता का भागीदार है, हुती विद्रोही यमन में काबिज है। सीरिया ही सात हिस्सों में बंटा है। इस्लामिक विद्रोही एचटीएस का दमिश्क, होम्स, अलेप्पो और हमा पर कब्जा है। यह इलाका पूरे सीरिया का 20 फीसदी ही है। सबसे ज्यादा 30 फीसदी हिस्से पर कुर्दिस विद्रोहियों का कब्जा है। 20 फीसदी इलाका तुर्किये समर्थित सीरियाई विद्रोहियों के कब्जे में है। 2 फीसदी हिस्से पर अमेरिकी सेना ने कब्जा कर रखा है। बाकी 30 फीसदी इलाके अभी किसी के नियंत्रण में नहीं है। सीरिया की असद सरकार के जरिए ही ईरान हिज्बुल्ला व अन्य इस्लामिक चरमपंथी गुटों को हथियार की आपूर्ति करता था। इस्लामिक स्टेट, अलकायदा जैसे इस्लामिक चरमपंथी संगठन भी इस क्षेत्र में सक्रिय हैं।

मध्य पूर्व के अलग-अलग इलाकों पर इस्लामिक चरमपंथी गुटों के कब्जा होने से पश्चिम एशिया का सामरिक वातावरण और उलझ गया है। आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक जंग इस क्षेत्र में दमतोड़ रहा है। अमेरिकी की पकड़ ढीली हुई है, रूस खुद यूक्रेन संग उलझा हुआ है, ईरान भी भंवर में फंसा हुआ है। इजराइल तीन मोर्चे पर लड़ रहा है, तुर्किये सीरिया में बदले हालात का फायदा उठाना चाहेगा, पर आर्थिक रूप से वह खुद बेहद कमजोर है। सऊदी अरब कुछ कर सकता है, पर वह पचड़े में पड़ना नहीं चाहेगा। सामरिक रूप से वह अमेरिका पर निर्भर है। अगर देखें तो पूरा पश्चिम एशिया समस्याग्रस्त है और संयुक्त राष्ट्र व अमेरिकी विदेश नीति के पास इन समस्याओं से जूझने के लिए कोई ठोस रणनीति नहीं है। जनवरी से अमेरिका की कमान संभालने वाले डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिकी राष्ट्रवाद की नीति में पश्चिम एशिया कितना फिट बैठेगा, वक्त ही बताएगा। ऐसे में सवाल है कि अब भारत पश्चिम एशिया के साथ अपने संबंधों को कैसे आगे बढ़ाएगा?

पश्चिम एशिया आठ प्रमुख समुद्रों से घिरा हुआ है; एजियन सागर, काला सागर, कैस्पियन सागर, फारस की खाड़ी, अरब सागर, अदन की खाड़ी, लाल सागर और भूमध्य सागर। इस क्षेत्र में तुर्किये,

सऊदी अरब और ईरान बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसमें पेट्रोलियम प्रमुख उद्योग है, क्योंकि दुनिया के आधे से अधिक तेल भंडार हैं और दुनिया के लगभग 40 प्रतिशत प्राकृतिक गैस भंडार इस क्षेत्र में हैं। पश्चिम एशिया के क्षेत्र में तुर्किये, सऊदी अरब, ईरान, इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात, आर्मेनिया, अज़रबैजान, बहरीन, साइप्रस, जॉर्जिया, इराक, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, ओमान, फिलिस्तीन, कतर, सीरिया और यमन देश हैं। वैश्विक भू-राजनीति में इन देशों के क्षेत्र का अहम स्थान है। इस लिहाज से ये देश भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऊर्जा सुरक्षा भारत की चिंता का सबब है। सऊदी अरब और इराक भारत के प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ता हैं। पश्चिम एशिया भारत के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार भी है। भारतीय कंपनियों ने इस क्षेत्र में, खास तौर पर बुनियादी ढांचे, निर्माण और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भारी निवेश किया है। पश्चिम एशिया में स्थल-रुद्ध मध्य एशिया के प्रवेशद्वार के रूप में कार्य करने की क्षमता है। ईरान के साथ चाबहार पोर्ट का विकास भारत कर रहा है। लाखों भारतीय इस क्षेत्र में प्रवासी के रूप में रहते हैं जो भारतीय विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ा योगदान करते हैं। पश्चिम एशियाई देशों में भारत ने कई सांस्कृतिक केंद्र भी स्थापित किए हैं।

1990 के दशक से भारत की पश्चिम एशिया के देशों के साथ ऊर्जा और तेल के क्षेत्रों में व्यापारिक साझेदारी है। 2014 में, पूर्व की ओर देखो नीति के अनुरूप, मध्यपूर्व की ओर देखो की सोच से भारत ने पश्चिम एशिया के साथ रणनीतिक संबंध बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक नया दृष्टिकोण अपनाया। इस नीति का उद्देश्य अरब जगत की क्षेत्रीय राजनीति में शामिल हुए बिना भारत के राष्ट्रीय हितों को पूरा करना है। इस नीति के अंतर्गत वर्ष 2022 में भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) हुआ। सऊदी अरब ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के जियो प्लेटफॉर्म में निवेश किया है। भारत-अरब सहयोग मंच मजबूत हो रहा है। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के साथ सहयोग कर रहा है। भारत ने क्षेत्र में अपने राजनीतिक और सुरक्षा हितों को बढ़ाने के लिए यूएई, इजराइल समेत कई पश्चिम एशियाई देशों के साथ रणनीतिक साझेदारियां विकसित की हैं। भारत ने सीरिया को उसके गृहयुद्ध के दौरान मानवीय सहायता प्रदान की थी। भारत और पश्चिम एशिया से यूरोप के बीच परिवहन लागत को कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) अहम प्रोजेक्ट है। यह परियोजना वर्ष 2000 में भारत, ईरान और रूस के बीच तय की गई थी और बाद में इसमें 10 अन्य मध्य एशियाई और पश्चिम एशियाई देशों को भी शामिल किया गया। मध्य एशिया और फारस की खाड़ी के बीच माल के पारगमन और परिवहन की सुविधा के लिए हुए अश्गाबात समझौते में भारत वर्ष 2018 में शामिल हुआ। कतर भारत का सबसे महत्वपूर्ण प्राकृतिक गैस आपूर्तिकर्ता है, हमारे कुल प्राकृतिक गैस आयात में कतर का योगदान 41 फीसदी है। भारत ने सैन्य उपयोग और रसद सहायता के लिए ओमान के प्रमुख बंदरगाह दुकम तक पहुंच हासिल कर ली है। इससे भारत को हिंद महासागर में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद मिली है। भारत ओमान के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से एक है।

हालांकि पश्चिम एशिया के साथ भारत अपने कुल वैश्विक व्यापार का आठ फीसदी से भी कम ट्रेड करता है, पर तेल व गैस के लिए निर्भर है। पश्चिम एशिया में सीरिया, इराक व यमन में राजनीतिक अस्थिरता से भारत के हितों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इस्लामिक स्टेट और अन्य आतंकवादी समूहों के उदय के चलते पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीय प्रवासियों के सामने खतरा उत्पन्न हो रहा है। भारतीय जहाजों पर हूती समेत दूसरे विद्रोही गुट हमला करते रहते हैं। इस क्षेत्र में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच सांप्रदायिक तनाव भी भारत के लिए चुनौती है। भारत को काफी संभल कर चलना होगा।

हम सिर्फ फिल्मी गाने लिखते हैं, गीतकार तो एक ही हैं शैलेंद्र

मुंबई। संगीत की दुनिया में जब कभी भी गीतकारों की चर्चा होती है तो शंकर लाल केशरी लाल यानी शैलेंद्र का नाम बड़े अदब के साथ लिया जाता है। फुटपाथ पर सोने वाले, बेघर बेसहारा इंसान से लेकर दौलतमंद सब उनके दीवाने थे। शैलेंद्र ने अपने जीवन में ऐसे बेहतरीन गीत लिखे कि आज भी लोगों के जेहन में उनके लिखे गीतों की सुरीली तान सुनाई देती है। हिंदी सिनेमा के बड़े-बड़े दिग्गज गीतकार और गायक भी शैलेंद्र के कायल था, जिनमें से एक हैं जावेद अख्तर। बीते साल दुबई में स्क्रीनराइटर्स एसोसिएशन ने शैलेंद्र की 100वीं जयंती पर खास कार्यक्रम का आयोजन किया था, जहां शैलेंद्र के बारे में जावेद अख्तर कई बेहतरीन बातें बताईं।

'क्यों नाचे सपेरा' का नहीं कोई मुकाबला

जावेद अख्तर ने गीतकार शैलेंद्र की रचनाओं के बारे में बात करते हुए कहा था कि हिंदी फिल्मों में अब तक लाखों गीत लिखे जा चुके हैं, लेकिन शैलेंद्र के तीन शब्द 'क्यों नाचे सपेरा' का अभी तक कोई मुकाबला नहीं कर पाया है।

शैलेंद्र जैसे शब्द लिखना चाहते हैं जावेद

जावेद अख्तर ने कहा कि अगर में शैलेंद्र के शब्दों के बराबर कुछ लिख लूं तो मैं समझूंगा कि मेरा निर्वाण हो गया है।

गीतों पर लिखी जा सकती है पूरी किताब

जावेद अख्तर ने कहा कि 'क्यों नाचे सपेरा' इन तीन शब्दों गीतकार क्या पूछ रहा है, इसके बहुत गहरे मायने हैं। उन्होंने कहा कि सपेरा सांपों को नचाता है, और यहां खुद सपेरा नाच रहा है, इस पर कोई लेखक एक पूरी किताब लिख सकता है।

सरल भाषा में लिखे गीत

जावेद अख्तर ने कहा कि साहित्य अकादमी ने शैलेंद्र पर मोनो ग्राफ प्रकाशित कर बड़ा काम किया है। जावेद अख्तर ने कहा कि शैलेंद्र ने सरल भाषा में गहरे और लोकप्रिय गीत लिखे। 'गाइड' फिल्म में शैलेंद्र का लिखा गीत 'वहां कौन है तेरा मुसाफिर जाएगा कहां' गीत इतिहास का बेमिसाल गीत है।

जनकवि थे शैलेंद्र

लेखक इंद्रजीत सिंह ने कहा कि शैलेंद्र एक जनकवि थे जिनके गीतों को देश की जनता ने अपने होठों पे सजाया और दिल में बसाया। उनकी कविताओं का रूसी भाषा में अनुवाद भी हुआ- 'आवारा हूं' तथा 'मेरा जूता है जापानी' ये गीत आज भी रूस में लोकप्रिय हैं।

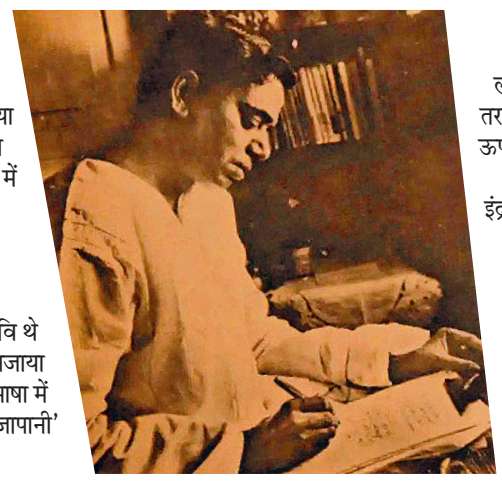

शैलेंद्र ही हैं असली गीतकार

जावेद अख्तर ने कहा कि एक बार मजरूह सुल्तानपुरी साहब ने एक बात कही थी कि हम लोग शायर हैं, फिल्मी गाने लिख लेते हैं, गीतकार तो सिर्फ एक है- शैलेंद्र।

लिखी पुस्तक

लेखक यादवेन्द्र ने कहा कि जिस तरह रामविलास शर्मा ने निराला के ऊपर 'निराला की साहित्य साधना' पुस्तक लिखी, वैसा ही काम इंद्रजीत सिंह ने शैलेंद्र पर किया है।

परंपरा का विस्तार

प्रसिद्ध हास्य कवि और लेखक अशोक चक्रधर ने कहा कि जावेद अख्तर ने शैलेंद्र की परंपरा का विस्तार किया है। नरेश सक्सेना ने शैलेंद्र को लोक कवि बताया।

घर पहुंचे अल्लू अर्जुन तो इमोशनल हुईं वाइफ स्नेहा

नई दिल्ली। पुष्पा 2 के पुष्पाराज यानी एक्टर अल्लू अर्जुन जेल से रिहा होने के बाद घर लौट आए। जहां उनकी पत्नी स्नेहा रेड्डी इमोशनल होती हुई नजर आईं। कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसी बीच एक क्लिप में एक्टर की वाइफ स्नेहा रेड्डी ने उनका घर लौटने के बाद वेलकम किया। एक्स पर

शेयर किए गए वीडियो में स्नेहा रेड्डी को पति अर घर के बाहर इंतजार करते हुए देखा जा सकता है। वहीं इस दौरान उनकी बच्चे भी साथ दिख रहे हैं। आगे जैसे ही एक्टर उनके पास पहुंचते हैं तो स्नेहा रेड्डी उन्हें गले लगा लेती हैं और इमोशनल नजर आती हैं। इस वीडियो को देख फैंस का भी दिल भर आया है।

उपलब्धियों के लिए किया जाए 'सर्च'

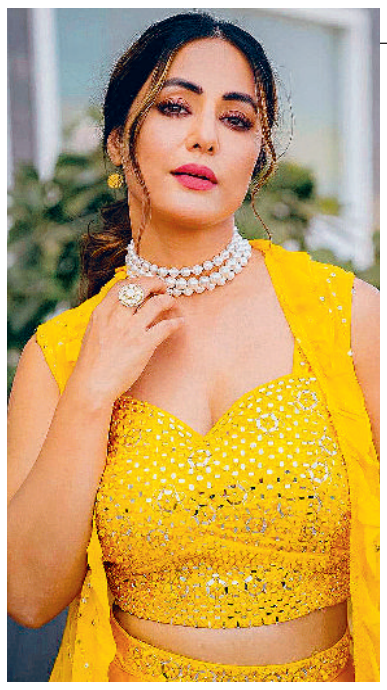

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ब्रेस्ट कैंसर से जंग लड़ रहीं 'टैलेंटेड एक्ट्रेस हिना खान 2024 में गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले कलाकारों की लिस्ट में टॉप पर रहीं। 'शेरखान'के नाम से पहचानी जाने वाली एक्ट्रेस इस कोई उपलब्धि नहीं मानतीं। अपने पोस्ट में उन्होंने अपने दिल की बात बयां की है। टीवी के पॉपुलर शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है'में 'अक्षरा'का किरदार निभाकर हिना खान ने अपनी अलग पहचान बनाई थी। हिना खान ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें एक तस्वीर पोस्ट करके एक्ट्रेस ने उनके साथ साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन कल्याण और 'दसवीं' अभिनेत्री निमरत कौर भी हैं।अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, गूगल पर साल 2024 में ग्लोबल ट्रेंड में ये 10 सबसे ज्यादा सर्च किए जाने वाले भारतीय कलाकार. 'मैंने देखा कि बहुत से लोग इसे लेकर अपने विचार रख रहे हैं और इसके साथ ही मुझे बधाई भी दे रहे हैं, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए यह न तो कोई उपलब्धि है और न ही गर्व करने वाली बात है।'

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ने प्रियंका को किया सम्मानित...

मुंबई। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस हाल ही में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 का हिस्सा बनीं। महोत्सव में अभिनेत्री के 25 वर्ष के करियर का जश्न मनाया गया। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस हाल ही में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 (आरएसआईएफएफ) का हिस्सा बनीं। कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित किया गया। इस मौके पर अभिनेत्री ने कहा कि वह लोगों को एक साथ लाने की मनोरंजन की यूनिवर्सल पावर में विश्वास रखती हैं। प्रियंका चोपड़ा जोन रेड सी ऑनरी, वियोला डेविस में शामिल हो गई हैं। यह फिल्म महोत्सव स्क्रीन पर और व्यापक फिल्म इंडस्ट्री के भीतर उनके सफल करियर और उपलब्धियों का जश्न मना रहा है।

इस दौरान अभिनेत्री ने कहा, 'रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहचाने जाने से मैं अभिभूत हूं, यह कहानी कहने का उत्सव है जो भाषा, सीमाओं और सांस्कृतिक विभाजनों से परे है।' प्रियंका चोपड़ा ने आगे कहा, 'मैंने हमेशा लोगों को एक साथ लाने के लिए मनोरंजन की यूनिवर्सल पावर में में विश्वास किया है। और न केवल हॉलीवुड या बॉलीवुड के भीतर बल्कि दुनिया भर में बताई जा रही कहानियों की अविश्वसनीय प्रतिभा और विविधता को प्रदर्शित करने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए मैं रेड सी टीम की सराहना करती हूं।'

उनकी आंखों में आंसू थे : विक्रांत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विक्रांत मैसी से मुलाकात की है। फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' में अभिनय करने वाले अभिनेता को हाल ही में प्रधानमंत्री और उनके कैबिनेट सदस्यों के साथ फिल्म देखने का मौका मिला। विक्रांत मैसी ने कहा, पीएम मोदी ने फिल्म का भरपूर आनंद लिया और इसमें हमारे द्वारा किए गए प्रयास की सराहना की। उन्हें मेरा काम पसंद आया... उन्होंने कहा, मेरा मतलब है, यह एक ऐसी प्रशंसा है जो मेरे साथ जीवन भर रहेगी। उनकी आंखों में आंसू आ गए थे।

तजिंदर हुए बेघर, इन कंटेस्टेंट्स पर लटकी एलिमिनेशन की तलवार

नई दिल्ली। 'बिग बॉस 18' में पिछले हफ्ते कोई एविक्शन नहीं हुआ था, वहीं इस हफ्ते दो नाम सामने आ रहे थे। एक इडेन का और दूसरा तजिंदर बग्गा का। इनमें से तजिंदर शो से आउट हो चुके हैं। 'बिग बॉस तक' के ट्वीट के अनुसार तजिंदर का एलिमिनेशन हो चुका है। बता दें कि पिछले हफ्ते फराह ने रजत दलाल को चेतावनी दी थी कि अगर वह दोबारा शारीरिक हिंसा में दिखे तो उन्हें बाहर किया जा सकता है। नॉमिनेशन ड्रामे के बीच बिग बॉस ने नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट्स को खुद को बचाने का एक और मौका दिया। हालांकि, मेकर्स ने इसमें भी एक टास्क रख दिया। चुम दरांग ने करण वीर मेहरा को बिग बॉस 18 के एलिमिनेशन से बचाते हुए टास्क जीत लिया। वो बेघर होने से बच गए। स्टडीबीज डॉट कॉम द्वारा कराए गए पोल के मुताबिक, तजिंदर बग्गा और इडेन रोज के नाम पहले से ही दिखाए जा रहे हैं।

सफेद सिंपल साड़ी में छा गईं आलिया

नई दिल्ली। मुंबई में राज कपूर के 100 साल पूरे हुए इवेंट में रणबीर कपूर अपनी खूबसूरत पत्नी आलिया भट्ट के साथ स्टाइलिश अवतार में नजर आए। भारतीय सिनेमा के दिग्गज राज कपूर की 100वीं जयंती का जश्न कपूर फैमिली धूमधाम से मना रही है। जयंती से एक दिन पहले शुक्रवार को शामिल होने के लिए बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने सफेद साड़ी में कहर ढा दिया। आलिया भट्ट ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह पेस्टल रंग के फूलों और हरी पत्तियों की प्रिंट वाली सफेद साड़ी में बेहद खूबसूरत दिखीं। एक्ट्रेस ने जश्न के लिए बेहद सिंपल साड़ी का चुनाव किया। हालांकि, इसमें वो बला की खूबसूरत नजर आ रही थीं। कपूर फैमिली की बहू ने खूबसूरत तस्वीरों के साथ लिखा, "मुड़ मुड़ के ना देख।'

खबर संक्षेप

पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी कावेलाशविली जॉर्जिया के राष्ट्रपति बने

त्बिलिसी (जॉर्जिया)। पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी मिखाइल कावेलाशविली शनिवार को जॉर्जिया के राष्ट्रपति नियुक्त किये गए। सत्तारूढ़ दल जॉर्जियन ड्रीम पार्टी 26 अक्टूबर को देश में हुए चुनाव में सत्ता बरकरार रखने में सफल रही। विपक्षी दलों का आरोप है कि चुनाव में रूस की मदद से धांधली की गई थी। जॉर्जियन ड्रीम पार्टी को 300 सीट वाले निर्वाचक मंडल में बहुमत हासिल है। पश्चिम के समर्थक दलों ने संसद सत्र का बहिष्कार किया है और फिर से चुनाव कराने की मांग की।

तेंदुए के शावक का शव बरामद दुर्घटना में मरने की आशंका

पीलीभीत। जिले के माधोटांडा थाना क्षेत्र में भारत-नेपाल सीमा से सटे नौजलिया गांव के पास शुक्रवार की देर शाम तेंदुए के शावक का शव बरामद हुआ है। ग्रामीणों से सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर शव को रेंज कार्यालय पहुंचाया। शावक का शव रास्ते के किनारे मिला था, प्रारंभिक जांच में आशंका व्यक्त की गई है कि रास्ता पार करते समय किसी वाहन की चपेट में आने से शावक की मौके पर ही मौत हो गई।

संभल में 46 साल से बंद मंदिर खुलवाया, अधिकारियों ने की सफाई

एजेंसी ▶▶ संभल

■ भगवान हनुमान की प्रतिमा और शिवलिंग मिला

उत्तर प्रदेश के संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुई हिंसा के बाद सरकार कानून व्यवस्था को लेकर सख्त है। इसी बीच खग्गुसराय के मुस्लिम बहुल इलाके में 46 साल से बंद मंदिर का पता चला है। प्रशासन ने मंदिर को खोला तो उसमें भगवान हनुमान, शिवलिंग, नंदी और कार्तिकेय की प्रतिमा मिली हैं। अब प्रशासन ने मंदिर पर किए गए अतिक्रमण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया है और अतिक्रमियों पर कार्रवाई की जा रही है। नगर हिन्दू सभा के संरक्षक विष्णु शरण रस्तोगी का दावा है कि 1978 के बाद मंदिर को दोबारा खोला गया है।

मंदिर की जानकारी लगते ही यहां पहुंचे एसडीएम व पुलिस अधीक्षक ने मंदिर व मूर्तियों की साफ-सफाई की। हिंदुओं ने पूजा-अर्चना शुरू कर दी है। इस मौके पर हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा आसमान गूंज उठा। बता दें कि ये शिव मंदिर सपा सांसद ज़ियाउर्रहमान बर्क के घर से कुछ ही दूरी पर स्थित है। मामला नखासा थाना इलाके के मोहल्ला ख़ग्गू सराय का है।

रस्तोगी परिवार के कुलगुरु का है मंदिर

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि यह मंदिर रस्तोगी परिवार के कुलगुरु है। मंदिर के पास कुंआ और पीपल का पेड़ भी था। पेड़ को लोगों ने काट दिया, जबकि कुएं को खुलवाने का काम जारी है। उन्होंने बताया कि 1978 में हिंदू-मुस्लिम दंगों के बाद हिंदुओं ने इस इलाके को छोड़ दिया था। उसके बाद से ही इस मंदिर को बंद कर उस पर कब्जा कर लिया गया था। अब इसे फिर से खोला गया है।

बिजली चोरी की जांच में हुआ खुलासा

एसपी ने बताया कि सुबह जब बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था, तो इस जगह टीम पहुंची थी। यहां कई घरों और मस्जिदों में बिजली चोरी होना पाया गया। जांच के दौरान ही यह मंदिर मिल गया। इसकी सूचना जिलाधिकारी को दी गई। उन्होंने बताया कि मौके पर अतिरिक्ति पुलिस बल को बुलाकर जब मंदिर को खोला गया तो इसमें हनुमान, शिवलिंग, नंदी और कार्तिकेय की प्रतिमा मिल गई। इसके बाद उनकी सफाई कराई गई।

रूस से युद्ध के लिए होना होगा तैयार... नाटो चीफ ने दी बड़ी चेतावनी

एजेंसी ▶▶ लंदन

यूरोप में चल रही तीसरे विश्वयुद्ध की तैयारी

मार्क रुटे ने कहा कि रूस लंबे युद्ध की तैयारी में है

नाटो के चीफ ने कहा कि 'युद्धकालीन मानसिकता' अपनाने का समय आ गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि सैन्य गठबंधन के सदस्य रूस के साथ भविष्य के संघर्ष के खतरे को देखते हुए पर्याप्त तैयारी नहीं कर रहे हैं।

महासचिव मार्क रुटे ने कहा कि रूस लंबे समय तक यूक्रेन और हमारे साथ टकराव के लिए तैयार हो रहा है। अक्तूबर में महासचिव बनने के बाद अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा, 'हम चार से पांच साल में आने वाली परिस्थितियों के लिए तैयार नहीं हैं।' उन्होंने सदस्य देशों से अपने रक्षा खर्च को तेजी से बढ़ाने का आग्रह किया।

अमेरिका पहले ही हाथ खींच चुका

उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही ऑफिस संभालने वाले हैं। ट्रंप ने पहले भी संकेत दिया था कि अमेरिका उन नाटो सहयोगियों की रक्षा नहीं करेगा जो रक्षा पर पर्याप्त खर्च नहीं कर रहे हैं। नाटो सदस्यों ने 2024 तक अपनी जीडीपी के कम से कम 2 फीसदी का रक्षा पर खर्च करने का वादा किया है।

रूस कर रहा युद्ध की तैयारी

उन्होंने बताया कि रूस की अर्थव्यवस्था 'युद्ध की तैयारी' में है और 2025 तक उसका रक्षा खर्च 'रूस के बजट का एक-तिहाई होगा, जो शीत युद्ध के बाद सबसे उच्च स्तर है।' यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर हमला करने के बाद से रूस ने अपने रक्षा खर्च में काफी बढ़ोतरी की है और 2025 के लिए रिकॉर्ड स्तर को मंजूरी दी गई है। रुटे ने यूक्रेन में युद्ध को लेकर एक महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने कहा मॉस्को ने नवंबर तक 2023 की तुलना में 2024 में छह गुना ज्यादा यूक्रेनी इलाका कब्जाया है।

'बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी'

ब्रुसेल्स में एक कार्यक्रम में बोलते हुए नाटो चीफ ने कहा कि हमें बहुत कुछ और करने की जरूरत होगी, क्योंकि खतरा तेज गति से हमारी ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि शीत युद्ध के दौरान यूरोपीय सदस्यों ने जीडीपी का 3 फीसदी से ज्यादा रक्षा पर खर्च किया था। उन्होंने कहा कि अगर हम अभी युद्ध रोकने के लिए ज्यादा खर्च नहीं करते तो हमें इससे लड़ने के लिए बाद में बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

26 हजार के टमाटर पर लगा 28 हजार रुपए का चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धमतरी

■ ओवरलोड पर आरटीओ ने लगाया जुर्माना

कभी-कभी कुछ अजीब से हालात हो जाते हैं। ऐसा ही एक किसान के साथ हुआ। टमाटर से भरे पिकअप का 28 हजार रुपए चालान काटा गया है। यह चालान ऑनलाइन काटा गया है। इसके बाद नाराज किसान पिकअप से भरे टमाटर लेकर ही कलेक्ट्रेट पहुंच गया। उसने कहा कि 26 हजार के तो टमाटर हैं, पहले से कर्ज में हूं, अब फांसी लगा लूंगा। दरअसल, कोंडागांव जिले के केशकाल निवासी किसान शब्बीर शाह टमाटर की खेती करते हैं। वो धमतरी के श्यामतराई स्थित कृषि उपज मंडी में टमाटर बेचने आ रहे थे। आते समय रास्ते में आरटीओ ने उन्हें रोक लिया और ओवरलोड होने की बात कही। आरटीओ अधिकारी के रोकने पर किसान ने दोबारा गलती नहीं होने की बात कही। माफी मांगने पर आरटीओ अधिकारियों ने उसे जाने के लिए कह दिया। जैसे ही किसान सब्जी मंडी पहुंचा, तो उसके मोबाइल पर ऑनलाइन 28 हजार का चालान काटने की जानकारी मिली।

फ्लैट बेचना है किराये से देना है

शंकर नगर में श्रीराम RESIDENCY में 4BH का फ्लैट सर्वसुविधा युक्त बेचना है किराये से देना है।

इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें :-

मो. : 9977345867

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact for advertisment booking : Raipur- 79871-19756 6263818152

हमारा अशियाना

रेडी टू मूव प्रॉपर्टी @ बेस्ट प्राइस

रायपुर के सभी प्राइम लोकेशन में

लोकेशन	प्रॉपर्टी टाइप	ऑफर कीमत (लाख में) से शुरू
रेजिडेंशियल		
कबीर नगर के पास	1BK, 1BR, 1BHK & 2BHK	9.00
अवंती विहार चौक, मेन रोड से 200 m	1BHK	15.75
रिंग रोड नंबर-2 से 100 m	2 BHK, 3BHK	20.00
कमर्शियल		
मोहबा बाजार से 700 m दूर	दुकान	7.50
खालसा स्कूल, पंडरी के पास	ऑफिस एंड दुकान	38.00
मंत्रालय से 2 km दूर, नया रायपुर	ऑफिस एंड दुकान	17.50
रिंग रोड नंबर-2 से 100 m	दुकान	27.00
शंकर नगर	दुकान	44.00
राजकुमार कॉलेज के पास	दुकान	40.00
अवंती विहार चौक, मेन रोड से 100 m	दुकान	62.50
प्लॉट		
रिंग रोड नंबर-2 से 100 m	कमर्शियल प्लॉट	27.00
रिंग रोड से लगा हुआ, सिलतरा	कमर्शियल प्लॉट	29.00

avinash a relation for life

संपर्क करें : 90181 81813

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अर्जेन्ट आवश्यकता है - रायगढ और रायपुर प्लांट हेतु सिक्युरिटी गार्ड एवं सिक्युरिटी सुपरवाइजर की आवश्यकता है योग्यता : - 10वीं, 12वीं हाइट :- 5.6 इंच सुविधा :- रहना + खाना + PF + ESIC वेतन :- 14500 - 18000 पता :- 6 फ्लोर, ऑरेंज हाइव मेन रोड मोवा थाना रायपुर सम्पर्क :- 8109070600, 7869230888. (RO-6437)

आवश्यकता है- सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं- स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन 11000/- से 15000/- संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइल:- 7746000016, 7747000019. (RO-3160)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- OCEAN COMPANY को ऑफिस हेतु 10 से ग्रेजुएट 18 से 28 वर्ष के युवक /युवतीयों की आवश्यकता हे, आय 8500 से 18000 + रहना खाना, संपर्क करे, धरमपुरा ,जगदलपुर, 9644490606, 8818877409.(RO-2451)

आवश्यकता है- देवपुरी रायपुर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 26 वर्ष के अविवाहित युवको की आवश्यकता है सैलरी 10,000/- समय 10.30 से 8.30 संपर्क करें मोबाइल:- 9184481078 41, 9302708426. (RO-3155)

ड्रायवर/ऑफिस बॉय

आवश्यकता है- टाटा एस चलाने हेतु अविवाहित ड्राइवर चाहिए दिन व रात शिफ्ट हेतु - 4 पद आकर्षक वेतन रहने व खाने की सुविधा साथ ही ऑफिस कार्य हेतु ऑफिस बॉय (चपरासी) की आवश्यकता है। दोनों पद हेतु आयु सीमा 18 से 30 वर्ष इच्छुक संपर्क करें. 77720- 00594.(RO-1242)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पीयून

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु पीयून की आवश्यकता है। मेल या फीमेल सदाफल देव आश्रम के सामने महादेव घाट रोड, रायपुर आकर्षक वेतन मोबाइल नंबर- 7804978068.(RO-2452)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कार एक्सेसरीज की दुकान में सामान लाने ले जाने के लिए जरूरतमंद लड़को की आवश्यकता है संपर्क करे भाव्या ट्रेडर्स नवभारत प्रेस के सामने शहीद स्मारक कॉम्प्लेक्स रायपुर मो 8818833330. (RO-25)

आवश्यकता है- पम्प एंव नल फिटिंग पाइप दुकान में काम करने हेतु आवश्यकता, सैलरी 10000-12000, हम्माल की सैलरी15000, बजाज एंटरप्राइजेस स्टेशन रोड रायपुर 9644433085, 9425843865. (RO-1020)

आवश्यकता है- किराना एवं डेली नीड्स की दुकान में कार्य करने हेतु कर्मचारीयों की वेतन (5) अंकों में अनुभवी को प्राथमिकता। संपर्कः- सी-मार्केट सेक्टर-6 भिलाई मो.- 98266-84859.(आरो न.-639)

सेल्स/मार्केटिंग

आवश्यकता है- न्यू मोबाइल, कवर, स्क्रीन गार्ड, एसेसरीज, दिखाने एवं बेचने 2-पद तथा मार्केटिंग हेतु सेल्समैन 2-पद एवं 1 कार ड्राइवर की (आकर्षक वेतन) बायोडाटा के साथ संपर्क करें:- अबाबा मोबाइल, मेनरोड, तेलीबांधा 7869999902.(RO-3158)

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप में कार्य हेतु स्मार्ट सेल्स गर्ल /ब्वाय, मार्केटिंग के लिए आवश्यकता है, वेतन 10000/- से 15000/- प्लस कमीशन ,संपर्क- जवाहर चौक दुर्ग Mo - 7089508250. मिलने का समय सुबह 10 से 12 (आरो न.-1848)

सेल्समैन

आवश्यकता है- रायपुर और बिलासपुर में दीवाल पुट्टी और टाइल अडेसिव बिक्री हेतु अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है। सैलरी+ पेट्रोल खर्च+ मासिक इंसेंटिव। सम्पर्क करें- 9479242656, 7000094338. (RO-36268)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित व अनुभवी नर्सिंग स्टाफ- बी.एस.सी. नर्सिंग व जी.एन.एम. ओडी (OT) टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्निशियन, वार्ड बॉय, वार्ड गर्ल की आवश्यकता है। वेतन योग्यताअनुसार। संपर्क करें। श्री कृष्णा हॉस्पिटल मेन रोड न्यू राजेंद्र नगर रायपुर छत्तीसगढ . - 9691631006, 9617952445, 9926115911.(RO-6449)

आवश्यकता है- भाटापारा जिला बलोदा बाजार के डायग्नोस्टिक सेंटर के लिए एक मैनेजर एक पी.आर ओ एक कम्प्यूटर अपरेटर व बैंक - अकाऊंटेंट कार्य हेतु चार पुरष और महिला की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध व इंसेंटिव अलग वेतन अच्छा मो 9300234270. (RO-498)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- कामवाली चाहिए घर में काम करने एवं बच्चा संभालने हेतु बाई की आवश्यकता है सेक्टर 5 देवेंद्र नगर मोबाइल- 9826136230.(RO-6447)

केयर टेकर/नर्सिंग स्टाफ

आवश्यकता है- घर पर ही रहकर बुजुर्ग एवं पेशेंट की देखभाल हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता- 10वी, 12वी, जी.एन.एम, ए.एन.एम, बी.एस.सी नर्सिंग, इ्यूटी 10 घंटे एवं 24 घंटे, स्थान- दुर्ग,भिलाई मो.- 8770891489.(आरो न.-641)

आवश्यकता

आवश्यकता है- उरला कन्हेरा स्थित पेट्रोल पंप पर कार्य करने हेतु लड़को एवं ड्राइवर की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति - आवेदन Bio-data एवं समस्त दस्तावेज सहित सम्पर्क करे- डागा पेट्रोल पंप, कन्हेरा 94242-25533. (RO-440)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- धनोरा दुर्ग में फैमिली वाला गार्ड की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध है संपर्क करें:- 9669666601, 9754144001.(आरो -1850)

क्लासीफाईड

वेटर/कुक

आवश्यकता है- बार में कार्य करने हेतु अनुभवी वेटर एवं इंडियन कुक की आवश्यकता है अनुभवी ही संपूर्ण बायोडाटा के साथ संपर्क करें। विनार बार एंड रेस्टोरेंट लिंक 1 के.के. रोड मोबाइल- 9713577672 रायपुर (RO-2453)

इंचार्ज/ड्रायवर

आवश्यकता है- ट्रांसपोर्ट इंचार्ज-02 पद, बस चालक - 04 चार (पांच वर्ष के अनुभव व बैज सहित लाइसेंस धारी) टाटा मैजिक/ टाटा विंगर-05 कंडक्टर्स- 06 (महिला/ पुरुष) गार्ड-02 पद मदर्स प्राइड हा. से. स्कूल 01, सुंदर नगर, रायपुर (छ.ग.) संपर्क- 8839783922, 7389358588. (RO-108)

पैकिंग/हेल्पर कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग एवं हेल्पर कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध अशोक एंटरप्राइजेज आशीर्वाद धर्म कांटा के पास उरला बिरगांव रायपुर मिलने का समय सुबह 9:00 से 8:00 तक मोबाइल नंबर- 8770676924. (RO-1021)

कस्टमर हैंडल कार्य

आवश्यकता है- बेकरी शॉप में कस्टमर हैंडल करने युवक तथा अन्य कार्य हेतु मेहनती युवकों की आवश्यकता है। संपर्क करें: न्यू हीरा बेकरी, टिकरापारा, रायपुर। मोबाईल 9754178006. (RO-332)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ड्राइवर चाहिए। अंगुल उड़ीसा मे ऑटोमैटिक गाड़ी के लिए फुलटाइम अनुभवी ड्राइवर की, जिसको लंबी दूरी की ड्राइविंग का अनुभव हो। सैलरी 12000 प्लस बोनस,रहना, खाना, मेडिकल, मोबाइल फ्री। संपर्क :- 7470575373.(आरो न.-7152)

पैकिंग/सेल्स कार्य

आवश्यकता है- ऑटोपार्ट्स की दुकान में पैकिंग एवं सेल्स कार्य हेतु लड़को की आवश्कता हैं। वेतन योग्यतानुसार । संपर्क - तृप्ति सेल्स कार्पोरेशन, एम. जी.रोड,रायपुर । मोबाइल 9340273375. (RO-385)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- रायपुर पेट्रोल पंप पर फुलटाइम, पार्टटाइम नाईट एवं डे हेतु लड़के और लड़कियों की (हाउस्कीपिंग हेतु व्यक्ति एवं नाईट ड्यूटी हेतु गार्ड,) मैनेजर भी संपर्क करें रहने की सुविधा संपर्कः- 9111108055, 8358914444. (RO-3163)

आवश्यकता

आवश्यकता है- टाटा एस किराए से लगाने हेतु संपर्क करें एवं गाड़ी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है मोबाइल - 7974351591. (RO-3795)

आवश्यकता है- N.S.N.कंपनी में आवश्यकता हैं लड़कियों एवं महिलाओं की उम्र 18 से 35 वर्ष सैलरी 12000/- से 15000/- रहने की सुविधा, संपर्क करें:- रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.) Mob. 9589295885, 9993929100.(RO-3110)

अन्य

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त) NAME, पता QUALIFICATION, CALL /SMS /WHATSAPP करें:- 6294162526. (RO-3128)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें- 8240426971, 8981475043.(RO-816)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें- 7450945537.(RO-751)

Business व्यापार

व्यापार- अब शुरू करे स्वयं का बिजनेस बिना किसी रिस्क, कम पूंजी लगाकर घर बैठे स्वयं का उद्योग लगाएं, 30,000-50,000/- प्रतिमाह कमाएं, आटोमेटिक मशीन द्वारा दोनापत्तल, डिस्पोजल बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का एग्रीमेंट संपर्कः- APS इंटरप्राईजेस, रायपुर- 7477221345, 9977676447, बिलासपुर- 8359913999, 9589288936, रायगढ़ / अंबिकापुर- 7869755871. (RO-3106)

For Rent किराया

For Rent- Shop no.209 ground flor 320 sqf city plaza in front of Agrawal hospital near Maruti business park Udan coaching ke baju me, Raipur contact 9981436889. (RO-2454)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

वैवाहिकी वधु चाहिए

वधु चाहिए

50+ एकाकी (कानूनी तलाक प्रतीक्षित) अधिकारी (ब्राम्हण) को एकाकी मित्रवत जीवन साथी 40 वर्ष तक चाहिए। अविवाहित, विधवा, तलाकशुदा महिला सेवारत को प्राथमिकता जाति बंधन नहीं। संपर्क करें मो.: 7587724442

वधु चाहिए- पंजाबी, 30 वर्षीय/ 5'-4" B.Sc. (Agri) Sale Officer धमतरी में कार्यरत पंजाबी परिवार के वर हेतु कन्या चाहिए सभी सिख/ पंजाबी परिवार सम्पर्क करें- 9109940287 (6443)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

सोरायसिस एवं समस्त चर्म रोग हर्पिस एवं यौन रोग, हेपाटाइटिस एच.आई.वी. रोग (AIDS) एड्स

इन रोगों का स्थाई इलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन के अलावा दूसरी चिकित्सा है ही नहीं। यह बीमारी शरीर के जीवन चक्र को ही खराब कर देता है अतः इसे किसी तरह दबाने की गलती भूल कर भी न करें।

- सोरायसिस रोग एवं समस्त चमड़ी रोग शरीर मे तांबे रंग के छिलके, पपड़ी युक्त दांग, सर मे रुसी का भ्रम, नाखूनों का सड़ना, उंगलियों का टेढ़ा पन, घुटने मे काट दर्द एवं शरीर अपंग होकर बदबू जैसे आने लगते हैं, सावधान।
- एच.आई.वी., एड्स (HIV, AIDS) एवं हर्पिस रोग (जोस्टर, जेंटलियस एवं हर्पिस, सिम्पलेक्स) स्त्री, पुरुष के गुप्तांगों मे दाने, छाले, फफोले, फुंसी, चमड़ी फटना, जलन, दर्द, योनि मार्ग से बदबू, सफेद पीले पानी जाते हो तो यह हर्पिस रोग या एच.आई.वी हो सकता है। कइयों को हो चूका हैं, यह न्यूरोट्रोपिक वायरस हैं जो शरीर के अंग को लकवा मारने जैसा कर देता है एवं हेपटायटिस, सिफलिस, गोनोरिया (मूत्र मार्ग से पस जाते) हो तो तुरंत खून की जांच करायें, यहाँ जांच की पूर्ण व्यवस्था है। यदि खून का रिपोर्ट पॉजिटिव हुआ तो रोने पछताने के अलावा कुछ नहीं बचेगा क्योंकि अन्य चिकित्सा मे इसका उपाय हैं ही नहीं।
- समस्त यौन रोग एवं यौन (सेक्स) कमजोरी, शीघ्रपतन, प्रोस्टेट विकार, यूरेथ्रास्ट्रक्चर बूंद बूंद पेशाब आना इत्यादि।
- बहुचर्चित विख्यात चिकित्सक डॉ. एच.सी. अग्रवाल के 42 वर्षों के चिकित्सा अनुभव का लाभ बहुतों ने उठाया है आप भी ले सकते हैं। हम आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान के विभिन्न प्रयोग से प्रगतिशील एवं अग्रसर है। केंद्र से दो बार राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मान पुरस्कार एवं भारत चिकित्सा रत्न से नवाजे जा चुके है। जब सब उपाय असफल हो गए हो तो अवश्य ही मिलें। आने के पूर्व फोन करें।

वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
9425555659, 9617789223,
निशांत अग्रवाल, फार्मा साइंटिस्ट
गुरुद्वारा, रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरुप टाकीज के सामने, बजाज (गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग। 9303242200, 7987365434
समय शाम 4.00-7.30 बजे तक
अपाईटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

भदोही के सुंदरवन में बनेगा तांबे का विश्व का सबसे ऊंचा शिव मंदिर

भदोही। भदोही जिले में सीतामढ़ी और महर्षि वाल्मीकि आश्रम के पास सुंदरवन में तांबे के विश्व के सबसे ऊंचे 180 फुट के शिव मंदिर का निर्माण किया जाएगा। बुधवार 18 दिसंबर को प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह निर्माण कार्यों की शुरुआत करेंगे।

श्री राम जानकी मंदिर ट्रस्ट से जुड़ीं मां राज लक्ष्मी मंदा ने बताया कि नौ टन वजन और नौ फुट ऊंचा शिवलिंग 17 अप्रैल, 2022 को भदोही के सुंदरवन लाया गया था। मंदिर के गर्भगृह के लिए 45 फुट खुदाई हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि वाराणसी, चेन्नई, मुंबई और कानपुर के आईआईटी के सहयोग से 180 फुट ऊंचे तांबे के शिव मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। मंदा ने कहा कि इस मंदिर के स्थापित होने से क्षेत्र में पर्यटकों का आगमन बढ़ेगा, जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।

दादर हनुमान मंदिर नहीं गिराया जायेगा नोटिस पर लगी रोक

मुंबई। मुंबई के दादर रेलवे स्टेशन के बाहर स्थित एक मंदिर को गिराने के लिए रेलवे की ओर से जारी नोटिस पर रोक लगा दी गई है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने शनिवार को यह दावा किया। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इसे नियमों के अनुसार नियमित किया जाएगा। सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं ने शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा नोटिस को लेकर भाजपा पर निशाना साधे जाने के एक दिन बाद यह बयान दिया है। भाजपा विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि दादर हनुमान मंदिर को संरक्षित किया जाएगा।

रेलमंत्री ने नोटिस पर रोक का दिया आदेश : लोढ़ा, सेंट्रल रेलवे स्टेशन से सटे दादर ईस्ट के प्लेटफॉर्म नंबर 12 के पास स्थित मंदिर गए। उन्होंने कहा कि उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की है और मंदिर को गिराने संबंधी नोटिस पर रोक लगाने का आदेश जारी कर दिया गया है। इस दौरान मंदिर के न्यासी सहित विधायक कालिदा कोलंबकर, बजरंग दल तथा विश्व हिंदू परिषद के सदस्य भी मंदिर में मौजूद थे।

तरकश

संजय के. दीक्षित

अज्ञानी कलेक्टर-1

सक्ती जिले में ट्राईबल लैंड केस में जो हुआ, वह तो एक बानगी है। छत्तीसगढ़ के अधिकांश कलेक्टर सालों से ये चूक कर रहे हैं। फर्क इतना ही है कि कोई पैसा लेकर आंखें मूंद ले रहा तो कुछ को रीडर घूमा दे रहे हैं। जबकि, भू-राजस्व संहिता 165 में यह क्लियर है कि आदिवासी की कोई भी जमीन कलेक्टर की अनुमति के बगैर नहीं बेची जा सकती। मगर छत्तीसगढ़ में डायवर्टेड आदिवासी जमीन को कलेक्टर लिख कर दे दे रहे हैं...इसमें कलेक्टर की अनुमति की जरूरत नहीं है। सक्ती कलेक्टर ने भी ऐसा ही किया। दरअसल, सिस्टम की विडंबना यह है कि सम्मानजनक चढ़ावा न चढ़ाने पर कलेक्टर की अनुमति पाने चप्पल घिस जाएंगे। और पैसे दे दिए तो...।

अज्ञानी कलेक्टर-2

जाहिर है, आदिवासी जमीन को बेचने की अनुमति का प्रोसेस, महीनो की पेशी, बयान, साक्ष्य के बाद पूरा होता है। इसलिए इसमें डायवर्टेड लैंड का रास्ता निकाला गया। असल में, कलेक्टरों को आजकल नियम-कायदों की स्टडी होती नहीं। उनका रीडर जो बताता है, उसे वे ओके कर देते हैं। वही कलेक्टर एक जिले में पोस्टिंग के दौरान डायवर्टेड लैंड के मामले में कलेक्टर की अनुमति की जरूरत नहीं लिखकर देते हैं और दूसरे जिले में जाते हैं तो अनुमति अनिवार्य बताते हैं। दरअसल, 2008 में जब राधाकृष्णन राजस्व बोर्ड के चेयरमैन थे, तब भूमाफियाओं ने उनसे आर्डर करा लिया था कि डायवर्टेड लैंड में कलेक्टर की अनुमति की जरूरत नहीं। हालांकि, डीएस मिश्रा ने चेयरमैन बनते ही उसे समाप्त का दिया था। मगर कलेक्टरों के कई खटराल रीडर राधाकृष्णन के उसी फैसले के आधार पर भूमाफियाओं को उपकृत कर रहे हैं। बहती गंगा में हाथ धोने में रजिस्ट्री अधिकारी भी पीछे नहीं। कई मामले तो रजिस्ट्री अधिकारी सलटा दे रहे...पुराने केस का हवाला देकर वे कलेक्टर के पास केस जाने ही नहीं देते। आदिवासी स्टेट, आदिवासी मुख्यमंत्री के बाद भी अगर ऐसा हो रहा तो ये कलेक्टरों की दुःसाहस कही जाएगी।

पूत सपूत तो का धन संचय

छत्तीसगढ़ की हाल की दो घटनाएं हिला देने वाली है। पहली घटना राजधानी रायपुर की है...एक रिटायर इंजीनियर इन चीफ अपनी संपत्ति बेटे के नाम कर पछता रहे हैं। वे रजिस्ट्री अधिकारियों से संपर्क में हैं कि क्या बेटे के नाम की गई रजिस्ट्री शून्य हो सकती है। दरअसल, सूबे में जब ईडी के छापे पड़ने शुरू हुए तो ईएनसी डरकर अपनी कई संपत्तियों को परिजनों के नाम कर दिया था। मगर अब रिटायर होने के बाद बेटे-बहू यह कहते हुए उन्हें आंख दिखाना शुरू कर दिया है कि कौन सा आप मेहनत करके कमाए हो। बहू तंज कसती है...ईडी नहीं आती तो प्रॉपर्टी मेरे नाम करते क्या? दूसरी घटना छत्तीसगढ़ की न्यायधानी से है। बिलासपुर के एक नामी सर्जन ने अकूत संपत्ति अर्जित की। देखते-देखते उन्होंने बिलासपुर शहर के मध्य 200 बेड का अस्पताल खड़ा कर दिया। रायपुर के वीआईपी क्लब के पास एकड़ में प्लाट। दोनों बेटों को तगड़ा डोनेशन दे, डॉक्टर बनाया। मगर उन्होंने एक काम नहीं किया...बेटों को संस्कारित करना। वैसे, दीन-दुखियों की जेब से पैसा निकालना फलता भी नहीं। नतीजा यह हुआ कि उनके स्वर्गवास होते ही करोड़ों की संपत्ति के लिए बेटे सरेआम जुतमपैजार कर रहे हैं। अलबत्ता, सर्जन दो-ढाई दशक पुराने युग के थे, इसलिए कुछ तो नेक काम किए ही होंगे। कोविड युग के डॉक्टरों और अस्पताल मालिकों को सोचना चाहिए...कोविड में बिना इलाज किए...सिर्फ बीमारी की खौफ में इतनी दौलत अर्जित कर लिए कि सिरदर्द हो गया है...बोरियों में रखे कैश को 'अब' किधर लगाएं। रायपुर, बिलासपुर शहर के आसपास की जमीनें डॉक्टरों से बची नहीं। बिल्डरों के पास पैसा लगाने पहले से ही राजनेताओं और नौकरशाहों की लाइन लगी है। कहने का आशय यह है कि पुरानी कहावतें गलत नहीं होती...पूत सपूत तो का...। पैसे कमाइये...सारे शौक पूरे कीजिए...दुनिया की सैर कीजिए। बट एक सेल्फ लिमिट तय कीजिए। इसके तीन फायदे होंगे। गरीब लुटने से बच जाएगा। भ्रष्ट लोग जेल जाने से बच जाएंगे। और तीसरा संपत्ति विवाद में सड़क पर इज्जत की नीलामी नहीं होगी। बहरहाल, उपर की दोनों घटनाएं आंखें आंखें खोलने के लिए काफी है। तय करना आपका काम है।

सिस्टम जिम्मेदार

करप्शन के लिए राजनीतिक सिस्टम भी कम जिम्मेदार नहीं है। 50 करोड़ के मनरेगा घोटाले में अगर आईएएस टामन सिंह सोनवानी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई होती तो उसे पीएससी में बच्चों का भविष्य खराब करने की हिम्मत नहीं पड़ती। उसी तरह 2003 पीएससी में अगर सिस्टम कड़ा स्टैंड लिया होता तो आरती वासनिक को न आईएएस अवार्ड से मरहूम होना पड़ता और न वो जेल जाती। ठीक है, जब तक किसी केस में फैसला नहीं हो जाता, प्रमोशन नहीं रोका जाता। मगर ये नियम बनाया कौन है? अफसरशाही ने अपनी सुविधा के लिए बनाई है। अलबत्ता, सरकार को अधिकार है कि जिनकी नीयत और निष्ठा सही नहीं है, उसे प्रमोशन से वंचित कर दें। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने पीएससी 2003 की भर्ती को निरस्त कर दिया था। इससे गंभीर केस क्या हो सकता है। इसके बाद भी सरकारें उन्हें धड़ाधड़ प्रमोशन ही नहीं दी बल्कि महत्वपूर्ण पोस्टिंग भी देती रही। इंतेहा तो तब हो गई जब, राज्य सरकार ने 2003 के सभी राप्रसे अधिकारियों को डीओपीटी से आईएएस अवार्ड करवा डाला। सिस्टम जब तक कौवा मारकर नहीं टांगेगा, तब तक भ्रष्ट तंत्र इसी तरह पुष्पित-पल्लवित होता रहेगा। राज्य सरकार ने इस बार दो अफसरों का आईएएस अवार्ड रोका है...यह अच्छा संकेत है। मगर यह भी सही है कि 2003 बैच वाले चार-पांच अधिकारियों को सरकार ने कलेक्टर बना डाला है, इसके संदेश अच्छे नहीं जाते...शुचिता कायम करने सिस्टम को इस पर विचार किया जाना चाहिए।

एसपी का आदेश

रायपुर के एसएसपी संतोष सिंह को हटने-हटाने को लेकर लंबे समय से चर्चाएं चल रही थी। मगर जब यह परसेप्शन बन गया कि अब नगरीय निकाय चुनाव तक कोई ट्रांसफर नहीं होंगे। सरकार ने बुधवार को देर संतोष सिंह को हटाकर पीएचक्यू भेज दिया। कोरिया के एसपी का हटना अपेक्षित था। पिछले तरकश में यह सवाल भी पूछा गया था कि सरगुजा पुलिस रेंज के किस एसपी को सरकार हटाने वाली है। इसलिए, कोरिया के एसपी हटने पर कोई हैरानी नहीं हुई। मगर ट्रांसफर लिस्ट में संतोष सिंह का नाम देखकर लोग चौंक गए। पता नहीं, ऐसा क्या हुआ कि सीएम विष्णुदेव साय ने अफसरों से कहा कि दोनों एसपी के आदेश आज ही जारी किए जाएं।

संतोष का अनूठा रिकार्ड

रायपुर एसएसपी संतोष सिंह को भले ही रातोरात बदल दिया गया। मगर उन्हें यह संतोष होगा कि कप्तानी का उनका बनाया हुआ रिकार्ड निकट भविष्य में कोई तोड़ नहीं पाएगा। एसपी के तौर पर संतोष ने बिना ब्रेक लगातार नौ जिला किया। कोंडागांव से शुरू हुई उनकी कप्तानी का सफर नारायणपुर, महासमुंद, रायगढ़, कोरिया, राजनांदगांव, कोरबा, बिलासपुर होते हुए रायपुर में खतम हुआ। हालांकि, छत्तीसगढ़ के आईपीएस बद्री नारायण मीणा ने भी एसपी के तौर पर नौ जिला किया है। मगर दो अलग-अलग दौर में। आईबी में डेपुटेशन पर जाने से पहले उनका सात जिला हुआ था और फिर लौटकर जांजगीर और दुर्ग जिला किया। बहरहाल, संतोष के नौ जिले में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि लगातार तीन सरकारों में बिना ब्रेक वे एसपी रहे। सरकारें बदलती रहीं मगर उनकी कुर्सी पर कोई आंच नहीं आया। रमन सरकार में कोंडागांव और नारायणपुर के एसपी रहे। भूपेश सरकार में महासमुंद, रायगढ़, कोरिया, कोरबा और बिलासपुर। इसके बाद दिसंबर 2023 में बीजेपी की सरकार बनी तो उन्हें बिलासपुर में कंटिन्यू किया गया। इसके बाद फिर रायपुर के एसएसपी बनें। याने विष्णुदेव सरकार में दो जिला उन्होंने किया। बेशक, तीन-तीन सरकारों में बिना ब्रेक एसपी रहने का देश में एक नया रिकार्ड होगा।

डीजीपी के दावेदार

सुप्रीम कोर्ट के तेवर के बाद भारत सरकार ने जीपी सिंह को आईपीएस की सर्विस बहाल कर दिया है। इसके बाद छत्तीसगढ़ सरकार उन्हें पोस्टिंग देगी। हालांकि, जीपी की मशक्कतें अभी भी जारी रहेगी। उनके सामने अब विभागीय जांच खतम करा डीजी प्रमोशन कराना बड़ा टास्क रहेगा। चूकि कैट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने भी मुहर लगा दिया है इसलिए अब विभागीय जांच में भी कुछ होना नहीं है। सिर्फ बाइंडिंग की औपचारिकता बची है। उसके बाद फिर डीजी प्रमोशन के लिए डीपीसी होगी। जीपी के पास अगर एकाध महीने का भी वक्त होता तो वे डीपीसी कराने के बाद डीजीपी के पेनल में नाम जुड़वाने के लिए यूपीएससी को प्रेजेंटेशन दे सकते थे। तब डीजीपी के चार दावेदार हो जाते। मगर अब उन्हें वेट करना होगा।

अंत में दो सवाल आपसे

1. निलंबन में पैसा मिलेगा, मगर काम नहीं...अंग्रेजों के समय की इस व्यवस्था को टाईट क्यों नहीं की जा रही, ताकि गलत कार्य करने से लोग बचे?
2. छत्तीसगढ़ में कौन-कौन मंत्रियों ने प्रायवेट वसूली एजेंट नियुक्त कर डाला हैं?

पोटाश बम के शिकार हुए शावक अगहन के तीन आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭धमतरी

पोटाश बम के शिकार हुए अगहन की गुत्थी सुलझ गई है। एंटी पोचिंग टीम ने गरियाबंद पुलिस की सहायता से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वहीं तीन आरोपी फरार हैं। गिरफ्तार आरोपियों के घर से 7 नग जिंदा पोटाश बम, मयूर के पैर, चीतल, सांभर की हड्डी एवं फंदा जब्त किया गया है।

■ फरार अन्य तीन आरोपियों की तलाश जारी

उल्लेखनीय है कि उदंती सीतानदी रिजर्व फारेस्ट हाथी दल के नाम से जाना जाता है। एंटी पोचिंग टीम से मिली जानकारी के अनुसार 6 नवंबर की शाम को जंगली सुअर के लिए शिकार के लिए आरोपियों ने अलग- अलग चार जगह पोटाश बम लगाए थे। 7 नवंबर की सुबह आरोपी

जब मौके पर पहुंचे तो तीन बम साबूत मिले। एक बम नहीं मिला। उसके आसपास खून के धब्बे और हाथी के पदचिन्ह देखकर आरोपी मौके से चले गए। 8 नवंबर को शावक हाथी के घायल होने की सूचना मिली। घटनास्थल से 6 किमी तक दो हाथियों के पदचिन्ह के साथ खून के धब्बे मिले। डॉग स्क्वाड बुलाया गया। सीसीएफ भी मौके पर पहुंची। डाक्टरों की मदद से रेस्क्यू आपरेशन चलाया गया। 9 से 12 नवंबर तक ड्रोन के माध्यम से घायल शावक हाथी की उम्र 4 से 5 साल होने का पता चला। जो मादा हाथी के साथ दल से कुछ दूर विचरण कर रहा था। टीम ने महुआ और गुड़ के लड्डू बनाकर उसमें दवाई मिलाकर खिलाने की कोशिश की। पीओआर 79/19 दर्ज किया गया।

14 से 18 नवंबर के बीच धमतरी-गरियाबंद वन मंडल होते हुए ओंड-आममोरी की 2500 फीट ऊंची पहाड़ी में चढ़ गया। 26 नवंबर को शावक रिसगांव कोर परिक्षेत्र में दिखाई दिया। उसकी मां उससे 4 से 5 किमी दूर थी। 27, 29 नवंबर तथा 6 दिसंबर को घायल शावक को ट्रंककुलैय्ज कर इलाज किया गया। सरगुजा से दो महावत इसकी देखरेख के लिए बुलाए गए। सीसीएफ सतोविशा समाजदार ने घायल बच्चे का नाम अगहन रखा। इसी बीच घायल हाथी ने 3 दिसंबर को ग्राम आमाबहार में एक बच्ची को कुचल डाला।

सर्वेश्वरी आश्रम में अघोरेश्वर भगवान राम महाविभूति कलश एवं चरणपादुका स्थापना दिवस मनाया गया

जगदलपुर। श्री सर्वेश्वरी समूह के जगदलपुर आश्रम में अघोरेश्वर भगवान राम महाविभूति कलश सह चरणपादुका स्थापना दिवस उत्साह के साथ सम्पन्न किया गया। समस्त कार्यक्रम संस्था के अध्यक्ष परमपूज्य बाबा संभव राम जी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

सर्वप्रथम स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बाबा संभव राम जी के द्वारा अघोरेश्वर स्मृति स्थल पर पूजन एवं आरती की गई। इसके बाद अघोरान्ना परो मंत्रः नास्ति तत्त्वं गुरोः परम का संकीर्तन प्रारम्भ किया गया। 13 दिसंबर को बाबा संभव राम जी द्वारा आश्रम के मन्दिर में यन्त्र की स्थापना की गई। उसके

बाद बाबा कीनाराम जी एवं परमपूज्य अघोरेश्वर भगवान राम जी के विग्रहों का अनावरण किया गया। उसके बाद हवन सम्पन्न किया गया। अन्त में सामूहिक प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

ज्ञात हो कि श्री सर्वेश्वरी समूह एक विश्वविख्यात सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्था है। समूह द्वारा जनकल्याण के अनेक कार्यक्रम चलाए जाते हैं। अपने सेवा कार्यों के लिए संस्था का नाम गिनीज़ बुक और वर्ल्ड रिकाड्र्स एवं लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज किया गया है। कार्यक्रम में आसपास के जगहों के साथ वाराणसी, जशपुर, अम्बिकापुर, रायपुर, रांची, दिल्ली सहित अन्य स्थानों से सैंकड़ों श्रद्धालु-सदस्य सम्मलित हुए।

NAME CHANGE

It is informed to general public that I Heera Jha, Husband Late Ram Bilas Jha, Address Sahdev Nagar, Distt. Rajnandgaon (C.G.) have changed my old name Heera Bai Jha Husband Late Ram Bilas Jha in future, I should be recognized by new name that is that Heera Bai Jha Husband Late Ram Bilas Jha in all Government and other Documents.

Heera Bai Jha
Husband Late Ram Bilas Jha
Address- Sahdev Nagar,
Distt. Rajnandgaon (C.G.)
Pin. 491441

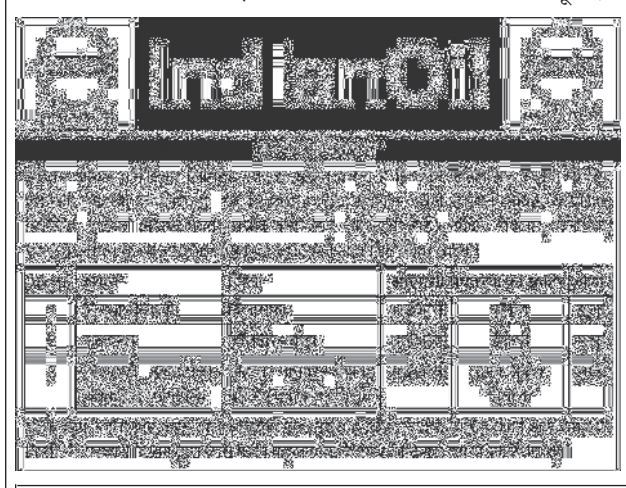

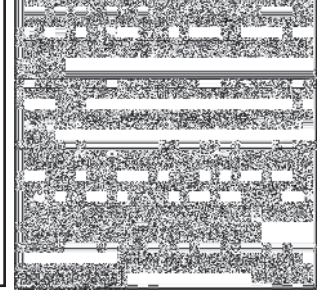

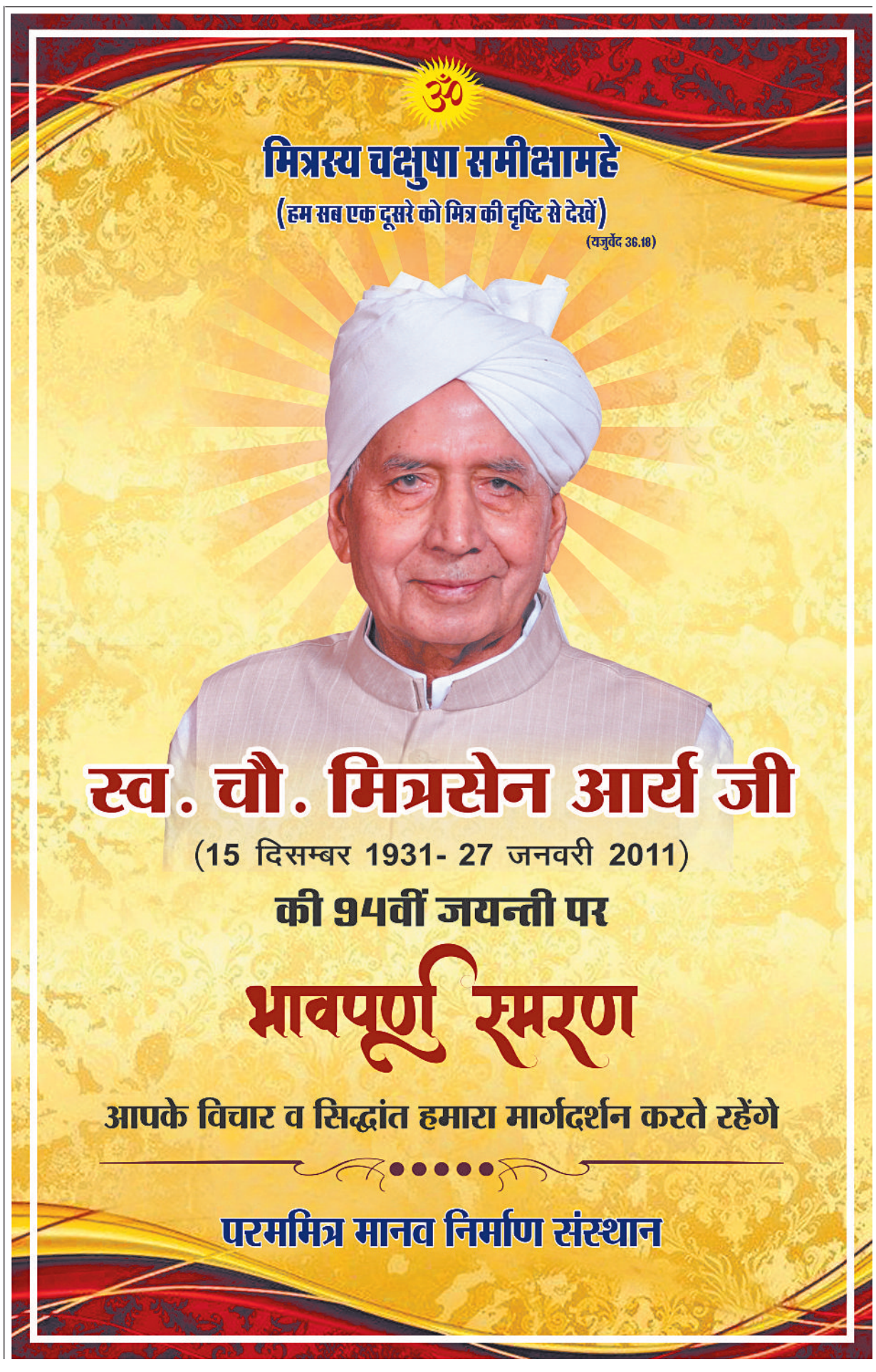

टैंकर की ठोकर से पुलिस जवान की मौत, आक्रोशित ग्रामीण सड़क पर उतरे

धमतरी। भखारा थाना में नाइट ड्यूटी कर वापस घर लौट रहे बाइक सवार पुलिस जवान को तेज रफ्तार पेट्रोल टैंकर ने चपेट में ले लिया। इस घटना में जवान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर हाईवे जाम कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार

अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम संबलपुर निवासी केशवमुरारी सोरी पिता नारायण सिंह सोरी उम्र 27 वर्ष पिछले दो साल से भखारा थाना में आरक्षक के पद पर पदस्थ था। आरक्षक अपने घर संबलपुर से ड्यूटी करने भखारा जाता था। शुक्रवार को जवान की थाने में नाइट ड्यूटी लगी थी। रात में ड्यूटी करने के पश्चात आरक्षक शनिवार की सुबह बाइक से वापस धमतरी आकर रूद्री रोड की तरफ चला गया। जहां से आरक्षक लगभग सुबह 10 बजे बाईक से नेशनल हाईवे से होते हुए वापस अपने घर संबलपुर आ रहा था। इसी दौरान सेहराडबरी के पास रिलायंस पेट्रोल पंप के आगे तेज रफ्तार पेट्रोल टैंकर के चालक ने बाइक सवार आरक्षक को अपनी चपेट में ले लिया। टैंकर की ठोकर से आरक्षक का सिर धड़ से अलग होकर सड़क पर बुरी तरह से कुचला गया। जबकि आरक्षक हेलमेट पहना हुआ था। इस घटना में आरक्षक की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई।

अब वो दिन नहीं रहे, जब एक देश के सैनिक, दूसरे देश के सैनिकों के सामने हाथ में हथियार लेकर जंग लड़ते थे। अब तो आधुनिक, स्वचालित हथियारों से भी एक कदम आगे बढ़ते हुए इंसान के बजाय मशीनी मानव यानी रोबोट्स और एआई बेस्ड ड्रोंस जंग में हिस्सा लेने लगे हैं। आने वाले वर्षों में कैसा होगा रोबोटिक सोल्जर्स वाले युद्धों का स्वरूप, आप जरूर जानना चाहेंगे।

वॉर के लिए तैयार रोबोट सोल्जर

कवर स्टोरी

संजय श्रीवास्तव

हाल में आई खबरों के अनुसार यूक्रेन, रूस के साथ हो रही जंग के अपने अग्रिम मोर्चों पर दस हजार रोबो सैनिक तैनात करने जा रहा है और रूस भी इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। ब्रिटेन के अनुसार यूक्रेन सरीखा युद्ध, उनकी इंसानी सैनिकों की अधिकांश संख्या को छह माह में खत्म कर देगा। नतीजा होगा मशीनी सैनिकों का समावेश। यह भविष्य के युद्ध परिदृश्य को इस कदर बदल सकता है कि संघर्ष मानव और रोबोट सैनिकों के बीच होने लगेगा। ऐसा सिर्फ रूस और यूक्रेन में नहीं, दुनिया भर में मिलिट्री रोबोट, युद्धक ड्रोन या रोबोट खच्चर जैसे किसी ना किसी तौर पर काम कर रहे हैं और उनकी होड़ बेतहाशा बढ़ रही है। साथ ही उसका बाजार भी बढ़ता जाएगा।

बन गए हैं आज की जरूरत: यूक्रेन ने इंसानी सेना में भर्ती की न्यूनतम उम्र 25 से घटाकर 18 वर्ष कर दी है। उसके बावजूद सैनिकों की कमी बनी रही तो उसने अग्रिम मोर्चों पर दस हजार सैन्य रोबोट इस्तेमाल करने का फैसला लिया है। रूस भी सैनिकों की कमी से बुरी तरह जूझ रहा है, उसने भी संकेत दिए हैं कि वह भी ऐसा ही करेगा। लंबे संघर्ष में जैसे-जैसे नुकसान और थकावट बढ़ती जा रही है, दोनों पक्ष इंसानों की जगह मशीनें इस्तेमाल करने की बात कर रहे हैं। बेशक दीर्घकालिक युद्ध के दौरान भारी सैन्य शक्ति खोना पड़े तो ऐसी स्थिति स्वाभाविक है। आखिर हथियार तो जल्द निर्मित किए और खरीदे जा सकते हैं, लेकिन कुशल और प्रशिक्षित सैनिक तो इतने जल्दी तैयार नहीं हो सकते तो जाहिर है, मशीनी सैनिक की जरूरत होगी। एक और स्थिति है, यदि कोई सेना भिन्न दिशाओं और सीमाओं पर एक साथ कई मोर्चे खोल ले तो उसे भी तत्काल तैनाती के लिए मशीनी सैन्य सहायता पर निर्भर होना होगा। फिर आधुनिक युद्ध प्रणाली जिसमें आमने-सामने की जंग लड़ने की बजाय दूर बैठे साइबर, डिजिटल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता संपन्न तकनीक युद्ध का चलन हो, उसमें इस दौर का आना और मौजूदा प्रवृत्ति का बढ़ना स्वाभाविक है।

बढ़ेगी रोबो सोल्जर्स की संख्या: विगत दिनों नीदरलैंड में एक शिखर सम्मेलन के दौरान 80 देशों ने सैन्य अभियानों में इस तरह की सहायता पर चर्चा की, जिसमें से 60 देशों ने युद्ध के मैदान में एआई के इस्तेमाल के लिए हामी भरी। निस्संदेह आने वाले वर्षों में स्वचालन या ऑटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युक्त रोबोट, वॉर एरिया इनोवेशन का मुख्य केंद्र होंगे। इसी साल प्रकाशित स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट बताती है कि कुछ सालों में मिलिट्री रोबोट के बाजार में अभूतपूर्व तेजी आई है। यूक्रेन और रूस दोनों इस वर्ष लगभग 2 मिलियन ड्रोन बनाने की योजना बना रहे हैं। अकेले यूक्रेन में ही 160 से अधिक कंपनियां मानव रहित जमीनी वाहन बना रही हैं, जो युद्ध के दौरान सैन्य आपूर्ति पहुंचाने, घायलों को जंग के मैदान से निकालने या दूर से संचालित मशीन गन को ढोने के काम आ सकती हैं।

भारतीय सेना भी हो रही तैयार

भारतीय सेना ने भी रोबोटिक डॉग म्यूल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बने रोबोट, लॉजिस्टिक्स ड्रोन जैसे कई तरह के मिलिट्री रोबोट बनाए हैं, जिनसे युद्धक सहायता, विस्फोटकों को निष्क्रिय करने, खुफिया निगरानी और टोह, माइन लाइन क्लीयरेंस, लॉजिस्टिक्स जैसे कई तरह के काम ले रही है। चीन, पाकिस्तान और हाल में बांग्लादेश से आशंकित रक्षा चुनौतियों में कई मोर्चे खुलने के मद्देनजर अपने देश की सुरक्षा के लिए ऐसा करना जरूर हो गया है। गृहमंत्री ने बताया है कि डीआरडीओ, एंटीड्रोन गन माउंट प्रणाली बना रहा है।

फलेगा-फूलेगा रोबोट बाजार: वैश्विक सैन्य रोबोट बाजार का आकार, जो 2024 में 24 अरब अमेरिकी डॉलर से पार जा रहा है, वह 2034 तक तकरीबन 7 फीसद सालाना की दर से बढ़कर 45 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। सबसे तेज बढ़ेगी अमेरिकी सैन्य रोबोट के बाजार की हिस्सेदारी, जो लगभग 50 फीसद होगी। कई मोर्चों पर और लंबी लड़ाइयां चलेंगी तो अमेरिकी बाजार खूब फलेगा-फूलेगा। ऐसी परिस्थितियों में रूस और यूक्रेन ने जो संकेत दिए हैं, वह आधुनिक युद्ध में एआई और रोबोट के इस्तेमाल के उस संक्रमण काल की ओर इशारा है, जिसका भविष्य अत्यंत विध्वंसक और विनाशकारी दिखता है।

कई तरह से होंगे सहायक: यूक्रेन और रूस जिस तरह के सैन्य रोबोट की तैनाती करने जा रहा है, वो सैन्य सहायता वाले हैं। जैसे- रसद और हथियारों की आपूर्ति के लिए या शत्रु सेना की टोह लेने का काम करेंगे। अभी तक दुनिया भर के अनेक देशों के सैन्य विभाग बचाव, हमला और निरीक्षण करने के लिए युद्ध के मैदानों पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त रोबोटिक प्रणालियों को (ड्रोन, ग्राउंड रोबोट, इलेक्ट्रिक युद्धक विमान आदि) इस्तेमाल कर रहे हैं। सेनाओं का आकलन है कि फ्रंटलाइन पर इनके इस्तेमाल के काफी बेहतर परिणाम मिले हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध में कुछ खास ड्रोन, इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। प्रमुख देशों की सेनाओं द्वारा रक्षा आधुनिकीकरण कार्यक्रमों में बढ़ता निवेश और बेहिसाब वित्तपोषण इस बात की ओर संकेत कर रहा है कि वे मिलिट्री रोबोट की आधुनिकीकरण प्रक्रिया के तहत उनकी क्षमताओं, तत्परता और संचालन प्रभावशीलता में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए जटिल रोबोटिक समाधानों को अपनाने की ओर तेजी से बढ़ रही हैं।

अब सैन्य रोबोट बाजार में लगातार बड़ी बढ़त देखी जाने वाली है और शीघ्र ही युद्ध मैदान और दूसरे सैन्य आवश्यकताओं की पूर्ति में तरह-तरह के रोबोट शामिल होंगे ताकि विरोधियों पर तकनीकी बढ़त बनाए रखा जाए। यह होड़ यहां तक पहुंच सकती है कि जल्द ही अग्रिम मोर्चों पर ऐसे सैन्य रोबोट दिखें, जो मानवीकृत हों, युद्धक सैनिकों को प्रतिस्थापित कर खुद ही हथियार संभाले जंग लड़ रहे हों। मोर्चे पर मानव गनर की जगह लेने वाला ऐसा उत्पाद, जिसे जंगी जोखिम से दूर बैठकर एक स्क्रीन के जरिए संचालित किया जा सके, बनाया भी जा चुका है।

हो सकते हैं कुछ रिस्क: इतने फायदों के साथ ही रोबोट्स और ड्रोंस का युद्धों में ज्यादा यूज करना रिस्की भी हो सकता है। विरोधियों द्वारा एआई नेटवर्क को हैक करके उसमें हेर-फेर किए जाने की भी भरपूर आशंका है। ऐसे में ना सिर्फ संवेदनशील जानकारी चुराई जा सकती है, खुद अपने पक्ष का नुकसान भी हो सकता है। रोबोट सैनिक द्वारा एक गलत फैसला दो देशों की तटस्थ स्थिति को युद्ध में बदल सकती है। एक और समस्या इसकी अनिश्चितता है कि तकनीकी गड़बड़ी से कुछ गलत होता है, तो यह निर्धारित करना मुश्किल हो सकता है कि कौन जिम्मेदार है, मशीन या उसको नियंत्रित करने वाला?

बावजूद इसके इससे लाभ और कम लागत को देखते हुए तय है कि इसे सेनाएं बड़ी संख्या में तैनात करेंगी। व्यवस्था यह है कि एक कुशल सैन्य अधिकारी डेटा और सूचनाओं के आधार पर यह फैसला ले कि मिलिट्री रोबोट हमला करे कि नहीं लेकिन घटिया क्षमता वाले सेंसर, एआई के दोषपूर्ण लॉजिक या पूर्वनियत कमांडर्स और कुछ दूसरी मशीनी विसंगतियां, रोबोट को मनुष्य से पहले फैसला लेने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। मार्च 2020 में लीबिया में गृहयुद्ध के दौरान कामिकाजी क्वाडकॉप्टर ड्रोन ने बिना किसी के आदेश दिए ही खुद ट्रकों में विस्फोटक सूंघा, खतरा भांपा और लीबियन नेशनल आर्मी के ट्रकों के बेड़े में से अधिकांश को उड़ा दिया था। सब कुछ मशीन के हाथ चला गया तो वे मनुष्यों को तेजी से अग्रिम पंक्तियों से दूर कर देंगे। नतीजा यह हो सकता है कि भविष्य में युद्ध रोबोटों के बीच लड़े जाएंगे और युद्ध की नैतिकता ताक पर होगी। *

आज की अनिवार्य आवश्यकता हैं रोबोट्स

इसमें संदेह नहीं कि भविष्य में मिलिट्री रोबोट्स का इस्तेमाल अनिवार्य आवश्यकता है। सैनिक लंबे संघर्ष में थक सकते हैं, जो उनके श्रम शक्ति, संघर्ष और सटीक निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करेगा, उनका फोकस बिगड़ेगा और प्रदर्शन भी। मानवीय त्रुटि से मिशन की सफलता प्रभावित हो सकती है, वे घायल हो सकते हैं और उनकी जान भी जा सकती है। बारूदी सुरंगों को निष्क्रिय करने या ऐसे दूसरे जोखिम भरे काम रोबोट को सौंपने से सेना को जान-माल का बहुत लाभ होगा। सेंसर युक्त रोबोट ज्यादा से ज्यादा डेटा का त्वरित और सटीक विश्लेषण करके विरोधियों और उनकी रणनीति को बेहतर तरीके से भांपने में मददगार होंगे तो युद्ध में हमले की बेहतर तैयारी कर सकते हैं और सुरक्षित-त्रुटिहीन निर्णय ले सकते हैं। साथ ही, इनके अन्य विकल्पों को आवश्यक उपकरण, हथियार वगैरह ले जाने से युद्ध में सफलता की संभावना बढ़ जाएगी।

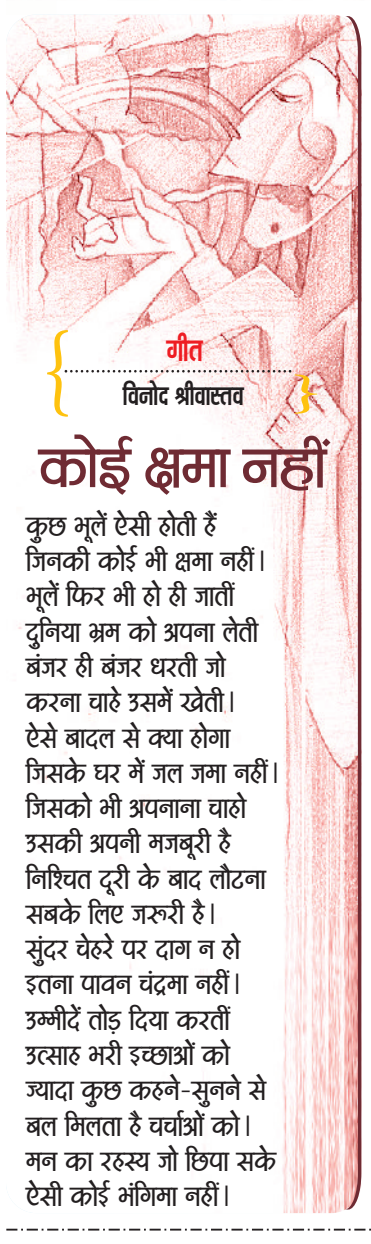

गीत

विनोद श्रीवास्तव

कोई क्षमा नहीं

कुछ भूलें ऐसी होती हैं
जिनकी कोई भी क्षमा नहीं।
भूलें फिर भी हो ही जातीं
दुनिया भ्रम को अपना लेती
बंजर ही बंजर धरती जो
करना चाहे उसमें खेती।
ऐसे बादल से क्या होगा
जिसके घर में जल जमा नहीं।
जिसको भी अपनाना चाहो
उसकी अपनी मजबूरी है
निश्चित दूरी के बाद लौटना
सबके लिए जरूरी है।
सुंदर चेहरे पर दाग न हो
इतना पावन चंद्रमा नहीं।
उम्मीदें तोड़ दिया करतीं
उत्साह भरी इच्छाओं को
ज्यादा कुछ कहने-सुनने से
बल मिलता है चर्चाओं को।
मन का रहस्य जो छिपा सके
ऐसी कोई भंगिमा नहीं।

{ लघुकथाएं }

जीवन की नई पारी

सहदेव जी अपनी सरकारी नौकरी के अंतिम पड़ाव पर आ गए थे। पटवारी की नौकरी पर प्रथम नियुक्ति के बाद अब वह पदोन्नत होकर नायब तहसीलदार बन चुके थे। एक बेटा और एक बेटी अपने पैरों पर खड़े हो गए थे। दोनों ही विवाहोपरांत अपनी गृहस्थी में व्यस्त थे। बचपन से गुनगुनाने के शौकीन सहदेव जी को अपने व्यस्त जीवन में गायन के शौक को निखारने और प्रदर्शित करने का अवसर कम ही मिल पाता था। उन्हें जब भी जो भी सुनता, उनके सुरीले गले की तारीफ जरूर करता। सहदेव जी हर वर्ष इक्का-दुक्का समारोह में अपनी गायन कला के प्रदर्शन का मौका पा जाते थे। वह अपने पसंदीदा गायक तलत महमूद के गीत गाने का प्रयास करते। सेवानिवृत्ति वाले दिन उद्बोधन से पूर्व उनसे एक गाना सुनाने की फरमाइश की गई तो उन्होंने 'ऐ मेरे दिल तू कहीं और चल..' सुनाकर उपस्थित लोगों की आंखों में आंसू भर दिए।

सहदेव जी को साठ बरस की उम्र तक लगातार कुछ ना कुछ प्रयोजन से गुजरता दिन अचानक सेवानिवृत्त होते ही बेमकसद सा लगने लगा। खाली बैठे मन नहीं लगता, चौबीस घंटे का दिन गुजारना भारी लगने लगा। सुबह-शाम टहलने जाना, घर के कुछ काम, फोन पर लोगों से बातचीत, इसके बाद भी एक खालीपन पीछा नहीं छोड़ता। गुनगुनाते तो वह रहते पर झिझक उन्हें खुलकर गाने से रोकती। पत्नी की सलाह पर सहदेव जी दिन में एक घंटा गाने का रियाज करने लगे, जिसका सकारात्मक असर उनके तन और मन दोनों पर होने लगा। अब वह प्रसन्न और ऊर्जावान रहते। कभी-कभी किसी गोष्ठी में बैठने का अवसर बनता तो रियाज से हो रहे सुधार का आकलन कर लेते।

दिन ठीक-ठाक गुजर रहे थे फिर भी सहदेव जी के मन में कुछ खटकता रहता। मन कुछ और करने के लिए मचलता। वह कुछ और करना चाह रहे थे। ऐसा कुछ जो सिर्फ अपने को ही सुख ना दे, दूसरों के लिए भी काम आ सके। विचार मंथन से उन्हें कुछ सूझा, अपने इकसठवें जन्मदिन पर वह सुबह ही घर से निकल गए। बाजार से एक छोटा माइक और ब्ल्यू टूथ स्पीकर खरीदा। एक व्यस्त मॉल के लॉन में बैठकर गाना शुरू कर दिया। गाने से पूर्व अपने आगे एक प्लास्टिक का डब्बा दानपात्र के रूप में रख दिया। 'शामे, गम की कसम, आज गमगीन हैं हम..' गीत की पहली प्रस्तुति ने ही लोगों को अपना ध्यान उनकी ओर खींचने को मजबूर कर दिया। एक घंटे वह गाने गाते रहे। लोग आते-जाते कुछ देर ठहर कर उनको आश्चर्य से देखते और गाना सुनते, कुछ दानपात्र में डाल देते। एक घंटे में उनके दानपात्र में नौ सो रुपए जमा हो गए थे। वह उन रुपए को लेकर उठे और बाजार से कुछ हरा चारा लिया और कुछ केले खरीदे। आवारा घूमते गौवंश को पहले उन्होंने चारा खिलाया फिर बंदरों की टोली को केले खिलाए। यह सब करते कब शाम गई, उन्हें समय का कुछ पता ही नहीं चला। घर पर पंहुचे तो पूरा परिवार उनके जन्मदिन को मनाने के लिए जमा था। केक काटते समय उन्हें गर्व की अनुभूति हो रही थी कि एक सार्थक दिन गुजारने के बाद वह वाकई इस जश्न के हकदार हैं। बासठवें वर्ष के प्रवेश से जो सिलसिला उन्होंने शुरू किया, वह फिर नहीं रुका।

अब प्रतिदिन सहदेव जी अपनी कार लेकर निकल जाते। किसी भी भीड़-भाड़ वाली जगह पर दो-तीन घंटे बैठकर गाते, जो भी दानपात्र में प्राप्त होता, उसे असहायों, गरीबों, बंदरों, गाय-बैलों, कुत्तों की जरूरत की पूर्ति में व्यय कर देते। उनसे प्रेरित होकर दो और वृद्ध, गिटार और ढोलक लेकर संगत करने आने लगे और पुण्य हवन में आहुति का लाभ पाकर अपने आपको धन्य समझते। सहदेव जी के पास ना अब खाली समय था ना खालीपन। जीवन की यह नई पारी का काज अब तक किए सभी कार्य से श्रेयस्कर जो लगने लगा था। *

-संदीप पांडे 'शिष्य'

मौलिकता

पहाड़ से गिर रही नदी की धारा पर ताना मारते हुए पहाड़ के शिलाखंड आपस में वार्तालाप कर रहे थे, 'इन जलराशियों की किस्मत भी अजीब है! ना तो इनकी अपनी कोई मौलिकता है, ना ही कोई उद्देश्य! जिस बड़ी धार में ये मिल जाएं, उसी के साथ हो लेती हैं।'

पहले शिलाखंड की बात का समर्थन करते हुए दूसरा चट्टान खंड बोला, 'सच कह रहे हो भाई, इससे तो अच्छे हम हैं, जो एक जगह स्थिर भी रहते हैं और अपनी कठोर मौलिकता और स्थायित्व कायम रखते हैं। जलधारा ना हुई मानो बिन पेंदे वाला लोटा हो गई...!'

उसकी बातें सुनकर सभी शिलाखंड ठठाकर हंस पड़े। चट्टानों की बातें सुनकर ऊपर से गिर रही जल की धार ने कहा, 'बंधु, गतिशीलता हमारा गुण धर्म है, हम हर हाल में प्रवाहित होकर निरंतरता और मौलिकता को कायम रखते हैं, साथ ही बड़ी जल राशि, नदी या समुद्र से मिलना हमारा उद्देश्य होता है। यदि समुद्र या नदी से नहीं मिल सकें तो भी किसानों के खेत या जीव-जंतुओं के प्यास बुझाने के काम तो आ ही जाते हैं, जबकि तुम चट्टानों की मौलिक पहचान स्थिर है। किंतु हमारे प्रवाह मार्ग में आने वाली लघु से लेकर विशाल शिलाखंड भी हमारी तीव्र धार से घिस-घिसकर हमारे संग गतिशील होकर अपनी मौलिकता खोते ही हैं, साथ ही हमें रोकने के उद्देश्य में भी विफल हो जाते हैं।'

जल राशि का जवाब सुन चट्टानों के बीच खामोशी सी छा गई। चारों ओर सिर्फ पहाड़ से गिर रही जलधारा का ही शोर सुनाई दे रहा था। *

-विनोद कुमार विक्की

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

वर्तमान कहानियों का मूल्यांकन

कई वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही पत्रिका 'बनास जन' सामान्य अंकों के साथ अपने विशेषांकों के लिए विशेष रूप से जानी जाती है। कुछ समय पूर्व इसका एक विशेषांक 'कहानी का वर्तमान' शीर्षक से प्रकाशित हुआ है। इसमें हाल के वर्षों में प्रकाशित लगभग दो दर्जन कथा संग्रहों पर लिखे गए समीक्षात्मक लेख संकलित किए गए हैं।

यहां ममता कालिया (दो गज की दूरी), सुधांशु गुप्त (तेरहवां महीना), सुभाष पंत (लेकिन वह फाइल बंद हो चुकी है) और मीरा कांत (ताले में शहर) जैसे वरिष्ठ कथाकारों के हाल में प्रकाशित कथा संग्रहों की समीक्षाओं के साथ ही इनसे युवतर पीढ़ी के कथाकार जैसे प्रभात रंजन (एक्स वाई का जेड), मनोज रूपड़ा (दहन), मोहम्मद आरिफ (चूक), सोनी पांडेय (मोहपाश) और सारा राय (नबीला और अन्य कहानियां) कहानी संग्रहों पर भी विस्तार से बात की गई है।

कहा जा सकता है कि इन समीक्षाओं से गुजरते हुए हम ना केवल वर्तमान दौर में लिखी जा रही कहानियों के कलेवर और तेवर से रूबरू हो सकते हैं, साथ ही तेजी से बदलते समाज, उसकी मानसिकता और उसके चीन्हे-अनचीन्हे द्वंद्व को भी आलोचकीय दृष्टि से समझ सकते हैं। *

पत्रिका: बनास जन-60 (कहानी का वर्तमान), संपादक: पल्लव,
मूल्य: 40 रुपए, प्रकाशन संपर्क: शालीमार बाग, नई दिल्ली

बस्तर ओलंपिक- 2024

बस्तर ओलंपिक 2024

करसाय ता बस्तर बरसाय ता बस्तर

श्री अमित शाह
माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री अमित शाह जी

माननीय केंद्रीय गृह मंत्री का हार्दिक अभिनंदन

समापन समारोह

दिनांक: 15 दिसंबर 2024
स्थान: इंदिरा प्रियदर्शिनी, स्टेडियम जगदलपुर

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति, विकास एवं स्थिरता लाने की एक पहल

छत्तीसगढ़ सरकार की नई सोच बस्तर ओलंपिक, 2024

बस्तर क्षेत्र के युवाओं को खेलों के माध्यम से विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास

नक्सल हिंसा में दिव्यांग व्यक्तियों और आत्मसमर्पित नक्सलियों को विशेष प्रोत्साहन

बस्तर क्षेत्र के 1 लाख 65 हजार से अधिक लोगों ने कराया अपना पंजीयन

विभिन्न खेल स्पर्धाओं में महिलाओं और पुरुषों की बराबर भागीदारी

डी. बी. टी. के माध्यम से जिला और संभाग स्तर के विजेताओं को नगद पुरस्कार

आप सभी सादर आमंत्रित हैं...

आयोजक- खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं गृह (पुलिस) विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

पैसों की है दिक्कत तो एसआईपी को बंद करने की बजाय पॉज करें

सही समय पर लिया गया फैसला आपकी वेल्थ बनाएगा

बिजनेस डेस्क

ज्यादातर देखा जाता है कि किसी स्कीम में अगर आप निवेश करें और इसी बीच में किसी फाइनेंशियल प्रॉब्लम्स के चलते निवेश को जारी रख पाना मुश्किल हो रहा हो, तो प्रीमैच्योर विड्रॉल करके स्कीम को बीच में ही क्लोज करना पड़ता है, लेकिन एसआईपी इस मामले में बाकी सभी स्कीम्स से थोड़ा अलग है। मान लीजिए कि आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड्स में इन्वेस्टमेंट शुरू करते हैं और अचानक आपके सामने कोई ऐसी फाइनेंशियल सिचुएशन आ जाती है कि अपने निवेश को आगे जारी रख पाना आपके लिए मुश्किल हो जाता है तो इस स्थिति में जरूरी नहीं कि आप एसआईपी को बंद कराएं, लेकिन आप इसे कुछ समय के लिए पॉज यानी विराम भी दे सकते हैं। जब हालात ठीक हो जाएं तो अपनी एसआईपी को दोबारा शुरू कर सकते हैं। इससे आपका लंबे समय तक बना रहेगा और आपको अच्छा मुनाफा भी मिलेगा। वहीं, यदि आप एसआईपी को बंद करते हैं तो तो आपको प्रीमैच्योर विड्रॉल करना पड़ेगा और आपका निवेश बंद हो जाएगा। इससे आप मुनाफा नहीं कमा पाएंगे। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि किस कंडीशन में आपके लिए कौन सा फैसला लेना बेहतर साबित होगा।

क्या है एसआईपी विराम

फाइनेंशियल क्राइसिस के दौरान इस सुविधा को इस्तेमाल करके आप अपनी स्कीम को पूरी तरह से बंद करने की बजाय बीच में रोक सकते हैं। पहले यह सुविधा 1 से 3 महीने की थी, लेकिन अब कुछ फंड हाउस ने इसे 6 महीने तक बढ़ा दिया है। इस सुविधा को लेने के लिए आपको एसेट मैनेजमेंट कंपनी यानी एएमसी को 'पॉज' करने की रिक्वेस्ट डालनी होती है. रिक्वेस्ट डालते समय आपको ये देखना होगा कि आपकी कंपनी कितने दिनों की पॉज सुविधा देती है। अगर आपके अनुरोध को कंपनी अप्रूव कर देती है तो एक निश्चित समय के लिए आपसे एसआईपी की किस्त नहीं ली जाएगी, लेकिन 'पॉज' पीरियड खत्म होने के बाद एसआईपी की किस्त अपने आप आपके अकाउंट से कटने लगेगी।

कब पॉज चुनें और कब इसे बंद करवाएं?

मेडिकल इमरजेंसी, नौकरी छूटना, या अचानक से कोई बड़ा खर्च आपके पास आ जाता है या फिर शादी विवाह, घर खरीदने या फैमिली से जुड़े अन्य किसी इवेंट के चलते आपके ऊपर आर्थिक जिम्मेदारी बढ़ जाए और आपको लगता है कि अभी आप एसआईपी की किस्त जारी नहीं रख पाएंगे, लेकिन कुछ समय बाद इसे फिर से शुरू कर सकते हैं। तो ऐसे में आप एसआईपी पॉज का विकल्प चुन सकते हैं और कुछ समय बाद अपना निवेश फिर से जारी कर सकते हैं। लेकिन अगर आर्थिक तंगी इस तरह की हो कि आपको इस बात का अंदाजा ही न हों अब आपकी स्थितियां कब सामान्य होंगी, तभी एसआईपी को बंद कराने का फैसला आप ले सकते हैं। इससे आपकी कुछ आर्थिक परेशानी दूर हो सकती है और भविष्य में मौका मिलने पर आप फिर से एक नई एसआईपी के साथ निवेश शुरू कर सकते हैं।

क्लोज कराने में ये नुकसान

एसआईपी को बीच में क्लोज कराने के बाद आपकी अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की कोई उम्मीद नहीं रहती, मतलब जिस लक्ष्य के साथ आपने निवेश के रूप में एसआईपी को को शुरू किया था, वो पूरा नहीं होता। लेकिन एसआईप को पॉज कराने से आपके निवेश का लक्ष्य प्रभावित नहीं होता है। इसके जरिए आपको कुछ दिनों के लिए किस्त देने से राहत मिल जाती है। पॉज पीरियड के बाद बाजार के सेंटीमेंट अगर बेहतर होंगे तो इसका पूरा फायदा आपको भी मिल सकता है। इसका सबसे बेहतर उदाहरण लोगों को कोविड टाइम में देखने को मिला।

एसआईपी पर 10 म्यूचुअल फंड ने दिया महंगाई से दोगुना रिटर्न

जो लोग सुरक्षित और स्थिर रिटर्न की तलाश में हैं और ज्यादा रिस्क भी नहीं लेना चाहते, उनके लिए इक्विटी सेविंग्स फंड्स एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं। ये फंड उन निवेशकों के लिए भी सही हैं, जो पहली बार निवेश कर रहे हैं और बाजार की अस्थिरता को लेकर चिंतित हैं। रिस्क कम होने के कारण यह नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है।

हाइब्रिड फंड्स में कॉर्पस को इक्विटी, डेट और आर्बिट्राज में करते हैं निवेश

●

आर्बिट्राज में इनवेस्टमेंट से ओवरऑल रिस्क को कम रखा जा सकता है

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

अगर आप अपने पैसे फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) या फिक्स्ड रिटर्न वाले किसी और एसेट में निवेश करते हैं, तो आम तौर पर आपको सालाना 6 से 8% तक रिटर्न मिलता है, लेकिन महंगाई दर को एडजस्ट करने के बाद रिटर्न की असली दर बेहद कम रह जाती है। अक्टूबर 2024 में देश की औसत कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) आधारित महंगाई दर 6.21% रही थी। लिहाजा 6 से 8% रिटर्न के लिए निवेश करना फायदे का सौदा नहीं है, लेकिन अगर आप ज्यादा रिटर्न हासिल करने के लिए इक्विटी में निवेश करने का विकल्प चुनते हैं, तो उसमें रिस्क काफी बढ़ जाता है। ज्यादातर प्योर इक्विटी फंड्स का रिस्क लेवल 'बहुत अधिक' होता है, लेकिन इनवेस्टमेंट का एक ऑप्शन ऐसा भी है, जिसने पिछले 5 साल के दौरान निवेशकों को महंगाई से दोगुना रिटर्न दिया है, वो भी कम रिस्क के साथ। हम बात कर रहे हैं इक्विटी सेविंग्स फंड्स की। ऐसे टॉप 10 फंड के पिछले 5 साल के एसआईपी रिटर्न की जानकारी आगे देंगे, लेकिन पहले जानते हैं कि इनके कम रिस्क में बेहतर रिटर्न देने का राज क्या है।

पांच साल में यह रहा रिटर्न

योजना	रिटर्न
एचएसबीसी इक्विटी सेविंग फंड (प्रत्यक्ष योजना)	17.38 %
सुंदरम इक्विटी सेविंग फंड (प्रत्यक्ष योजना)	15.58 %
कोटक इक्विटी सेविंग्स फंड (डायरेक्ट प्लान)	14.47 %
मिराए एसेट इक्विटी सेविंग्स फंड (डायरेक्ट प्लान)	13.82 %
इनवेस्को इंडिया इक्विटी सेविंग्स फंड (डायरेक्ट प्लान)	13.78 %
महिंद्रा मैनुलाइफ इक्विटी सेविंग्स फंड (डायरेक्ट प्लान)	13.65 %
एचडीएफसी इक्विटी सेविंग्स फंड (डायरेक्ट प्लान)	13.61 %
एसबीआई इक्विटी सेविंग्स फंड (डायरेक्ट प्लान)	13.44 %
यूटीआई इक्विटी सेविंग फंड (प्रत्यक्ष योजना)	13.19 %
एक्सिस इक्विटी सेविंग्स फंड (डायरेक्ट प्लान)	13.08 %

कम रिस्क में बेहतर रिटर्न का राज

हाइब्रिड फंड्स की कैटेगरी में आने वाले इक्विटी सेविंग्स फंड्स कम रिस्क में अच्छे रिटर्न इसलिए दे पाते हैं, क्योंकि उनके कॉर्पस को इक्विटी, डेट और आर्बिट्राज में बांटकर निवेश किया जाता है। दरअसल, सेबी के नियमों के तहत इक्विटी सेविंग्स फंड्स के कॉर्पस का कम से 65% इक्विटी और इक्विटी से जुड़े इंस्ट्रूमेंट्स में और कम से कम 10% हिस्सा डेट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करना जरूरी है। इसके अलावा ये फंड डेरिवेटिव्स में भी निवेश कर सकते हैं, जिसका खुलासा स्कीम इनफॉर्मेशन डॉक्युमेंट में करना जरूरी होता है। इस तरह की निवेश स्ट्रैटजी की वजह से ही इक्विटी में निवेश के बावजूद बाजार की उथल-पुथल का इन पर कम असर पड़ता है।

आर्बिट्राज में निवेश का दोहरा फायदा

इक्विटी मार्केट में लॉन्ग या मीडियम टर्म के लिए किया गया निवेश, जहां बेहतर रिटर्न देने की संभावना रखता है, वहीं आर्बिट्राज में इनवेस्टमेंट करने से पोर्टफोलियो के ओवरऑल रिस्क को कम रखने में मदद मिलती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि फंड मैनेजर आर्बिट्राज का मौका देखकर ही पैसे लगाते हैं. यानी निवेश तभी करते हैं, जब उन्हें मुनाफे की संभावना दिखाई देती है। लिहाजा, इसमें निगेटिव रिटर्न का रिस्क ना के बराबर रहता है। यही वजह है कि इक्विटी सेविंग्स फंड्स निवेशकों को स्थिर और सुरक्षित रिटर्न प्रदान करने में मदद करता है। खास बात ये है कि स्टेबल रिटर्न देने वाला आर्बिट्राज भी इक्विटी इनवेस्टमेंट की कैटेगरी में ही आता है, जिससे इक्विटी में कम से कम 65% निवेश करने की शर्त भी पूरी हो जाती है।

बेंचमार्क की तुलना में बेहतर रिटर्न

इनमें से अधिकांश फंड्स का बेंचमार्क निफ्टी इक्विटी सेविंग्स टोटल रिटर्न इंडेक्स है, जिसका 5 साल का औसत सालाना रिटर्न 10.20% रहा है। दूसरा बेंचमार्क क्रिसिल इक्विटी सेविंग इंडेक्स है, जिसका 5 साल का सालाना रिटर्न 10.91% है। यानी इन सभी फंड्स ने बेंचमार्क की तुलना में काफी बेहतर रिटर्न दिए हैं।

मुनाफे पर टैक्स बेनिफिट

इक्विटी सेविंग्स फंड्स को इनकम टैक्स के नियमों के लिहाज से इक्विटी फंड की कैटेगरी में रखा जाता है. यानी इससे होने वाले मुनाफे पर वे सभी टैक्स बेनिफिट भी मिलते हैं, जो इक्विटी इनवेस्टमेंट पर लागू होते हैं। इन नियमों के तहत 12 महीने से ज्यादा समय के लिए निवेश करने पर एक वित्त वर्ष के दौरान 1.25 लाख रुपये तक के मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं लगता है। इससे अधिक मुनाफा होने पर केवल 12.5% की दर से लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन टैक्स लगता है।

किन्हें करना चाहिए निवेश?

जो लोग सुरक्षित और स्थिर रिटर्न की तलाश में हैं और ज्यादा रिस्क भी नहीं लेना चाहते, उनके लिए इक्विटी सेविंग्स फंड्स एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं। ये फंड उन निवेशकों के लिए भी सही हैं, जो पहली बार निवेश कर रहे हैं और बाजार की अस्थिरता को लेकर चिंतित हैं। रिस्क कम होने के कारण यह नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है।

बच्चों के नाम पर एसआईपी के लिए 3 बेहतरीन स्कीम

बिजनेस डेस्क

एक स्मार्ट पैरेंट्स के लिए समझदारी यह है कि वह अपने बच्चों के नाम पर लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर फाइनेंशियल प्लानिंग करें। बच्चे जब कम उम्र के हों, तभी से उनके नाम पर बचत करना एक बेहतर प्रैक्टिस है, क्योंकि ऐसा करने पर आपको समय अधिक मिल जाता है। बच्चों की जरूरतें तब शुरू होती हैं, जब उनके हायर एजुकेशन या करियर बनाने का दौर शुरू होता है। ज्यादा समय मिलने का मतलब है कि आप रेगुलर बेसिस पर उनके लिए छोटी-छोटी बचत कर सकते हैं, जो लंबी अवधि में बड़ा कॉर्पस बन जाएं।

इसके लिए बेस्ट है कि आप एसआईपी का विकल्प चुनें, जिसमें एक साथ नहीं, बल्कि मंथली बेसिस पर निवेश करना होता है। अब आप सोच रहे होंगे कि बच्चों के नाम पर एसआईपी किन स्कीम में करें। इसका भी आसान उपाय है। कुछ म्यूचुअल फंड हाउस बच्चों के नाम पर इक्विटी सेग्मेंट में चाइल्ड म्यूचुअल फंड ऑफर करते हैं, जिनमें कम से कम लॉक इन पीरियड 5 साल को होता है। इनमें से ज्यादातर में इक्विटी फंडों की तरह हाई रिटर्न मिल रहा है। इन स्कीम में छोटा-छोटा अमाउंट जमाकर लॉन्ग टर्म में आप बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम ऐसी 3 योजनाओं के बार में बता रहे है जो आपको अच्छा रिटर्न दिला सकती हैं।

2. एचडीएफसी चिल्ड्रेंस फंड के रेगुलर प्लान

एचडीएफसी चिल्ड्रेंस फंड के रेगुलर प्लान को 2 मार्च 2021 को शुरू किया गया था। शुरू होने के बाद से इस फंड ने लम्प सम निवेश पर 16.76 फीसदी सालाना की दर से रिटर्न दिया है, जबकि एसआईपी करने वालों को 23 साल में 16.2 फीसदी सालाना की दर से रिटर्न मिला है। 30 नवंबर 2024 तक इस फंड का कुल एयूएम 9937.45 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 1.73 फीसदी है। अगर कम से कम 5 साल के लिए निवेश बनाए रखना है तो ये स्कीम बेहतर विकल्प है। इसके पोर्टफोलियो में टॉप होल्डिंग्स में एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस लिमिटेड के स्टॉक शामिल हैं।

3. टाटा यंग सिटीजेंस फंड के रेगुलर प्लान

टाटा यंग सिटीजेंस फंड के रेगुलर प्लान को 14 अक्टूबर 1995 को शुरू किया गया था। शुरू होने के बाद से इस फंड ने लम्प सम निवेश पर 13.24 फीसदी सालाना की दर से रिटर्न दिया है, जबकि एसआईपी करने वालों को 29 साल में 13.17 फीसदी सालाना की दर से रिटर्न मिला है। 31 अक्टूबर 2024 तक इस फंड का कुल एयूएम 367 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 2.56 फीसदी है। अगर कम से कम 5 साल के लिए निवेश बनाए रखना है तो ये स्कीम बेहतर विकल्प है। इसके पोर्टफोलियो में टॉप होल्डिंग्स में एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के स्टॉक शामिल हैं।

ऐसे समझें

- 5000 रुपये की एसआईपी को बनाया 1.7 करोड़ रुपये
- 23 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 13.17%
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 5000 रुपये
- 29 साल में कुल निवेश : 17,40,000 रुपये
- 29 साल बाद **SIP** की वैल्यू : 1,71,20,621 रुपये
- लम्प सम : 1 लाख के बन गए 37 लाख

(नोट : हमने यहां एक म्यूचुअल फंड स्कीम के प्रदर्शन के आधार पर यह जानकारी दी है। यह निवेश की सलाह नहीं है। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश के पहले फाइनेंशियल एडवाइजर से सलाह जरूर लें।)

1. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चाइल्ड केयर फंड

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चाइल्ड केयर फंड के रेगुलर प्लान को 23 साल पहले 31 अगस्त 2001 को शुरू किया गया था। इस दौरान फंड का लम्प सम निवेश पर रिटर्न 15.94 फीसदी सालाना रहा है, जबकि एसआईपी करने पर 14.76 फीसदी सालाना की दर से रिटर्न मिला है। फंड का लेटेस्ट एयूएम 1314.85 करोड़ रुपये है, जबकि एक्सपेंस रेश्यो 2.20 फीसदी है। अगर कम से कम 5 साल के लिए निवेश बनाए रखना है तो ये स्कीम बेहतर विकल्प है। इसके पोर्टफोलियो में टॉप होल्डिंग्स में भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंटरग्लोब एविएशन, जेएसडब्ल्यू स्टील और अंबुजा सीमेंट्स के स्टॉक शामिल हैं।

ऐसे समझें

- 5000 रुपये की एसआईपी को बनाया 1 करोड़ रुपये
- 23 साल में एसआईपी का एनुअलाइज्ड रिटर्न : 14.76%
- मंथली एसआईपी अमाउंट : 5000 रुपये
- 23 साल में कुल निवेश : 13,80,000 रुपये
- 23 साल बाद एसआईपी की कुल वैल्यू : 99,53,989 रुपये
- लम्प सम : 1 लाख के बन गए 31 लाख रुपये

रा.इ.सू.प्रौ.सं NIELIT

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं)

लोगों को सशक्त बनाना, राष्ट्र की सेवा करना

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था

सत्यमेव जयते इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

रा.इ.सू.प्रौ.सं: डिजिटल अंतर को पाटना

रा.इ.सू.प्रौ.सं आईसीटी के क्षेत्र में प्रशिक्षण, शिक्षा, कौशल विकास और क्षमता निर्माण गतिविधियों में लगा हुआ है और परीक्षा और प्रमाणन के लिए मानक स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। इसकी 52 स्वयं के केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से पूरे भारत में उपस्थिति है जो आइजवा, अजमेर, औरंगाबाद, भुवनेश्वर, बीकानेर, बक्सर, कालीकट, चंडीगढ़, चुचुइमलांग, चुराचांदपुर, चेन्नई, दमन, दिल्ली, डिब्रूगढ़, दीमापुर, पूर्वी दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, हरिद्वार, हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जम्मू, कारगिल, कोहिमा, कोकराझार, कोलकाता, कुरुक्षेत्र, लेह, लखनऊ, लुंगलेई, माजुली, मंडी, मुजफ्फरपुर, नोएडा, पटना, रांची, रोपड़, सेनापति, शिलांग, दिल्ली, श्रीनगर, तेजपुर, तेजू, तुरा में स्थित है, इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। अपने स्वयं के केंद्रों के अलावा, रा.इ.सू.प्रौ.सं 700 से अधिक मान्यता प्राप्त संस्थानों और 9000 से अधिक प्रशिक्षण एवं कौशल सुविधा केंद्रों के माध्यम से भी अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पिछले 11 वर्षों में, रा.इ.सू.प्रौ.सं ने औसतन 7 से 8 पाली, पासीघाट शिमला, सिलचर, दक्षिण पश्चिम जोरहाट के साथ-साथ प्रति वर्ष 86 लाख से अधिक उम्मीदवारों को प्रशिक्षित/प्रमाणित किया है। रा.इ.सू.प्रौ.सं ने अगले 5 वर्षों में एक करोड़ कुशल जनशक्ति का एक पूल बनाने की परिकल्पना की है।

निम्नलिखित कार्यक्रमों के लिए मान्यता प्रदान की गई

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- NIELIT 'O' लेवल (IT) - लेवल 4
- NIELIT 'A' लेवल (IT) - लेवल 5
- NIELIT 'B' लेवल (IT) - लेवल 6
- NIELIT 'C' लेवल (IT) - लेवल 8
- डिप्लोमा इन कंप्यूटर हार्डवेयर मेंटेनेंस टेक्नीशियन (CHM- T 'O' लेवल) कोर्स - लेवल 4

ऑनलाईन आवेदन करें : http://onlineaccr.nielit.gov.in

APPROVED — एनसीवीईटी मान्यता प्राप्त पुरस्कार प्रदायी निकाय व मूल्यांकन एजेंसी

मान्यता भागीदारों के लिए योजनाएँ/परियोजनाएँ

- डीजीई: आईटी ओ लेवल और सीएचएम-ओ लेवल के लिए एससी/एसटी नौकरी चाहने वाले
- जनसाधारण के लिए आईटी
- एमइआईटीवाई, भारत सरकार की एससीएसपी/टीएसपी योजना
- एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, सोशल मोबाइल पर फ्यूचर स्किल्स प्राइम प्रोजेक्ट।
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई)
- कार्य आधारित शिक्षा (डब्ल्यूबीएल)

प्रोत्साहन पुरस्कार योजना

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/शारीरिक रूप से विकलांग और महिला छात्रों के लिए मान्यता प्राप्त संस्थानों से प्रशिक्षित।

अधिक जानकारी के लिए: www.nielit.gov.in/content/scholarship

मान्यता प्राप्त संस्थानों की सूची (दिल्ली और उत्तर प्रदेश को छोड़कर)

नाइलिट केंद्र गुवाहाटी (ACCR-01543) PH-9435526410. नाइलिट शिमला (ACCR-00776) PH-177- 2804216. नाइलिट श्रीनगर (ACCR-01283) PH-194-2300501, 2300949. तेजपुर केंद्र, नाइलिट गुवाहाटी (ACCR-01084) पिन-784001 PH-3712-233461, 233473. इलेक्ट्रॉनिक्स सेवा और प्रशिक्षण केंद्र (ACCR-00716) पिन-244715 PH-5947-251201. ईएसएस डीईई एजुकेशन (ईडीईएस) सोसाइटी (एसीसीआर-00967) PH-9419200507. एक्सेल माइक्रो सिस्टम्स (एसीसीआर-01483) PH-9437052414. फैक्ट कंप्यूटर इंस्टीट्यूट (फैक्ट एजुकेशन सोसाइटी की इकाई) (एसीसीआर-01762) पिन-176202 PH-9418425764. हिलाल इंस्टीट्यूट (एसीसीआर-00944) पिन-192101 PH-9622545555. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (एसीसीआर-01185) पिन-788026 PH-9435176265. इन्फोनेट कम्प्यूटर्स (ACCR-02020) पिन-190011, इंटरएक्टिव इंस्टिट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (ACCR-01155) पिन-248001 PH-9411106542. पेंटासिस कम्प्यूटर्स (ACCR-01295) पिन-753001 PH-9238649324. प्रोफेशनल एकेडमी ऑफ कम्प्यूटर एजुकेशन (ACCR-00834) पिन-756001 PH-9437267606. राजस्थान कम्प्यूटर शिक्षा संस्थान (ACCR-01346) पिन-305001 PH-9828786637. रेन्ज इंफॉर्मेटिक्स (ACCR-00942) पिन-766001 PH-9437224260. एसबीएस इन्फोसिस्टम्स (ACCR-01412) PH-9858555040. स्कूल ऑफ कंप्यूटर एजुकेशन (ACCR-00601). शार्प एकेडमी ऑफ आईटी मैनेजमेंट (ACCR-01734) पिन-342010 PH-9414134616. एसएमटी कंप्यूटर इंस्टीट्यूट (ACCR-01191) पिन-249401 PH-9719174443. सुपरटेक (इंडिया) कंप्यूटर एजुकेशन (ACCR-01309) पिन-180001 PH-9419191592. करीमगंज कॉलेज कम्प्यूटर सेंटर (एसीसीआर-02066) पिन-788710. मास्टरमाइंड इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड (एसीसीआर-02070) पिन-192124 PH-9797978497. टेंड्रिल इंस्टीट्यूट ऑफ आई.टी. (एसीसीआर-02073) PH-9906703045. नाइलिट सेंटर, अजमेर (एसीसीआर-02074) PH-9096985835. नाइलिट सेंटर, अजमेर (एसीसीआर-A2075) PH-9096985835. सुपर एडवांस्ड कम्प्यूटर इंस्टीट्यूट (एसीसीआर-02080) पिन-190018 PH-9419550976. जी-टेक कॉलेज ऑफ कंप्यूटर एजुकेशन (ACCR-02085) पिन-192231 PH-9858419672। नियाट कंप्यूटर एजुकेशन (ACCR-02093) PH-9337035934। नाइलिट गुवाहाटी - जोरहाट एक्सटेंशन सेंटर (ACCR-02096) पिन-785001 PH-9436891584। नाइलिट गुवाहाटी - जोरहाट एक्सटेंशन सेंटर (ACCR-A2097) पिन-785004 PH-9435081619। नाइलिट गुवाहाटी - सिलचर एक्सटेंशन सेंटर (ACCR-A2098) PH-9864264694। नाइलिट गुवाहाटी - सिलचर एक्सटेंशन सेंटर (ACCR-02099) PH-9864264694। नाइलिट गुवाहाटी - सिटी सेंटर (ACCR-02109) पिन-781022 PH-9435143550। नाइलिट गुवाहाटी - सिटी सेंटर (ACCR-A2110) पिन-781022 PH-9435143550. फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट ऑफ आईटी प्राइवेट लिमिटेड (ACCR-02117) पिन-192101 PH-7006554134. के.जी.एन.टी. महासंघ (नए तकनीकी को जमीनी स्तर पर जानें) (ACCR-02128) पिन-766105 PH-9437623938. सेंटर फॉर आईटी एंड इंटरएक्टिव लर्निंग (CIIL) (ACCR-02144) पिन-770001 PH-9438760567. नाइलिट सेंटर, गुवाहाटी कोकराझार एक्सटेंशन सेंटर (एसीसीआर-02221) पिन-783370 PH-9435220735. नाइलिट सेंटर, गुवाहाटी कोकराझार एक्सटेंशन सेंटर (एसीसीआर-A2222) PH-9774380184. उड़ीसा कम्प्यूटर अकादमी (एसीसीआर-02239) पिन- 756001 PH-9853583910. केवीएस संस्थान (एसीसीआर-02243) पिन-176401 PH-9805365965. ईस्टर्न सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन (एसीसीआर-02374) PH-9893195163. शिवम इंस्टीट्यूट फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग (ACCR-02379) PH-9418014871। आईआईसीटी (एसीसीआर-02393) पिन-176061 PH-9418010838। तेज़ू एक्सटेंशन सेंटर, नाइलिट इटानगर (ACCR-02439) पिन-792001 PH-9863429681। नाइलिट पाली (एसीसीआर-02442) पिन-306401 PH-9876601897। नाइलिट गुवाहाटी का माजुली अध्ययन केंद्र (ACCR-02447) पिन- 758104 PH-9435081619। मंडी विस्तार केंद्र, नाइलिट शिमला (एसीसीआर-02449) पिन-175001 PH-9876601897. मंडी विस्तार केंद्र, नाइलिट शिमला (एसीसीआर-A2450) पिन- 175001 PH-9876601897. नाइलिट भुवनेश्वर (एसीसीआर-02453) PH-9013330354. कारगिल विस्तार केंद्र, नाइलिट लेह (एसीसीआर-02455) पिन-194105 PH-9906546830. नाइलिट भुवनेश्वर (एसीसीआर-A2461) पिन-751013 PH-9937585011. नाइलिट बीकानेर (पूर्व) (एसीसीआर-02466) पिन-334001 PH-7985175136. नाइलिट बीकानेर एमजीएसयू (पश्चिम) (एसीसीआर-02468) पिन-334004 PH-9891018825. मैक्रो सॉफ्ट एजुकेशनल सोसाइटी (एसीसीआर-03087) PH-9467028786. शिवम इंस्टीट्यूट फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग (एसआईवीटी) (एसीसीआर-03117) पिन-175048 PH-9418014871. सिथ ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट (एसीसीआर-03118) पिन-136027 PH-9315020000. शिव शक्ति कम्प्यूटर सेंटर (एसीसीआर-03120) पिन-126102 PH-8199988400. आईईटी (एसीसीआर-03128) पिन-192231 PH-9622537923. एनेक्स कम्प्यूटर एजुकेशन (एसीसीआर-03129) पिन-496445 PH-9300960024. सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (भारतीय समाज सेवा समिति के तहत) (एसीसीआर-03140) पिन-248197 PH-7599213222. केआईआईटी कम्प्यूटर एजुकेशन (एसीसीआर-03145) पिन-136118 PH-8929999939. उड़ीसा कम्प्यूटर अकादमी (ACCR-03216) पिन-757001 PH-9861949904. SDPI (SAI डिजिटेक प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट) (ACCR-03222) पिन-171002 PH-9418060666. ज़ील कम्प्यूटर कोचिंग (ZCC) (ACCR-03223) पिन-177001 PH-9816422702. सूर्यांश कम्प्यूटर एजुकेशन (ACCR-03225) पिन-175011 PH-9459682380. शिवम इंस्टीट्यूट फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग (SIVT) (ACCR-03237) पिन-176048 PH-9418014871. भारतीय कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी संस्थान (ACCR-03238) पिन-174303 PH-9816626727. नीलाचला कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी संस्थान [nict] (ACCR-03240) पिन-757003 PH-9437444277. प्रभु आईटी एवं प्रबंधन महाविद्यालय (ACCR-03245) पिन 301701 PH-9983839000. क्रिएटिव नेटवर्क्स (ACCR-03246) पिन-125120 PH-9478723623. एडवांस टेक्नोलॉजीज (ACCR-A3251) पिन-175018 PH-9817515246. इंपीरियल इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल एजुकेशन (ACCR-03291) पिन-175015 PH-9418156612. जेड-किंग ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस (ACCR-03292) पिन-136027 PH-9416040123. धनेश्वरी सोशल वेलफेयर सोसाइटी (ACCR-03293) पिन-175123 PH-9816370263. ड्रीम इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (ACCR-03294) पिन-173027 PH-9459532941. ड्रीम इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (ACCR-3295) पिन-173023 PH-9459532941. मॉडर्न कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (ACCR-03296) पिन-495677 PH-8982042748. अक्षर कंप्यूटर सेंटर (ACCR-03297) पिन-180001 PH-7006509070. एम्पायर एजुकेशन सोसाइटी (ACCR-03300) पिन-175001 PH-9882269009. बीसीई एजुकेशन सोसाइटी (ACCR-03306) पिन-125001 PH-9996994495. एसीआईटी कंप्यूटर एजुकेशन (ACCR-03312) पिन-144211 PH-8847479409. अचुता इंस्टिट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी (ACCR-03316) पिन-761200 PH-9861203205. ग्लोबल कंप्यूटर सोसाइटी (ACCR-03349) पिन-175024 PH-9816004621. कालू भट्ट मल्टी परपज [illegible]

CBC 06102/11/0009/2425

सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार

Gujarat Tourism™

"धोरडो, कच्छ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता को सम्मानित किए जाने पर बेहद खुश हूँ। यह सम्मान न केवल भारतीय पर्यटन की संभावनाओ को प्रदर्शित करता है, बल्कि विशेष रुप से कच्छ के लोगों के समर्पण को भी दर्शाता है।

धोरडो यूं ही चमकता रहे और दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करता रहें।"

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत

श्री भूपेन्द्रभाई पटेल
माननीय मुख्यमंत्री, गुजरात

rann utsav

01st DEC, 2024 to 28th FEB, 2025

रण एक रंग अनेक

कल्पना कीजिए एक ऐसी जगह की, जहां रात में धरती चाँदनी से झिलमिलाती है और हर सुबह रेगिस्तान सूर्य की सुनहरी आभा से रंग जाता है। यह है रण उत्सव का जादू – एक ऐसा अविस्मरणीय अनुभव जो आपकी यादों में हमेशा के लिए बस जाएगा।

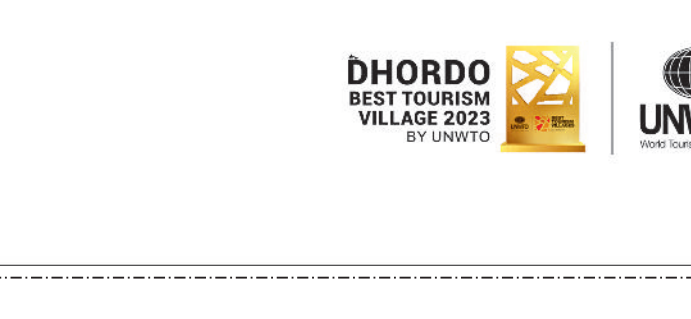

लक्ज़री टेंट्स या कच्छी भुंगों में ठहरें	गाइड के साथ आकर्षक स्थलों की सैर करें	ज़िपलाइन, एटीवी राइड्स और अन्य रोमांचक गतिविधियों का मज़ा लें	संस्कृति, व्यंजन और हस्तशिल्प का आनंद लें

कच्छ नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा

गुजरात पर्यटन निगम लिमिटेड
उद्योग भवन, ब्लॉक नंबर 16, चौथी मंजिल, सेक्टर - 11, गांधीनगर - 382 010, गुजरात
www.gujarattourism.com • टोल फ्री नंबर: **1800 203 1111**

DHORDO BEST TOURISM VILLAGE 2023 BY UNWTO

UNWTO World Tourism Organization

जैकेट के शेष

बस्तर में अमित...

सरेंडर कर चुके नक्सलियों से करेंगे मुलाकात : श्री शाह अपने छत्तीसगढ़ दौरे में जगदलपुर में यहां सरेंडर कर चुके नक्सलियों, स्थानीय लोगों और बुद्धिजीवियों से बातचीत करेंगे। यहां बस्तर ओलंपिक के समापन समारोह में भी शामिल होंगे और जगदलपुर में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने तथा उग्रवाद के शिकार परिवारों से मुलाकात करेंगे। शाह सुरक्षा शिविरों का दौरा करेंगे और विकास कार्यों का निरीक्षण करेंगे तथा वहां सुरक्षा बलों के जवानों के साथ दोपहर का भोजन भी करेंगे।

सर्वोच्च पुलिस सम्मान राष्ट्रपति पुलिस कलर अवार्ड : अमित शाह के दौरे के बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ पुलिस को अपनी सत्यनिष्ठा, मानवीय गरिमा और पिछले 24 वर्षों के शानदार ट्रैक रिकॉर्ड के लिए देश के सर्वोच्च पुलिस सम्मान राष्ट्रपति पुलिस कलर अवार्ड से 15 दिसम्बर को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक पुलिस परेड ग्राउंड, रायपुर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हाथों सम्मानित किया जाएगा। 'प्रेसिडेंट्स कलर' से छत्तीसगढ़ पुलिस का मनोबल बढ़ेगा, क्योंकि पुलिस ने पिछले कई वर्षों में नक्सलियों से निपटने में उत्कृष्ट कार्य किया है। यह अवार्ड मिलने से अब छत्तीसगढ़ पुलिस के सभी अधिकारी और जवान अपनी वर्दी में इस विशिष्ट निशान को धारण करेंगे, जो उनकी उत्कृष्टता और पहचान का प्रतीक बनेगा। यह उपलब्धि पुलिस के प्रत्येक सदस्य के लिए प्रेरणा का स्रोत होगी।

ऐसा होगा दौरा प्रोग्राम : तय कार्यक्रम के मुताबिक श्री शाह शनिवार को रात 9.25 बजे दिल्ली से रवाना होकर रात्रि 11.10 बजे रायपुर पहुंचे। रायपुर एयरपोर्ट से सीधे मेफेयर रिसॉर्ट गए यहां पर वे रात्रि विश्राम करेंगे। रविवार को श्री शाह राजधानी रायपुर में सुबह 11 बजे पुलिस ग्राउंड में राष्ट्रपति पुलिस कलर्स अवार्ड कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के बाद दोपहर पौने दो बजे रायपुर से बस्तर जाएंगे। दोपहर 2:50 बजे इंदिरा प्रियदर्शनी खेल मैदान में बस्तर ओलंपिक के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। समापन के बाद खेल मैदान में ही सुरक्षाबल अधिकारियों और जवानों के साथ नक्सल अभियान की समीक्षा करेंगे। शाम सवा पांच बजे भाजपा कार्यकर्ताओं से मिलेंगे। वे रात्रि विश्राम जगदलपुर में करेंगे। सोमवार को श्री शाह अमर वाटिका में सुबह 10:30 से 11:15 बजे तक अमर शहीदों को श्रद्धांजलि एवं शहीद परिवार तथा वामपंथी उग्रवादी हिंसा में मृत व्यक्तियों के परिजनों से चर्चा करेंगे। सुबह साढ़े ग्यारह बजे जगदलपुर से गुप्त स्थान के लिए रवाना होंगे। दोपहर 12:30 से 2 तक अमित शाह गुप्त बैठक करेंगे। दोपहर 3 बजे जगदलपुर से रायपुर के लिए करेंगे प्रस्थान करेंगे। रायपुर के मेफेयर रिसॉर्ट में शाम 4:15 से 5:45 बजे तक सुरक्षा संबंधी समीक्षा बैठक में लेंगे। इसके बाद शाम 6 बजे दिल्ली लौट जाएंगे।

माड़ मुठभेड़ में...

कार्तिक इंजीनियर था दो डिविजन का इंचार्ज, अब तक 56 मुठभेड़ में मारा गया स्टेट कमेटी मेंबर कार्तिक इंजीनियरिंग में स्नातक है। इसके अलावा मैनपुर व नुआपाड़ा डिविजन का इंचार्ज भी था। स्टेट कमेटी मेंबर में शामिल होने के पूर्व वह गल्लामला फॉरेस्ट एरिया में पीपुल्स वार ग्रुप के लिए नक्सल गतिविधियों में शामिल था। गौरतलब है कि अबूझमाड़ माओवादियों के गढ़ रहा है और माओवादी पूरे इलाके को अपना सुरक्षित ठिकाना मानते है। माड़ से लगे जिला नारायणपुर, दन्तेवाड़ा, कोण्डागांव और कांकेर द्वारा संयुक्त रूप से संचालित नक्सल विरोधी अभियान के दौरान विगत एक साल में 130 से ज्यादा माओवादी मारे जा चुके हैं। सिर्फ नारायणपुर जिले में पिछले एक साल में 56 नक्सली मारे जा चुके है, ये आंकड़े अबूझमाड़ में नक्सलियों के विरुद्ध सुरक्षा बलों के प्रहार और सफलता मानी जा रही है।

अबूझमाड़ में अब गदर...

सुंदरराज पी के मुताबिक अबूझमाड़ में एक साल में 130 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। सिर्फ नारायणपुर जिले में पिछले साल के दौरान 56 नक्सली हुए ढेर हुए हैं। अबूझमाड़ के बीहड़ों में नए कैंप खुलने के बाद नक्सली बैकफुट में चले गए हैं। जिसकी वजह से सरकार ने हाल ही के दिनों में चार गांवों में नया स्कूल खोल दिया है। बम, बारूद और गोली की आवाज खामोश होते ही इस गांवों के स्कूलों में रोजाना राष्ट्रगान का पाठ हो रहा हैं। इस इलाकों में बच्चों को गदर के गीत सुनाकर नक्सली अपने संगठन में जोड़कर कुनबा का विस्तार करते थे लेकिन बच्चे अपना भविष्य गढ़ रहे हैं। ऐनमेटा, जद्दा, ताड़ोबेड़ा और इरकभट्टी में स्कूल खोले जाने पर बच्चों और ग्रामीणों में काफी उत्साह और खुशी देखने को मिली है। ऐनमेटा में 180, जद्दा में 9, इरकभट्टी 190 और ताड़ोबेड़ा में 15 परिवार रहते हैं। चारों स्कूलों में पहली क्लास की पढ़ाई शुरू की गई हैं। अति संवेदनशील इलाका होने की वजह से सरकार की आमद इस गांवों में नहीं के बराबर थी। नक्सलियों के आतंक की वजह से सरकारी कर्मचारियों को गांव की दहलीज में कदम रखने की हिम्मत नहीं हो पाती थी। वक्त बदलते ही गांव में शिक्षा का मंदिर खुल गया है।

बच्चे उत्साहित, रोज स्कूल आते हैं, खाने की व्यवस्था हो जाती तो और बेहतर होता : स्कूल खोलने के बाद बच्चों में उत्सुकता बहुत है और डेली वे स्कूल आ रहे हैं। जो चीज खोला जाता है उसे बच्चे कर रहे हैं। समय से पहले बच्चे स्कूल पहुंच जाते हैं। बच्चों के साथ परिजनों में भी खुशी है। नए स्कूल होने की वजह से 12 बजे का भोजन बच्चों को नहीं मिल रहा है। शाम 4 बजे तक रहते हैं। परिजनों का कहना है कि स्कूल खोला इसको मिलने से अच्छा रहता। स्कूल घोटुल में चल रहा है। भवन होने से ग्रामीणों में उत्सुकता और ज्यादा बढ़ जाता।

जंगल में बीआरसी लक्ष्मीकांत सिंह ने कहा- कई किलोमीटर का रास्ता तय करके आते हैं। नदी नालों और पहाड़ों को पार कर आ रहे हैं। आजादी के बाद पहली बार स्कूल खोला जा रहा है। यह नक्सलियों का गढ़ माना जाता है और अति संवेदनशील क्षेत्र था। पहली बार स्कूल खोला गया है। **- देवकी सेठिया, ग्रामीण युवती**

अब नक्सलियों की पाठशाला नहीं चल रही है। बच्चे पढ़ने स्कूल आ रहे हैं। पहले पढ़ाई नहीं होता था ग्रामीण बेहद खुश हैं। गांव में स्कूल खुला ठीक लग रहा है। **- मंगली, ग्रामीण महिला**

गांव में स्कूल खुलने से बहुत खुशी है। स्कूल नहीं होने से मेटानार और मसपुर जाना पड़ता था बच्चे बहुत परेशान होते थे। नदी पार करना पड़ता था बारिश के मौसम में बच्चे ज्यादा परेशान होते है। बच्चों को बहुत मुश्किल होता था। जंगली जानवरों का भी खौफ था।

बीआर रावटे, खण्ड शिक्षा अधिकारी ओरछा : अबूझमाड़ के घोर नक्सली इलाका जिसमें ऐनमेटा, जद्दा, ताड़ोबेड़ा और इरकभट्टी के चार गांव हैं। इस चार गांव में लोग आजादी के बाद से शिक्षा से वंचित रहे हैं। जहां शासन की महत्वाकांक्षी नियद नेल्लानार योजना के तहत स्कूल खोले गए हैं।

अनाथ नहीं अब...

हर साल ठंड में सारनाथ एक्सप्रेस अधिक कोहरे के कारण तीन महीने के लिए रद्द होती थी। इस बार रायपुर और बिलासपुर से बड़ी संख्या में यात्रियों ने रेलवे के इस फैसले का विरोध किया। जनप्रतिनिधियों ने भी ट्रेन को बहाल करने की मांग की थी। यही वजह रही कि रेलवे ने पहली बार ठंड में रद्द सारनाथ को फिर से बहाल करने का फैसला लिया है। अब देखना होगा कि ट्रेन कोहरे के कारण कितनी लेट होती है। रेलवे का कहना है कि ट्रेन लेट होने से मेंटेनेंस का समय चला जाता है, इसलिए ट्रेन को रद्द कर देते हैं।

पेज एक के शेष

अंडमान में सबसे ....

महंगी सब्जी, महंगा खाद्य तेल, महंगा अनाज, महंगी दाल इन सब ने मिलकर छत्तीसगढ़ की महंगाई दर को 8.39 प्रतिशत तक पहुंचा दिया है।

इसलिए छत्तीसगढ़ में ....

इस हिसाब से राज्य में नवंबर में महंगाई दर में कमी आई है। दरअसल छत्तीसगढ़ में सब्जियां और फल महंगे हैं। खाद्य महंगाई दर बढ़ने की वजह मुख्य रूप से सब्जियां, फल, तेल, और वसा की कीमतों में वृद्धि रही है। सब्जियों की आवक स्थानीय स्तर पर कम हो रही है और ज्यादातर सब्जियां दूसरे राज्यों से आती हैं। कुछ राज्यों में भारी बारिश की वजह से सब्जी की फसल बर्बाद होने से भी सब्जियों के दाम बढ़े हैं।

सदन में रखे ....

राजनीतिक स्वार्थ के लिए संविधान को हथियार न बनाया जाए।

00 आरक्षण न छीना जाए। धर्म के आधार पर आरक्षण की हर कोशिश पर रोक लगे।
00 वीमेन लेड डवलपमेंट में भारत दुनिया के लिए मिसाल बने।
00 राज्य के विकास से राष्ट्र का विकास हो।
00 एक भारत श्रेष्ठ भारत का ध्येय सर्वोपरि हो।

विधानसभा की रजत ....

ही नए विधानसभा भवन का लोकार्पण प्रधानमंत्री के हाथों कराने की तैयारी है। उन्होंने विधानसभा के रजत जयंती वर्ष के 'प्रतीक चिन्ह' का विमोचन किया। रजत जयंती वर्ष के प्रथम सत्र के पहले दिन सभी सदस्यों का स्वागत नर्तक दलों के माध्यम से किया जाएगा। इस दौरान छाया चित्रों की प्रदर्शनी के साथ नए विधानसभा के मॉडल की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। विधानसभा परिचय पुस्तिका का विमोचन किया जाएगा। यह भी बताया गया कि बहुत से आयोजन बजट सत्र के दौरान होंगे। रजत जयंती वर्ष में नए विधानसभा का लोकार्पण भी कराने की तैयारी है। नया भवन 75-80 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, इसके शुभारंभ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। इस दौरान विचार गोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभिन्न आयोजन होंगे।

कांग्रेस प्रवेश का ....

प्रवेश के लिए एक समिति भी बनाई है। समिति पूरे मामले की गहन जांच पड़ताल करने के बाद ही अपनी सहमति देगी। समिति में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, प्रभारी सचिव एस ए संपत कुमार, जरिता लैतफलांग, सह सचिव विजय जांगिड़, पूर्व पीसीसी अध्यक्ष धनेंद्र साहू और मोहन मरकाम को रखा गया है। समिति के द्वारा प्राप्त आवेदनों पर टिप्पणी के बाद ही किसी व्यक्ति को कांग्रेस प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी के कई सदस्यों ने पार्टी में बगावती तेवर दिखाए थे। पार्टी ने इनमें से कई लोगों पर कार्रवाई भी की। इनमें कई पदाधिकारी और विधायकों ने टिकट न मिलने पर पार्टी छोड़कर अन्य पार्टियों में शामिल हो गए।

कई ऐसे भी हैं जो पार्टी से निष्कासित किए गए थे वे भी पार्टी में पुनः प्रवेश के लिए आवेदन दे रहे हैं। पार्टी हाई कमान ने अभी कई लोगों के पार्टी प्रवेश को लंबित रखा है। प्रदेश कांग्रेस के द्वारा ऐसे मामलों को लेकर हाई कमान से चर्चा की गई। चर्चा के बाद प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने पत्र जारी कर ऐसे नेताओं की पूरी छानबीन करने के बाद ही प्रवेश देने का निर्णय लिया है।

किसानों के दिल्ली कूच में बवाल, आंसू गैस से कई घायल, कल ट्रैक्टर मार्च, 18 को रेल रोको

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली कूच कर रहे किसानों के जत्थे को शंभू बॉर्डर पर रोक दिया गया। इस दौरान तनाव की स्थिति बन गई जिसके बाद पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इस दौरान वॉटर कैनन का भी इस्तेमाल किया गया। इसमें कुछ किसानों के घायल होने की भी खबर सामने आई है। इसके बाद किसान वापस चले गए। इसी बीच किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि 16 दिसंबर को पंजाब देश के बाकी राज्यों में ट्रैक्टर मार्च होगा।

इसके बाद 18 दिसंबर 12 बजे से लेकर 3 बजे तक पंजाब में हर जगह पर पूरी तरह रेलों को जाम किया जाएगा।

GURU GHASIDAS VISHWAVIDYALAYA गुरू घासीदास विश्वविद्यालय
(A Central University established by the Central Universities Act, 2009, No.25 of 2009)
KONI, BILASPUR-495009 (C.G.) INDIA, कोनी बिलासपुर 495009 (छ.ग.) भारत
Tel. - +91-7752-260017, 260435, 260209, Fax - +91-7752-260154, 260148, website -www.ggu.ac.in

क्रमांक 461/भर्ती/प्रशा/2024 **Walk-In-Interview** बिलासपुर, दिनांक 13.12.2024

इच्छुक एवं अर्ह उम्मीदवारों को शेष शैक्षणिक सत्र 2024 – 25 (प्रथमत: छ: माह हेतु) अवधि हेतु पूणर्त: अस्थाई शिक्षक के रुप में वॉक–इन–इंटरव्यू के माध्यम से नियुक्ति हेतु आवेदन के साथ शैक्षणिक अभिलेख एवं कार्य अनुभव के समस्त अर्हतादायी दस्तावेजों (अंकसूची, प्रमाण पत्र, उपाधि, अनुभव प्रमाण पत्र आदि) की छायाप्रति एवं मूल दस्तावेजों के साथ विश्वविद्यालय वेबपटल पर दिये गये समय सारणी अनुसार रजत जयंती सभागार में आमंत्रित किया जाता है। विश्वविद्यालय के पास किसी पद को भरने अथवा न भरने अथवा पदों / नियुक्तियों की संख्या / प्रकृति में परिवर्तन करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

उम्मीदवारों का चयन रु.25000/– प्रति माह के निश्चित वेतन पर किया जावेगा। शैक्षणिक अर्हता, साक्षात्कार तिथि, पद संख्या (आवश्यकता अनुसार परिवर्तनीय) एवं सामान्य अनुदेशों की अधिक एवं अद्यतन जानकारी के लिये विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.new.ggu.ac.in का नियमित अवलोकन करें।

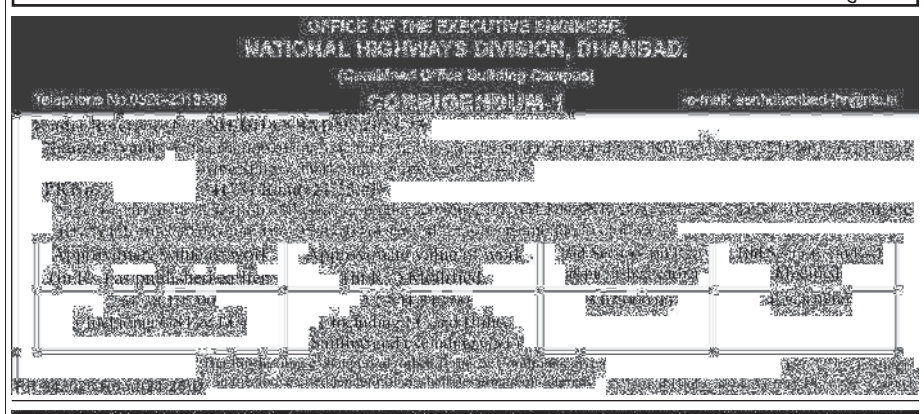

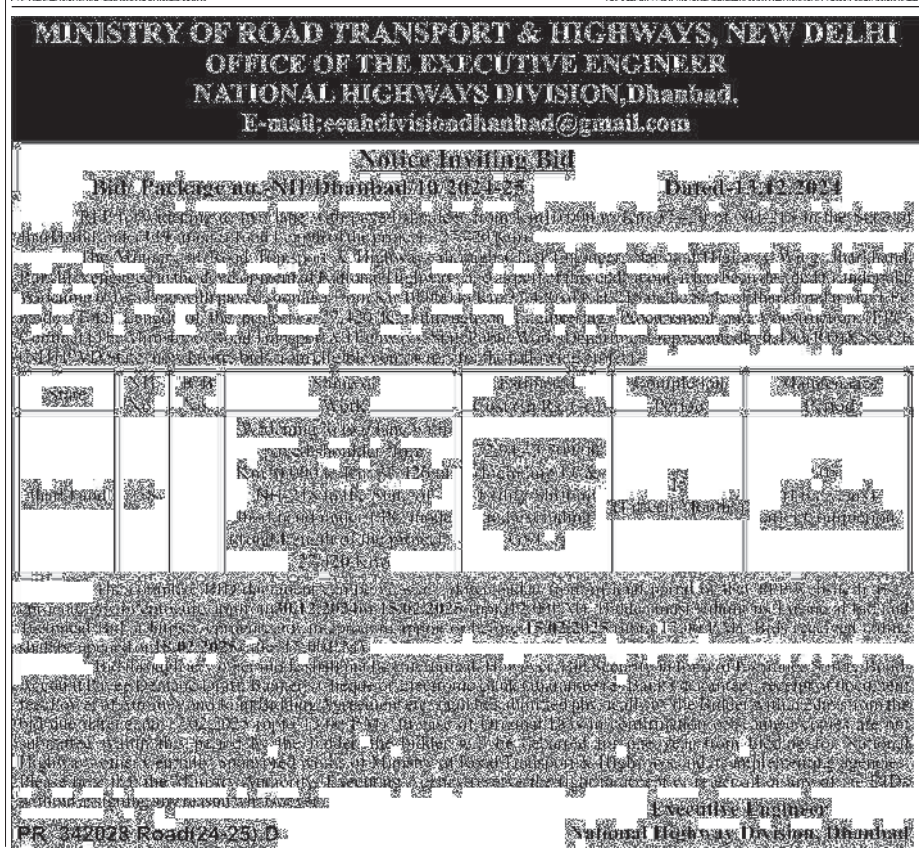

कुलसचिव

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,
NATIONAL HIGHWAYS DIVISION, DHANBAD.
(Combined Office Building Campus)
Telephone No.0326-2311339 CORRIGENDUM-1 e-mail: [illegible]
[illegible]

MINISTRY OF ROAD TRANSPORT & HIGHWAYS, NEW DELHI
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
NATIONAL HIGHWAYS DIVISION, Dhanbad.
E-mail;eeahdivisiondhanbad@gmail.com

Notice Inviting Bid

Bid Package no.-NH/Dhanbad/10/2024-25 Dated-13.12.2024

[illegible]

Executive Engineer
National Highway Division, Dhanbad
PR 342028 Road(24-25).D

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
पुराना जिला चिकित्सालय भवन जिला राजनांदगाँव (छ.ग)
Email - cmho-rjn.cg@gov.in, Ph.- 07744-224084

क्रमांक/स्था./सीधी भर्ती / 2024 / 7044 राजनांदगांव दिनांक : 13/12/2024

ड्रेसर ग्रेड- 1 पद के चयन सह प्रतीक्षा सूची एवं ड्रेसर ग्रेड-2 के पद हेतु दस्तावेज सत्यापन तृतीय सूची हेतु सूचना

ड्रेसर ग्रेड-1 एवं ड्रेसर ग्रेड-2, के नियमित पदों पर सीधी भर्ती के माध्यम से पूर्ति करने हेतु आनलॉईन माध्यम से आमंत्रित आवेदन पत्रों के आधार पर द्वितीय दस्तावेज सत्यापन उपरांत जिला स्तरीय चयन समिति के अनुमोदन अनुसार ड्रेसर ग्रेड-1 के पद हेतु चयन सह प्रतीक्षा सूची एवं ड्रेसर ग्रेड-2 के पद के लियें दस्तावेज सत्यापन हेतु तृतीय सूची का प्रकाशन राज्य स्तरीय विभागीय वेबसाईट https://cghealth.nic.in में किया जा रहा है। अभ्यार्थी दस्तावेज सत्यापन हेतु उक्त सूची, का अवलोकन कर दिनांक 20.12.2024 समय प्रातः 10:00 बजे से संध्या 05:00 बजे तक निर्धारित प्रारूप में जानकारी भरकर अपने समस्त आवश्यक दस्तावेजों की मूल प्रति एवं एक छायाप्रति के साथ कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, पुराना जिला चिकित्सालय भवन, गुरूनानक चौक राजनांदगांव में उपस्थित होवे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

G-242504576/1

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श–राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श–राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, रामातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, इमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत नि:शुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी के लिए परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में सुधार होगा, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी।

मिथुन — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार का साथ मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। मन अशान्त रहेगा।

कर्क — परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। कुटुम्ब–परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाइयों के सहयोग से कारोबार को गति मिल सकती है।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें।वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। आय की स्थिति में सुधार होगा। सेहत का ध्यान रखें। सन्तान सुख में वृद्धि होगी।

कन्या — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार में शान्ति एवं सद्भाव बनाये रखने के लिए प्रयास करें। नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति होगी।

तुला — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सम्पत्ति में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। मानसिक शान्ति बनाये रखें। माता का सानिध्य मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

धनु — मित्रों के साथ धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। घर–परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य होंगे। भवन की साज–सज्जा पर खर्च अधिक रहेंगे।

मकर — आलस्य में वृद्धि हो सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, लेकनि परिणाम संदिग्ध हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

कुंभ — खर्च बढ़ेंगे। आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में इच्छा–विरुद्ध कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

मीन — कारोबार में सुधार के लिए भाई–बहनों का सहयोग मिल सकता है। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। रहन–सहन कष्टदायी होगा। तनाव से बचें।

शब्द पहेली - 5716

बाएँ से दाए
1. चिकित्सा, इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा, क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर, शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा, अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर, आकर्षक-5
22. अनासक्ति, निर्विकारता-5
25. पानी, नीर-2
26. सूखा, दुष्काल-3
27. कांटा, कंटक-2
28. शांति, ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण, तेजस्वी-3
31. लाख, गोंद-2
33. मधुक, महुआ-3
35. हृदयगति, स्पंदन-4
36. अनुक्रम, निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे
2. पंख, पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक, देखरेख करने वाला, मुहाफिज-5
5. वियोग, जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता, अकेलापन-4
10. मरियल, निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म, गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम, नमस्कार-3
32. लड़ी, श्रृंखला-2
34. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 5715 का हल

■	बि	ज	ली	घ	र	■	मा	न	सि	क
दि	ल	■	ड	■	ख	न	न	■	ना	रा
ल	■	धा	र	दा	र	■	क	ली	■	मा
दु	ला	रा	■	■	खा	स	■	ख	प	त
ख	■	धा	■	ना	व	■	ग	■	र	■
ना	म	र	ख	ना	■	च	म	क	दा	र
■	यू	■	त	■	स	र	■	ट	■	वा
ह	र	म	■	शा	म	■	■	पी	स	ना
ड़	■	य	श	■	का	रा	वा	स	■	हो
ता	न	■	प	ग	ली	■	न	■	म	ना
ल	थ	प	थ	■	न	ग	र	व	धु	■

सूडोकु नवताल - 5727

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

MANGAL_SENACHA, BANGA_ORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5726 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : सिर्फ 13.2 ओवर का हो सका खेल

बारिश ने पहले दिन डाला खलल, भारत के खिलाफ आस्ट्रेलिया ने बनाए 28 रन

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

स्थानीय सितारे उस्मान ख्वाजा और युवा नाथन मैकस्वीनी ने अच्छी रक्षात्मक तकनीक का प्रयोग करके जसप्रीत बुमराह के पहले स्पैल को संभलकर खेला। तीसरे टेस्ट के पहले दिन बारिश के कारण सिर्फ 13.2 ओवर फेंके जा सके जिसमें आस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बिना किसी नुकसान के 28 रन तक बना लिए। खराब मौसम के कारण पहले सत्र के बाद कोई खेल नहीं हो सका। मौसम विभाग ने अगले चार दिन भी बारिश का अनुमान जताया है। ख्वाजा 47 गेंद में 19 और मैकस्वीनी 33 गेंद में चार रन बनाकर खेल रहे हैं। टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनने वाले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा खुश होंगे कि आस्ट्रेलियाई सलामी जोड़ी ज्यादा रन नहीं बना सकी लेकिन उनके गेंदबाजों ने बल्लेबाजों को खेलने के लिए मजबूर ही नहीं किया। अधिकांश गेंदें बल्लेबाजों ने छोड़ना ही मुनासिब समझा। जब लग रहा था कि भारतीय गेंदबाज आक्रमण के मूड में हैं, बारिश हो गई और गेंदबाजों की लय टूट गई। बारिश के कारण लंच ब्रेक जल्दी ले लिया गया और पहले सत्र में 13.2 ओवर ही फेंके जा सके।

हेंडरिक्स का शतक, अफ्रीका ने पाकिस्तान को हराया

सेंचुरियन। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को तीन गेंद बाकी रहते सात विकेट से हराकर दो साल से अधिक समय में पहली बार टी20 श्रृंखला जीत ली। सलामी बल्लेबाज रीजा हेंडरिक्स ने 63 गेंद में 117 रन बनाए जिससे मेजबान टीम ने 206 रन के लक्ष्य के जवाब में तीन विकेट पर 210 रन बना लिए। इससे पहले पाकिस्तान ने सलामी बल्लेबाज सईम अयूब के 57 गेंद पर नाबाद 98 रन की मदद से पांच विकेट पर 206 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की श्रृंखला एक मैच बाकी रहते 2-0 से अपने नाम कर ली। यह अगस्त 2022 के बाद टी20 श्रृंखला में उसकी पहली जीत है। दोनों टीमों ने मिलकर 416 रन बनाए जो उनके आपसी टी20 इतिहास में 17 साल में पहली बार हुआ है।

दर्शकों को वापस मिलेगा पैसा

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट के पहले दिन केवल 13.2 ओवर फेंके गए लेकिन शनिवार को निराश होकर गाबा से वापस लौटे दर्शकों के लिए खुशखबरी है कि उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से पूरा पैसा वापस मिलेगा। मैदान पर पहुंचे प्रशंसकों को एक नियम के कारण लाभ होगा जिसके अंतर्गत उन्हें एक दिन के खेल के दौरान 15 से कम ओवर फेंके जाने पर टिकटों का पूरा पैसा वापस मिलेगा। इसका मतलब है कि अगर 10 गेंद और फेंक दी गई होती तो सीए को एक मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से अधिक का पैसा वापस नहीं करना पड़ता। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि 30,145 प्रशंसकों को पूरा पैसा वापस मिलेगा क्योंकि 15 ओवर से कम का खेल पूरा हुआ था।

डब्लूपीएल नीलामी आज मैदान में 120 खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विमंस प्रीमियर लीग 2025 से पहले रविवार को बेंगलुरु में ऑक्शन होगा। इस ऑक्शन में 120 महिला खिलाड़ी मैदान में होंगी। नीलामी पूल में 91 भारतीय खिलाड़ी और 29 इंटरनेशनल प्लेयर होंगी। इनमें एसोसिएट देशों की तीन खिलाड़ी भी शामिल हैं। ऑक्शन में 30 खिलाड़ी कैप्ड (9 भारतीय, 21 विदेशी), जबकि 90 अनकैप्ड (82 भारतीय, 8 विदेशी) प्लेयर नजर आने वाली हैं। ऑक्शन में अधिकतम 19 प्लेयर ही बिक सकती हैं। इनमें 5 विदेशी प्लेयर शामिल हैं। नीलामी में हिस्सा लेने वाली मार्की खिलाड़ियों में तेजल हसब्निस, स्नेह राणा, डींड्रा डॉटिन (वेस्टइंडीज), हीथर नाइट (इंग्लैंड), ओर्ला प्रेंडरगैस्ट (आयरलैंड), लॉरेन बेल (इंग्लैंड), किम गर्थ (ऑस्ट्रेलिया) और डेनिएल गिब्सन (इंग्लैंड) शामिल हैं।

मीडिया क्रिकेट लीग में पत्रकारों ने लगाए चौके-छक्के, भाजपा ने 44 रन से जीता मैच

रायपुर। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी के संयोजन और रायपुर प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में न्यू राजेंद्र नगर के द्रोणाचार्य बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित किया गया। दो दिवसीय मीडिया क्रिकेट लीग का उद्घाटन शनिवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधासनभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय और स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के हाथों हुआ। क्रिकेट स्पर्धा का उद्घाटन मैच संपादक-11 और भाजपा नेताओं की टीम के बीच हुआ, जिसे 44 रन से भाजपा ने जीत लिया। संपादक-11 के कप्तान हरिभूमि व आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी रहे। भाजपा टीम की कप्तानी मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने की। रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल ठाकुर विशेष रूप से इस अवसर पर मौजूद रहे ।

मीडिया छापेगा तो अपने हिसाब से

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा- ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है कि मीडिया और भाजपा आमने सामने हो। खेल के मैदान में यह देखना बहुत दिलचस्प है मीडिया के साथी अक्सर अपने कार्यों में काफी व्यस्त रहते है ऐसे में मीडिया क्रिकेट लीग का यह आयोजन निश्चित ही सराहनीय है। आयोजन में पूर्व मुख्यमंत्री और विधासनभा अध्यक्ष डॉक्टर रमन सिंह ने कहा कि मीडिया और भाजपा आमने सामने तो है जीते कोई और हारे कोई लेकिन मीडिया छापेगा तो अपने हिसाब से। हास्य व्यंग करते हुए उन्होंने कहा मीडिया के साथी यह भी याद रखें सरकार भाजपा की है।

विजेता टीम को मिलेगा 51 हजार

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी और मीडिया क्रिकेट लीग के संयोजक अमित चिमनानी ने बताया कि लीग मैचेस शाम 5 बजे से रात्रि 12 बजे तक खेले जाएंगे। बॉक्स क्रिकेट के तौर पर आयोजित इस लीग मैच में रायपुर के मीडिया जगत की 16 टीमों में मीडिया जगत के 160 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

भारत ने फाइनल में बनाई जगह, जापान को 3-1 से दी करारी मात

एजेंसी ▶▶| मस्कट

गत चैंपियन भारत ने शनिवार को यहां जापान पर 3-1 की जीत के साथ अपना दबदबा कायम रखते हुए महिला जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया। मुमताज खान (चौथे), साक्षी राणा (पांचवें), दीपिका (13वें) ने पहले क्वार्टर में गोल किए जबकि जापान के लिए निको मारुयामा ने 23वें मिनट में सांत्वना गोल किया। ज्योति सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम के लिए शुरुआती क्वार्टर में यह एकतरफा रहा जब सुनलिता टोप्पो ने खेल के दूसरे मिनट में खतरनाक गेंद को रोकने के लिए तेजी से दौड़कर जापान के ड्रैग-फ्लिक के अवसर को विफल कर दिया। भारत ने दो मिनट बाद गलती का फायदा उठाकर बढ़त बना ली। एक मिनट बाद साक्षी राणा ने एक और मैदानी गोल करके गत विजेता को 2-0 से आगे कर दिया। भारत ने ग्रुप मैच में चीन से मिली हार से सबक सीखा। पहले क्वार्टर में दो मिनट रहते भारत को एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे दीपिका ने गोल में बदलकर स्कोर 3-0 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में जापान ने कुछ मौकों पर प्रतिद्वंद्वी सर्कल में घुसने की कोशिश की, लेकिन मजबूत डिफेंस के कारण उन्हें नाकाम कर दिया गया।

MARUTI SUZUKI

NEXA

STEP INTO THE SEASON OF PURE OPULENCE.

GRAB IT BEFORE PRICE RISE OF UP TO 4%

Celebrate Christmas and New Year with the luxury of the Invicto.

CREATE. INSPIRE.

INVICTO
THE LEAGUE OF EXTRAORDINARY

PANORAMIC SUNROOF WITH AMBIENT LIGHTS

2ND ROW CAPTAIN SEATS

POWERED DRIVER SEAT WITH MEMORY FUNCTION

MULTI-ZONE CLIMATE CONTROL (FRONT AND REAR)

ONE-TOUCH POWERED TAIL GATE

3 years 100 000 km WARRANTY* EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

INTELLIGENT ELECTRIC HYBRID

NEXA SHOWSTOPPER DEALS

BENEFITS UP TO ₹ 1 00 000** +
MARUTI SUZUKI SMART FINANCE OFFERS

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

For any bulk purchase enquiries please email to Renjith.nair@maruti.co.in

For detailed T&C kindly visit your nearest dealership. Creative visualization. For details on functioning of safety features, including airbags, kindly refer to the owner's manual. **All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers may vary subject to the model and variant purchased and shall be applicable till stocks last. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. Features and accessories shown may not be a part of the standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. *3 years or 100 000km whichever is earliest. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan India. Maruti Suzuki Subscribe is available only in selected cities. Maruti Suzuki Smart Finance offer is applicable only on the Alpha variant.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com